फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 351 प्रभात जयपुर, बुधवार 23 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Kolkata's Kalman Cold Storage Retired

"For us and most of our Anglo-Indian neighbours, Kalman's cold cuts and cured meats were winter musts," says Helen Thakur, nee Meyer

How Old Is the Telugu Script?

Damri, Thela, Pie, Anna

Ancient Indian Currency System: Even the *futti cowrie* carried value

भाजपा सरकार उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में थी?

इस संभावना से आतंकित जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा देने का निर्णय लिया और जब भाजपा हाईकमान त्याग पर कार्यवाही नहीं कर रहा था तो धनखड़ ने इस्तीफे की खबर अपने ट्विटर हैण्डल पर डाली

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। क्या मोदी सरकार बिखर रही है? क्या नेताओं का असंतोष मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहचान बनता जा रहा है, क्योंकि वे हर घटनाक्रम के कथानक पर नियन्त्रिण करने की कोशिश तथा सिर्फ़ अपनी बात मनवाने और "यस सर" कहने वाली संस्कृति को सुनिश्चत कर रहे हैं?

जगदीप धनखड का इस्तीफ़ा और उससे जुड़े तमाम विवादों से यह साफ़ दिखता है कि मोदी सरकार किसी भी असहमति को बर्दाश्त नहीं कर सकती। सरकार का स्पष्ट और सीधा संदेश है – इस सरकार में सिर्फ़ हाँ में हाँ मिलाने वालों के लिए ही जगह है।

चाहे उपराष्ट्रपति से इस्तीफ़ा मांगा गया हो या उन्होंने खुद संकेत समझकर इस्तीफ़ा दिया हो, लेकिन दोनों ही स्थितियों का नतीजा एक ही है – प्रधानमंत्री और उनकी टीम की साख को बड़ा झटका लगा है।

- वैसे भी धनखड़ आरएसएस के नज़दीक माने जाते हैं तथा संघ के दबाव में ही धनखड़ को उपराष्ट्रपति बनाया गया था और उसके पहले पश्चिम बंगाल का राज्यपाल।
- कहीं संघ प्रमुख मोहन भागवत व प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी के तनाव की स्थिति की भी कुछ छाया तो नहीं है, धनखड़ प्रकरण पर।
- इसके अलावा, हाल ही में अपनी कोटा यात्रा के दौरान, धनखड़ ने काफी तीखी आलोचना की थी, कोटा की कोचिंग क्लॉसेज़ की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने इस पर भारी आपत्ति की थी, क्योंकि अधिकतर कोचिंग इन्स्टीट्यूट के संस्थापक व संचालक ओम बिड़ला के नज़दीक के लोग बताये जाते हैं। ओम बिड़ला ने अपनी भावनाओं से गृह मंत्री अमित शाह को अवगत कराया था और एक बार फिर जगदीप धनखड़ की पेशी हुई अमित शाह के सामने।
- कई सवाल अनुत्तरित हैं, इस प्रकरण में, जिनका जवाब आना अभी बाकी है।

खबर है कि सरकार उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही थी।

दोपहर बाद प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक की और फैसला किया कि अब कार्रवाई का समय आ गया है। राजनाथ सिंह से भाजपा सांसदों को फोन करके प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करवाने को कहा गया। कुछ मनोनीत सांसदों को भी बुलाया गया और सभी से इस बात को गोपनीय रखने को कहा गया।

धनखड़ ने जस्टिस वर्मा के महाभियोग पर विपक्ष का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था, जबकि सरकार चाहती थी कि भ्रष्टाचार के इस मुद्दे पर पहल वही करे। बताया गया है कि उन्होंने इस बारे में नेतृत्व को सूचित नहीं किया।

उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस की भी अनुमति दे दी, जिससे विपक्ष को विभिन्न प्रकार के सवाल पूछने का मौका मिलता, जिनका सरकार के पास कोई जवाब नहीं होता।

यह वही मुद्दा था, जिससे मोदी सरकार बचना चाहती थी, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद, पाकिस्तान के साथ सीमित बातचीत ही हुई थी।

धनखड़ को लगने लगा था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मिग-21 की भारतीय वायु सेना से विदाई होगी

नई दिल्ली, 22 जुलाई। भारतीय वायु सेना रूस निर्मित मिग-21 लड़ाकू विमानों को सितंबर में सेवानिवृत्त कर देगी। करीब 62 साल तक भारतीय वायुसेना को सेवा देने के बाद मिग-21 को चंडीगढ़ एयरबेस पर एक खास समारोह में विदाई दी जाएगी।

मिग-21 को 1963 में वायु सेना में शामिल किया गया था। इस विमान ने 1965, 1971, 1999 और 2019 की सभी बड़ी सैन्य कार्रवाइयों में भाग लिया है। मिग-21 एक हल्का सिंगल पायलट फाइटर जैट है। सोवियत रूस के मिकोयान-गुरेविच डिजाइन ब्यूरो ने इसे 1959 में बनाना शुरु किया था। यह विमान 18 हजार मीटर तक की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। ये एअर टू एअर मिसाइलों और बम को अपने साथ ले जाने में सक्षम है।

- सूत्रों ने बताया कि 62 साल वायु सेना में सक्रिय रहे इन विमानों को चंडीगढ़ एयर बेस पर एक समारोह में विदाई दी जाएगी।

इसकी स्पीड अधिकतम 2,230 किलोमीटर प्रति घंटा यानी 1,204 नॉट्स (माक 2.05) तक की हो सकती है। 1965 और 1971 में हुए भारत-पाक युद्ध में मिग-21 विमानों का इस्तेमाल हुआ था। 1971 में भारतीय मिग ने चेंगडु एफ विमान (ये भी मिग का ही एक और वेरियंट था जिसे चीन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या जगदीप धनखड़ प्रकरण "मैच फिक्सिंग" का मामला है?

अंततोगत्वा कांग्रेसाध्यक्ष को धनखड़ प्रकरण पर कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। जगदीप धनखड़ के इस्तीफ़े ने कांग्रेस पार्टी को भीतर से झकझोर दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने साफ़ कहा है कि धनखड़ जाएं या रहें, यह बीजेपी का अंदरूनी मामला है। इस मुद्दे का इस्तेमाल देश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस के उन नेताओं के लिए एक स्पष्ट संदेश दिया है जो पूर्व उपराष्ट्रपति की खुलकर तारीफ़ कर रहे हैं और उनका बचाव कर रहे हैं।

इनमें सबसे प्रमुख हैं एआईसीसी मीडिया प्रभारी महासचिव जयराम रमेश, जो बार-बार पार्टी को असहज स्थिति में डाल चुके हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी ने उनके खिलाफ़ कोई कार्रवाई करने से इनकार कर दिया है।

जयराम रमेश ने एक ट्वीट में लिखा:

"धनखड़ जी ने किसानों के हितों के लिए खुलकर आवाज़ उठाई। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में बढ़ते अहंकार की आलोचना की और न्यायपालिका की जवाबदेही व संयम की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने जहां तक संभव हो सका, विपक्ष को जगह देने की कोशिश की। वह नियमों, प्रक्रियाओं और मर्यादाओं के पक्के थे..."

धनखड़, जिन्हें कुछ समय पहले तक कांग्रेस का दुश्मन नंबर एक माना जा रहा था, उनकी इतनी प्रशंसा से पार्टी में कई लोगों की भौंहें तन गई हैं।

कई नेताओं और सांसदों ने खड़गे से इस पर नाराज़गी जताई, जिसके बाद खड़गे ने सार्वजनिक रूप से पार्टी की स्थिति साफ़ कर दी।

- एआईसीसी मीडिया इंचार्ज जयराम रमेश ने, जगदीप धनखड़, जो कि कुछ दिन पूर्व तक कांग्रेस के शत्रु नंबर एक थे, की खुली तारीफ करके बड़ी अटपटी स्थिति पैदा की।
- कई नेताओं व सांसदों ने खड़गे से मिलकर जयराम की इस प्रशंसा के खिलाफ शिकायत की।
- गत दिसम्बर माह में कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना बनाई थी, पर, प्रस्ताव पारित नहीं हो सका, क्योंकि, जयराम रमेश पहले अपना ही नाम गलत लिख दिया था तथा अविश्वास प्रस्ताव लाने से पहले 14 दिन का नोटिस देने की अनिवार्य औपचारिकता भी पूरी नहीं की थी, क्या यह "मैच फिक्सिंग" का मामला नहीं था।
- परन्तु, अब स्वयं भाजपा सरकार धनखड़ को कठघरे में खड़ा कर देना चाहती है। अतः कथानक एक बार फिर गहरा रहा है।

क्या वरिष्ठ जेडीयू नेता हरिवंश सिंह बन सकते हैं नए उपराष्ट्रपति?

वर्तमान में वे राज्यसभा के उपसभापति हैं और सभी दलों से उनका अच्छा तालमेल बताया जाता है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे ने सत्तारूढ़ भाजपा में हलचल मचा दी है, इसने प्रधानमंत्री के खेमे और आरएसएस के बीच गहरी फूट को उजागर कर दिया है। इस्तीफे का आधिकारिक कारण भले ही स्पष्ट नहीं हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि धनखड़ का कार्य करने का तरीका लंबे समय से वरिष्ठ भाजपा नेताओं और आरएसएस के भीतर के लोगों को नाखुश करता आ रहा था।

कई महीनों से सूत्र ये संकेत दे रहे थे कि धनखड़ के राज्यसभा के सभापति के रूप में बढ़ते हुये अड़ियल रवैये और हस्तक्षेपों से न केवल विपक्षी दलों को, बल्कि एनडीए के कुछ सहयोगियों को भी असुविधा हो रही थी।

संघ परिवार के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, धनखड़, जो राजस्थान के झुंझुनूं से हैं और एक वकील से राजनेता बने हैं, अब भाजपा के शीर्ष नेताओं या प्रधानमंत्री के करीबी हलकों में एक असैट (मूल्यवान व्यक्ति) के रूप में नहीं देखे जा रहे थे।

- समझा जाता है कि सरकार गठबंधन की मजबूती का संकेत देने और सहयोगियों को खुश करने के लिए यह कदम उठा सकती है।
- इसी क्रम में तेलुगू देशम पार्टी के किसी नेता को उपसभापति बनाने की भी चर्चा है, इसे चंद्रबाबू नायडू को राजी करने की कोशिश बताया जा रहा है, जो कुछ समय से कई मसलों पर भाजपा से अलग राय व्यक्त कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि धनखड़ के कार्यकाल में अभी दो साल शेष थे। इसलिये उनका इस्तीफा केवल एक सामान्य राजनीतिक फेरबदल से कहीं अधिक प्रतीत होता है, यह गंभीर आंतरिक पुनः संतुलन का एक संकेत है। एक वरिष्ठ आरएसएस कार्यकर्ता ने स्पष्ट रूप से कहा कि धनखड़ की "अपनी उपयोगिता पूरी हो गई थी" और अब वे मोदी-शाह नेतृत्व की बदलती राजनीतिक रणनीति से मेल नहीं खा रहे थे। लेकिन उन्हें हटाने का निर्णय लेना आसान नहीं था। इसके लिए कई शक्ति केन्द्रों में सहमति की आवश्यकता थी, जैसे भाजपा नेतृत्व, संघ और एनडीए के प्रमुख सहयोगी दल।

इसी बीच, अब यह खबरें आ रही हैं कि एनडीए संसद में एक बड़े पुनर्गठन पर विचार कर रहा है। सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा के वर्तमान उपसभापति और वरिष्ठ जेडी (यू) नेता हरिवंश सिंह को धनखड़ के स्थान पर लाने के विकल्प

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान हाई कोर्ट में 7 नये न्यायाधीशों की अधिसूचना जारी

जयपुर, 22 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट को सात नए न्यायाधीश और मिल गए हैं, जिसके बाद अब हाईकोर्ट में जजों की संख्या बढ़कर 43 हो गई है। सात नए न्यायाधीशों में से छह अधिवक्ता कोटे से और एक न्यायिक अधिकारी कोटे से जज बने हैं। वकील कोटे से जज बनने वाले संदीप तनेजा, बलजिंदर सिंह, बिपिन गुप्ता, संजीत पुरोहित, रवि चिरानिया और अनुरूप सिंघी हैं, जबकि न्यायिक अधिकारी कोटे से संगीता शर्मा को हाईकोर्ट जज नियुक्त किया गया है। विधि एवं न्याय विभाग ने इस संबंध में नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी है। संदीप तनेजा को हाईकोर्ट का स्थाई जज और शेष छह को अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया

- आशा की जा रही है कि राजस्थान हाई कोर्ट के काम की रफ्तार में तेजी आयेगी। अभी हाई कोर्ट में करीब 6 लाख साठ हजार मुकदमे लम्बित हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधेयकों पर राज्यपाल की मंजूरी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र व राज्य सरकारों को नोटिस भेजा

मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर आए "प्रैसिडैंशियल रैफरेंस" पर यह नोटिस भेजा गया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केन्द्र सरकार और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस एक प्रैसिडैंशियल रैफरेंस (राष्ट्रपति संदर्भ) पर जारी किया गया है, जिसमें यह स्पष्टीकरण मांगा गया है कि क्या अदालतें राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर कार्यवाही के लिए राष्ट्रपति व राज्यपाल के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकती हैं।

नोटिस जारी करते हुए, मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति अतुल एस. चंदुरकर की पांच-न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ ने इस मामले की अगली सुनवाई मंगलवार, 29 जुलाई को सूचीबद्ध की है। कोर्ट ने एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि से मामले में सहायता करने का अनुरोध भी किया है।

8 अप्रैल, 2025 के ऐतिहासिक निर्णय में न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा था कि राज्यपाल अनुच्छेद 200 में एक निर्दिष्ट समयसीमा की अनुपस्थिति के बावजूद विधेयकों पर सहमति देने में अनिश्चितकालीन देरी नहीं कर सकते। अनुच्छेद 201 के तहत राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा भेजे गए विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। यदि इसमें कोई और देरी हो, तो उसका स्पष्ट कारण संबंधित राज्य को बताया जाना चाहिए।

इस निर्णय की अन्य मुख्य बातें थीं कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत पॉकेट वीटो (राज्यपाल द्वारा बिना निर्णय

- सुप्रीम कोर्ट की, सीजेआई बी.आर. गवई के नेतृत्व वाली 5 सदस्यीय संविधान बैंच ने नोटिस जारी करने के बाद मामले में अगली सुनवाई के लिए 29 जुलाई की तारीख दी है, साथ ही एटॉर्नी जनरल आर. वैंकटरमणी को कोर्ट की सहायता करने का निर्देश दिया है।
- गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बैंच ने 8 अप्रैल 2025 को फैसला दिया था कि राज्यपाल अनिश्चितकाल के लिए विधेयक को दबाकर रख नहीं सकते, हालांकि, आर्टिकल 200 में विधेयक पर मंजूरी के लिए कोई समय सीमा नहीं बताई गई है। उन्होंने यह निर्देश भी दिया, कि जब राज्यपाल कोई बिल विचारार्थ राष्ट्रपति को भेजता है तो राष्ट्रपति को उस पर तीन माह में निर्णय लेना होगा और कोई देरी हो तो संबंधित राज्य को बताना होगा, इस निर्णय के अनुसार, राज्यपाल को विधेयक पर "पॉकेट वीटो" या "पूर्ण वीटो" का हक नहीं है।
- इस आदेश पर 15 मई को राष्ट्रपति मुर्मू ने "प्रैसिडैंशियल रैफरेंस" भेजा, जिसमें 14 संवैधानिक सवाल उठाए, जिनमें प्रमुख था कि क्या कोर्ट राष्ट्रपति व राज्यपाल को विधेयक की मंजूरी हेतु "समय सीमा" के लिए बाध्य कर सकता हे। रैफरेंस कहता है कि संविधान में न्यायपालिका को ऐसा कोई अधिकार नहीं दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ब्रिटिश नौसेना का लड़ाकू विमान मरम्मत के बाद वापस गया

तिरुवनंतपुरम (केरल), 22 जुलाई। ब्रिटिश नौसेना का लड़ाकू विमान एफ-35 आखिरकार ब्रिटेन के लिए रवाना हो गया है। लगभग एक महीने से भारत में खड़े रहे इस विमान ने आज तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे से उड़ान भरी है।

- एफ-35 फाइटर जेट का हाइड्रॉलिक सिस्टम खराब हो गया था तथा उसे तिरुवनंतपुरम में आपात लैंडिंग करने पड़ी थी। ब्रिटिश इंजीनियरों को इसे ठीक करने में 38 दिन लगे।

ब्रिटिश नेवी का यह एअरक्राफ्ट एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स का हिस्सा है। इसने 14 जून को केरल के तिरुवनंतपुरम में इमरजेंसी लैंडिंग की थी। विमान में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप प्रशासन अपने कार्यकाल के मध्य में है, पर अभी भी अमेरिकी नागरिक विभाजित हैं, ट्रंप के प्रशासन के बारे में

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 22 जुलाई। अगले साल होने वाले मध्यावधि चुनावों से कुछ ही महीने पहले, अमेरिका में मतदाता ट्रंप के दूसरे कार्यकाल को लेकर पहले की तरह ही विभाजित नजर आ रहे हैं, चाहे वह निष्ठा हो, या उनके कार्यकाल का मूल्यांकन।

डॉनल्ड ट्रंप के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए दो मुद्दे विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर उभरे हैं। पहला है महंगाई और जीवन यापन की बढ़ती लागत का मुद्दा, जहाँ ट्रंप के वफादार समर्थक भी बढ़ती कीमतों की मार महसूस कर रहे हैं।

लोगों को, चाहे उनका राजनीतिक रुझान कुछ भी हो, लगता है कि कीमतें लगातार ऊँची बनी हुई हैं और इससे आम अमेरिकी का जीवन प्रभावित हो रहा है। पिछले राष्ट्रपति चुनावों में ट्रंप ने महंगाई के मुद्दे को बड़े प्रभावी ढंग से उठाया था।

यहाँ संदर्भ समझना जरूरी है। बाइडन प्रशासन के शुरुआती दिनों में बहुत अधिक महंगाई देखी गई थी, जिसे बाद में काबू में लाया गया। लेकिन बदनामी तो हो चुकी थी। ट्रंप ने बार-बार इसे बाइडन की विफलता के रूप में दर्शाया और वादा किया कि वे कीमतों और जीवन-यापन को बेहतर बनाएंगे।

लेकिन बढ़े हुए दामों ने परिवारों के बजट को लगातार प्रभावित किया और अभी भी यह एक बड़ी चिंता बनी हुई है। तथापि, कुछ मतदाता मानते हैं कि नौकरी की संभावनाएँ और समग्र स्थिरता अब बेहतर हो रही है, भले ही जीवन की लागत अधिक हो।

दूसरा मुद्दा है, एक सैक्स रैकेट स्कैंडल, जो मृत उच्च-प्रोफ़ाइल सामाजिक हस्ती एपस्टीन से जुड़ा है। एपस्टीन के साथ नजदीकियों ने अमेरिका और इंग्लैंड के कई शीर्ष लोगों को संकट में डाल दिया, जिनमें किंग चार्ल्स के छोटे भाई भी शामिल हैं।

- सब मानते हैं, महँगाई बढ़ी है, पर, ट्रंप के वफादार फिर भी यह मानते हैं कि बढ़ी हुई महँगाई के बावजूद देश में शांति व "स्टेबिलिटी" (स्थिरता) है।
- दूसरा प्रमुख मुद्दा, ट्रंप प्रशासन के मूल्यांकन के बारे में है, उनकी (ट्रंप की) बाल यौनाचार के आरोपी "एपस्टीन" से नज़दीकी के बारे में। ट्रंप के पुराने वफादार व समर्थक अभी भी ट्रंप को निर्दोष मानते हैं, पर, कुछ कट्टर समर्थक भी अब यह मानने लगे हैं कि ट्रंप को खुलकर अपना पक्ष जनता के सामने रखना चाहिए, क्योंकि, अब वह मोड़ आ गया है, जबकि जनता "सत्य व पूर्ण सत्य को जाने बगैर संतुष्ट नहीं होगी।"

एपस्टीन पर सबसे गंभीर आरोप ये हैं कि उसने मशहूर हस्तियों के लिए "चाइल्ड सैक्स" का आयोजन किया। उदाहरण के लिए, प्रिंस एंड्रयू पर ऐसे ही आचरण का आरोप लगा था, जिसकी वजह से उन्हें शाही जिम्मेदारियों से कुछ समय के लिए दूर रखा गया।

डॉनल्ड ट्रंप पर एपस्टीन के करीबी होने के आरोप लगे हैं और अब यह आरोप भी लग रहा है कि वे उसके नजदीकी सर्कल का हिस्सा थे। ट्रंप ने स्वाभाविक रूप से सभी आरोपों का खंडन किया है, लेकिन उनकी सफाइयाँ अक्सर अस्पष्ट और भ्रमित करने वाली बताई जा रही हैं। अपने संबंधों से इन्कार करते समय वो कुछ हिचकिचाए हैं।

हालाँकि, अब मतदाता यह चाहते हैं कि राष्ट्रपति पूरी सच्चाई सामने रखें। यहाँ तक कि उनके वफादार समर्थक और रिपब्लिकन भी मांग कर रहे हैं कि सभी दस्तावेज़ जनता के सामने पेश किए जाएँ, ताकि सच्चाई सामने आ सके, क्योंकि "सिर्फ सच्चाई ही संतुष्टि दे सकती है।"

प्रमुख समाचार एजेंसी सी.एन.एन. ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का मूल्यांकन किया। एजेंसी ने अपने उस डेटा बेस का इस्तेमाल किया, जिसमें वो लोग शामिल थे, जिन्हें एजेंसी कई वर्षों से फॉलो कर रही थी। न्यूज़ चैनल ने उन लोगों को ट्रैक किया, जिन्होंने पिछले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उसके सर्वेक्षण में हिस्सा लिया था और अब एक बार फिर उनसे संपर्क करके उनसे उनका मूल्यांकन लिया गया है। हालाँकि कई समर्पित ट्रंप समर्थकों ने अपना समर्थन कायम रखा है, लेकिन कुछ कट्टर समर्थकों ने भी अब यह मांग की है कि राष्ट्रपति और प्रशासन को ट्रंप की नैतिकता से जुड़ी बातों को लेकर पारदर्शिता दिखानी चाहिए।

कुछ वफादार तो यह विश्वास भी नहीं कर रहे हैं कि राष्ट्रपति सच्चाई बता रहे हैं, या उनके जवाब उनकी जिज्ञासा को संतुष्ट कर पा रहे हैं कि असली मुद्दा क्या था।

मुम्बई ट्रेन धमाकों पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नयी दिल्ली, 22 जुलाई। महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के 2006 के ट्रेन विस्फोट मामले में सभी 12 दोषियों को बरी करने के बॉम्बे उच्च न्यायालय फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती

- महाराष्ट्र सरकार ने मुम्बई ट्रेन धमाकों में बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। बाम्बे हाईकोर्ट ने इस आतंकी घटना के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया है। इस घटना में 189 लोग मरे थे व 820 गंभीर घायल हुए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है। –वेदव्यास

जांच और अभियोजन की खामियां दर्शाता अदालती फैसला

मुंबई में 11 जुलाई, 2006 को विभिन्न स्थानों पर लोकल ट्रेनों में सात विस्फोट हुए, जिनमें 180 से ज़्यादा लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए थे। इसके उन्नीस साल बाद, बॉम्बे हाईकोर्ट ने सोमवार को उनके सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और "यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने अपराध किया है"। यह फैसला अपराध की जांच करने वाली एजेंसी और अभियोजन पक्ष के लिए एक बड़ी शर्मिंदगी लेकर आया है। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। हाल के वर्षों में अनेकों ऐसे फैसले आए हैं जिनमें बरसों से जेलों में बंद लोग बरी किए गये हैं। हालांकि ऐसे फैसले भारतीय न्यायपालिका की स्वतंत्रता एवं विश्वसनीयता को स्थापित करते हैं किन्तु वे न्याय प्रक्रिया में देरी की ओर भी ध्यान खींचते हैं। साथ ही वे जांच एजेंसियों और अभियोजन पक्ष की खामियों व कमजोरियों को भी उजागर करते हैं। वर्षों तक मुकदमा चलने के बाद अभियुक्तों की रिहाई भारतीय न्यायिक तंत्र की गंभीर और बहुआयामी समस्या के साथ सामाजिक, आर्थिक और मानवीय पीड़ा को भी दर्शाती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। लेकिन जब एक व्यक्ति बरसों तक अदालतों में घसीटा जाता है और अंततः उच्च न्यायालय उसे बरी कर देता है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठता है कि क्या वह केवल एक न्यायिक निर्णय है या वर्षों की पीड़ा और अन्याय की स्वीकृति है। अधिकतर मामलों में ट्रायल कोर्ट में दोष सिद्ध हो जाते हैं, परंतु ऊपर के न्यायालयों में अपीलों के दौरान यह स्पष्ट होता है कि सबूत अपर्याप्त थे या गवाहों की गवाही टिकने वाली नहीं थी। इससे ट्रायल अदालतों के निर्णयों पर भी प्रश्न चिन्ह लगे हैं। इस बार भी हुआ है जिसमें न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने मुंबई हादसों के बारे में कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध में इस्तेमाल किए गए बमों के प्रकार को भी रिकॉर्ड में दर्ज करने में विफल रहा है और जिन सबूतों पर उसने भरोसा किया है, वे आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए निर्णायक नहीं हैं। हाईकोर्ट ने 12 लोगों की दोषसिद्धि को रद्द करते हुए कहा कि गवाहों के बयान और आरोपियों से की गई कथित बरामदगी का कोई साक्ष्य मूल्य नहीं है। इन 12 लोगों में से पांच को एक विशेष अदालत ने मौत की सज़ा और सात को आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी। उच्च न्यायालय ने कहा, "अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ मामला साबित करने में पूरी तरह विफल रहा है। यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है। इसलिए उनकी दोषसिद्धि रद्द की जाती है।" इस फैसले में अभियोजन पक्ष की कमजोरियों पर भी टिप्पणी है कि वह मामले के महत्वपूर्ण गवाहों से पूछताछ करने में विफल रहा तथा बरामद वस्तुओं का खराब और अनुचित रखरखाव करके प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला। पीठ ने कहा, "अभियोजन पक्ष कथित अपराध में इस्तेमाल किए गए बमों के प्रकार को भी रिकॉर्ड में दर्ज करने में विफल रहा है।" उच्च न्यायालय ने मामले के कुछ आरोपियों के कथित इकबालिया बयानों को भी यह कहते हुए खारिज कर दिया कि ऐसा लगता है कि ये बयान उन्हें यातना देकर लिए गए थे। पीठ ने कहा, "इकबालिया बयान अधूरे और असत्य पाए गए हैं क्योंकि कुछ हिस्से एक-दूसरे की नकल हैं। आरोपियों ने यह साबित कर दिया है कि उस समय उन्हें यातनाएं दी गई थी।" अदालत ने आरोपियों की पहचान परेड को भी खारिज कर दिया और कहा कि संबंधित पुलिस को ऐसा करने का कोई अधिकार ही नहीं था। उच्च न्यायालय ने गवाहों द्वारा दिए गए साक्ष्यों को भी स्वीकार करने से यह कह कर इनकार कर दियाकि "गवाहों के बयान विश्वसनीय या भरोसेमंद नहीं हैं और आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए निर्णायक नहीं हैं। गवाहों ने घटना के चार महीने बाद पुलिस के सामने शिनाख्त परेड के दौरान और फिर चार साल बाद अदालत में आरोपियों की पहचान की।" इन गवाहों को घटना वाले दिन आरोपियों को देखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला था ताकि वे बाद में उनकी सही पहचान कर सकें। न्यायधीशों ने कहा कि हमें ऐसा कोई कारण नहीं मिला जिससे उनकी स्मृति जागृत हो और चेहरे याद आ सकें।"

अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन जैसे देशों में निर्दोष साबित होने पर सरकार द्वारा मुआवजा, पुनर्वास सहायता, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग तथा रोजगार पुनर्स्थापन जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। भारत में तो इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। बरसों तक मुकदमे झेलने के बाद उच्च न्यायालय द्वारा दी गई रिहाई भले ही कानूनी दृष्टि से न्याय का प्रतीक हो, परंतु मानवीय दृष्टिकोण से यह एक त्रासदी ही कही जाएगी।

भारत में मुकदमों का लंबा खिंचना और घटिया जांच व कमजोर अभियोजन बड़ी समस्या है। अदालतों में मुकदमों के अंबार लगे हैं। देश की विभिन्न अदालतों में लगभग 5 करोड़ से अधिक मामले लंबित बताए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या आपराधिक मामलों की है। उच्च न्यायालयों में आने तक एक मुकदमे को 10 से 20 वर्ष तक भी लग जाते हैं। इस प्रक्रिया में अनेक आरोपियों को निर्दोष होने के बावजूद वर्षों जेल में बंद रहने की पीड़ा भोगनी पड़ती है। बिहार के एक व्यक्ति को 28 साल जेल में काटने के बाद रिहा किया गया, क्योंकि कोर्ट ने माना कि उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत नहीं थे। इस मुद्दे पर कभी कोई विमर्श नहीं होता कि बरी हुए ऐसे अभियुक्तों पर कैसा सामाजिक व मानसिक दुष्प्रभाव पड़ता है। इससे कोई इनकार नहीं कर सकता कि जिन लोगों ने वर्षों जेल में बिताए, वे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। उनकी पहचान समाज में 'अपराधी' के रूप में स्थापित हो जाती है, चाहे उन्हें बाद में निर्दोष घोषित कर दिया जाए। समाज में उन्हें संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। रोजगार, शादी, और सामाजिक प्रतिष्ठा जैसी चीजें उनसे छिन जाती हैं। एक लंबी न्यायिक प्रक्रिया मंद न केवल व्यक्ति की आय प्रभावित होती है, बल्कि उसके परिवार पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ता है - वकीलों की फीस, कोर्ट की तारीखों पर जाना, नौकरी छूट जाना आदि। हालांकि कहा यह जाता है कि बेल इज़ द रूल, जेल इज़ एक्सेप्शन मगर भारत में जमानत के सिद्धांत को आमतौर पर पूरी तरह नज़रअंदाज किया जाता है। परिणामस्वरूप, आरोपी बिना दोष सिद्ध हुए सालों तक जेल में बंद रहता है। इसीलिए ऐसे में केवल दोषमुक्ति ही नहीं, पुनर्वास और क्षतिपूर्ति को भी उतना ही अनिवार्य बनाए जाने की मांग होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि यदि देश में सच्चे अर्थों में संवैधानिक और मानवीय न्याय की व्यवस्था करनी है, तो न्यायिक प्रक्रिया को समयबद्ध, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना होगा। सच तो यह है कि भारतीय न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी न्यायिक प्रणालियों में से एक है, परंतु यह समान रूप से धीमी और जटिल भी है। हमारे यहां ट्रायल कोर्ट की त्रुटियों पर भी यदा-कदा ऊपरी अदालतें नाराजगी जताते हुए टिप्पणियां करती हैं। बहुत बार निचली अदालतें साक्ष्यों की ठीक से व्याख्या नहीं कर पातीं या अभियुक्तों के पक्ष को पर्याप्त सुनवाई का अवसर नहीं देतीं, जिससे उच्च न्यायालय में पुनरीक्षण के बाद अभियुक्त बरी कर दिए जाते हैं।

हालांकि मुकदमे लंबे खिंचते है, परंतु उच्च न्यायालय कई बार न्याय की अंतिम आशा बनकर सामने आते हैं। वे तथ्यों और साक्ष्यों की विस्तृत समीक्षा करते हैं और जांच तथा ट्रायल में हुई खामियों को उजागर करते हैं जैसा मुंबई की ट्रेनों में विस्फोटों के मुकदमे में हुआ है। उच्च न्यायालयों द्वारा दी गई रिहाई कई बार न्यायिक दखल और विवेक की मिसाल बनती है, लेकिन यह भी सत्य है कि उस निर्णय तक पहुंचने में जितनी देर हुई, वह आरोपी के जीवन की अपूरणीय क्षति बन जाती है। यहां यह महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है - क्या वर्षों बाद अदालत से बरी हो जाना न्याय है? लंबे समय तक जेल में रहना, कोर्ट की तारीखों का बोझ, अपनों से बिछड़ना - यह सब किसी को भी मानसिक रूप से तोड़ सकता है। कई मामलों में रिहा हुए लोगों को मानसिक रोगों से जूझते हुए भी पाया गया है। रिहाई के बाद जीवन को फिर से सामान्य पटरी पर लाना अत्यंत कठिन होता है। न तो समाज उसे सहज स्वीकार करता है, न ही उसका आत्मबल उसे फिर से जीवन में स्थापित होने देता है। इसलिए समाजशास्त्री व मनोवैज्ञानिक ऐसे मामलों में क्षतिपूर्ति की आवश्यकता प्रतिपादित करते हैं, ताकि बरी हुए लोगों का पुनर्वास हो सके और उन्हें समाज में पुनः स्थापित होने में सहयोग दिया जा सके। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन जैसे देशों में निर्दोष साबित होने पर सरकार द्वारा मुआवजा, पुनर्वास सहायता, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग तथा रोजगार पुनर्स्थापन जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। भारत में तो इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। बरसों तक मुकदमे झेलने के बाद उच्च न्यायालय द्वारा दी गई रिहाई भले ही कानूनी दृष्टि से न्याय का प्रतीक हो, परंतु मानवीय दृष्टिकोण से यह एक त्रासदी ही कही जाएगी। यह स्थिति न केवल हमारी न्याय प्रणाली की कमजोरियों को उजागर करती है, बल्कि बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व की भावना से नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा को सुनिश्चित किये जाने की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। यदि हमें सच्चे अर्थों में अदालतों को न्याय के मंदिर बनाना है, तो हमें ऐसी व्यवस्था बनाने की तरफ बढ़ना होगा जिसमें किसी निर्दोष को वर्षों जेल में नहीं रहना पड़े क्योंकि किसी को लंबे समय तक बंदी बनाए रखने के बाद रिहा कर देना, न्याय नहीं - न्यायतंत्र की गम्भीर विफलता है। इस दर्द को समझा जाना चाहिए और न्याय प्रक्रिया को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए जिससे हर वह व्यक्ति न्याय पा सके जो वर्षों से केवल एक तारीख की उम्मीद में जी रहा है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

स्वच्छता में राजस्थान का परचम: नवाचार, निष्ठा और कुशल नेतृत्व की मिसाल बना

कुणाल वशिष्ठ

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत राजस्थान ने स्वच्छता और शहरी प्रबंधन के क्षेत्र में देशभर में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा 233 नगरीय निकायों में 3 हजार 799 करोड़ की योजनाओं की क्रियान्विति की जा रही है, जिसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, शौचालय निर्माण, प्रयुक्त जल प्रबंधन, क्षमता संवर्धन और जन-जागरूकता जैसे विविध घटकों को शामिल किया गया है। राज्य में 219 करोड़ की लागत से अब तक 29961 व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों और 8068 सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है, जिससे राजस्थान के लाखों नागरिकों को स्वच्छ वातावरण के साथ-साथ सुविधाएँ प्राप्त हो रही हैं।

प्रयुक्त जल प्रबंधन के अंतर्गत एक लाख से कम जनसंख्या वाले 208 नगरीय निकायों में 1 हजार 785 करोड़ की लागत से कार्य प्रस्तावित हैं, जिनमें से 41 शहरों में कार्य आवंटित कर दिए गए हैं। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत राज्य में 1372 करोड़ की लागत से 233 ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, 7 निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र तथा 152 लाख घन मीटर लेगेसी वेस्ट के निस्तारण का कार्य किया जा रहा है। इनमें से 153 ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र, 5 निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र तथा 76 लाख घन मीटर लेगेसी वेस्ट का कार्य प्रगतिरत है, जबकि 2 निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट प्रसंस्करण संयंत्र तथा 76 लाख घन मीटर से अधिक लिगेसी वेस्ट निस्तारण का कार्य सफलतापूर्वक किया जा चुका है। इसके साथ ही राज्य में 301 स्थाई मुख्यमंत्री सद्भावना केंद्र स्थापित कर नागरिक संवाद और जनसहभागिता को और अधिक मजबूत किया गया है।

कचरे से समृद्धि की ओर बढ़ता राजस्थान :-राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के बहुमुखी विकास के लिए नवाचार को भी विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में सीकर नगर परिषद ने "शून्य अपशिष्ट, शून्य लागत" मॉडल के तहत प्रतिदिन 125 टन कचरे का निस्तारण कर स्थानीय किसानों को 2 प्रति किलोग्राम दर से उच्च गुणवत्ता की खाद उपलब्ध करवाई है। जोबनेर और बस्सी नगर निकायों में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को ऑन-साइट प्रशिक्षण देकर ठोस कचरा प्रबंधन में जोड़ा गया है, जिससे महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिला है। जयपुर के लांगडियावास स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में प्रतिदिन 1000 टन कचरे का निस्तारण कर उससे 12 मेगा वाट विद्युत ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है, जो राज्य के सतत ऊर्जा प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राजस्थान की चमकदार उपलब्धि : स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में राजस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। डूंगरपुर शहर को सुपर स्वच्छता लीग पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि जयपुर नगर निगम ग्रेटर को प्रोमिसिंग स्वच्छ शहर के रूप में पहचान मिली। राज्य के 12 शहर देश के प्रथम 100 स्वच्छ शहरों में शामिल हुए हैं और पहली बार तीन शहरों को वाटर प्लस श्रेणी में स्थान प्राप्त हुआ है। सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि राज्य के सभी 240 शहरों की रैंकिंग में पिछले वर्ष की तुलना में अप्रत्याशित सुधार दर्ज हुआ है।

स्थायी परिवर्तन की ओर : स्वच्छ ऊर्जा और हरित नवाचार की नई राह, राज्य सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। अब एक लाख परिवारों को निःशुल्क इंडक्शन कुकटॉप मिलेंगे, जिससे न सिर्फ धुएँ से मुक्ति मिलेगी, बल्कि रसोई में ऊर्जा की नयी क्रांति भी आएगी। ग्रामीण इलाकों में प्लास्टिक मुक्त भविष्य की ओर बढ़ते हुए ग्राम पंचायतों में 'बर्तन बैंक' की अनूठी पहल शुरू की जा रही है, जिससे सामाजिक आयोजनों में प्लास्टिक के स्थान पर पुनः उपयोग योग्य बर्तनों का प्रयोग हो सके। उल्लेखनीय है कि अब तक जयपुर सहित कुल 41 जिलों की 1000 ग्राम पंचायतों में इसकी शुरुआत हो चुकी है। इसी के साथ ही, वेस्ट टू वेल्थ पार्क और क्लीन एंड ग्रीन टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सेंटर जैसे नवाचारों से राज्य में पर्यावरण संरक्षण को तकनीकी आयाम मिल रहा है, यह सिर्फ एक पहल नहीं, बल्कि हरित विकास की ओर निर्णायक यात्रा है। ये अभूतपूर्व निर्णय और उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में न केवल बुनियादी सुविधाएँ सुदृढ़ की हैं, बल्कि नवाचार, सहभागिता और समावेशी विकास के माध्यम से एक स्थायी और स्वच्छ भविष्य की नींव रखी है। राजस्थान की यह यात्रा न केवल राज्य के लिए गौरव का विषय है, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।

कुणाल वशिष्ठ,
जनसंपर्क अधिकारी,
स्वायत्त शासन विभाग।

राजस्थान में उच्च शिक्षा पर संकट : संविदा शिक्षकों की नई नीति और उसके गंभीर परिणाम

अशोक कुमार

राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में घोषित की गई नई नीति, जिसके अंतर्गत राज्य के 335 राजकीय महाविद्यालयों में सहायक आचार्यों की नियुक्ति पांच वर्षों के अनुबंध पर की जाएगी, न केवल शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वाली नीति है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल आत्मा और के मूल उद्देश्यों के भी प्रतिकूल है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने देशभर में उच्च शिक्षकों के लिए जो वेतनमान निर्धारित किए हैं, वे सामान्य सेवाओं से कहीं अधिक हैं और इसके पीछे एक स्पष्ट सोच रही है - देश के श्रेष्ठतम मस्तिष्कों को शिक्षा और अनुसंधान की दिशा में प्रेरित करना। क्योंकि जब शिक्षक सामाजिक, आर्थिक और कार्यस्थल की दृष्टि से सुरक्षित और सम्मानित महसूस करते हैं, तभी वे शिक्षण, शोध और नवाचार में अपनी ऊर्जा और समर्पण दे सकते हैं।

राजस्थान की नई नीति में शिक्षकों को केवल 28,000 रुपये मासिक वेतन पर नियुक्त किया जाएगा, जो कि द्वारा निर्धारित 57,700 रुपये न्यूनतम वेतन के लगभग आधे से भी कम है। यह स्थिति न केवल शिक्षकों की गरिमा के विरुद्ध है, बल्कि इससे युवाओं में उच्च शिक्षा को करियर विकल्प के रूप में चुनने की इच्छा भी क्षीण होगी। एक तरफ हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर हम शिक्षकों को अस्थायी संविदा पर अल्प वेतन में कार्य करने के लिए बाध्य करते हैं, जो स्पष्ट रूप से दोहरी मानसिकता को दर्शाता है।

शिक्षा केवल नौकरी नहीं होती, वह समाज निर्माण का कार्य है। एक सहायक आचार्य जब कॉलेज में प्रवेश करता है, तो वह विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि उन्हें जीवन के उच्च मूल्यों, शोध की संस्कृति और नवाचार की दिशा में भी मार्गदर्शन देता है। यदि उसका स्वयं का भविष्य अनिश्चित हो, तो वह अपने छात्रों को स्थायित्व और लक्ष्य की प्रेरणा कैसे दे पाएगा?

विद्या संबल योजना को समाप्त करने और गुजरात मॉडल के आधार पर संविदा शिक्षक नियुक्त करने का निर्णय यह दर्शाता है कि सरकार तात्कालिक वित्तीय प्रबंधन को दीर्घकालिक शिक्षा नीति पर वरीयता दे रही है। क्या शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में ऐसे प्रयोग किए जा सकते हैं जिनमें शिक्षकों की योग्यता, सुरक्षा और प्रेरणा के साथ समझौता हो?

राजकीय महाविद्यालय पहले ही शिक्षकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं। शोध, नवाचार और शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार तभी संभव है जब योग्य शिक्षक स्थायित्व और सम्मान के साथ कार्य कर सकें। तीन वर्षों के अंतराल पर प्राचार्यों का कार्यकाल बढ़ाने की योजना भी केवल पद की निरंतरता को सुनिश्चित करती है, न कि संस्था की गुणवत्ता को। आवश्यक है कि पदस्थापन और सेवा विस्तार की कोई भी योजना केवल अनुभव नहीं बल्कि निष्पक्ष मूल्यांकन के आधार पर हो।

यह नीति केवल एक शॉर्टकट समाधान है, जो दीर्घकालिक समस्याओं को जन्म दे सकती है। उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और स्थायी बनाना होगा। शिक्षकों को राष्ट्रीय वेतनमान, सेवा सुरक्षा और शोध के लिए सुविधाएं प्रदान करनी होंगी। तभी हम एक ऐसा शिक्षण तंत्र विकसित कर सकते हैं जो भारत को वैश्विक ज्ञान-शक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर हो सके। शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए शिक्षक की भूमिका केंद्रीय है। यदि हम शिक्षा को भविष्य का निवेश मानते हैं, तो हमें शिक्षकों को केवल संविदा कर्मी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माता के रूप में देखना होगा।

-अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

आलसर बास में पानी की टंकी की हालत खस्ता, ग्रामीण गंदा पानी पीने को मजबूर

राजलदेसर, (निसं)। राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती गांव आलसर बास में करीब 400 से अधिक घरों में लोग निवास करते हैं। इसके अलावा सीनियर सेकंडरी विद्यालय भी है, जहां पर विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। इनके लिये एकमात्र पीने के पानी की टंकी है।

- **टंकी ऊपर से पूरी तरह से टूट चुकी है, जिससे इस टंकी में कीड़े-मकोड़े, जीव-जंतु आदि देखने को मिल रहे हैं**
- **33 वर्ष पूर्व टंकी का निर्माण करवाया था, लेकिन गांव के अंदर एकमात्र टंकी होने के कारण उसकी भी हालत इतनी खराब है कि पूरी जर्जर हो चुकी है**

ग्रामवासियों ने बताया रतनगढ़ के पूर्व विधायक स्व. जयदेव प्रसाद इंदौरिया ने 33 वर्ष पूर्व टंकी का निर्माण करवाया था, लेकिन गांव के अंदर एकमात्र टंकी होने के कारण उसकी भी हालत इतनी खराब है कि पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है एवं ऊपर से पूरी तरह से टूट चुकी है, जिससे इस टंकी में कीड़े-मकोड़े, जीव-जंतु आदि देखने को मिल रहे हैं। इस एकमात्र पीने की पानी की टंकी से ग्रामवासियों को मजबूरन यह पानी पीना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि स्कूली बच्चों को भी इसी टंकी का पानी पिलाया जाता था।

राजलदेसर तहसील के निकटवर्ती गांव आलसर बास में करीब 33 वर्ष पूर्व बनी पानी की टंकी जर्जर हो चुकी है।

गांव के लोगों ने बताया इससे पूर्व कांग्रेस व बीजेपी के जनप्रतिनिधियों को इस समस्या को लेकर कई बार अवगत करवा चुके हैं, लेकिन किसी ने इस समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। वर्तमान में बारिश का समय चल रहा है। यह टंकी विद्यालय के पास स्थित है। यहीं से बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं, उनके लिए भी खतरा बना हुआ है। गांव के प्रमुख लोगों ने बताया कि अगर समय रहते हुए सरकार इस महत्वपूर्ण समस्या की ओर ध्यान नहीं देगी तो मजबूरन हमें आंदोलन करना पड़ेगा, क्योंकि सरकार बिजली-पानी पर फोकस देती है, लेकिन पीने के पानी की यह हालत है जो किसी से छुपी हुई नहीं है। इसके अलावा गांव के प्रमुख लोगों ने बताया कि चुनाव के समय राजनेता बड़े-बड़े वादे करके यहां से चले जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद यहां तक नहीं आते। गांव की दूसरी प्रमुख मांग है जो है आलसर बास से आलसर तक करीब पांच किलोमीटर सड़क है। उसकी हालत इतनी खराब है कि पैदल आदमी नहीं चल सकता। वाहनों की हालत तो इतनी खराब हो जाती है कि कभी-कभी बड़ा हादसा होते हुए बाल-बाल बच चुके हैं, क्योंकि इस मार्ग पर अधिकांश कृषि की जमीन है, जिससे किसान इस मार्ग से गुजरते रहते हैं, लेकिन बार-बार राजनेताओं को सड़क को लेकर अवगत कराने के बावजूद किसी तरह का ध्यान नहीं दिया जा रहा है। गांव के लोगों ने बताया कि अगर समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर राम मेघवाल, रामचन्द्र , हरिराम, अनूप सिंह, मोहनराम, जीवणराम, शंकर सुथार, दिनेश, रामदयाल, रामचंद्र स्वामी, शंकर नाथ सहित दर्जनों ग्रामवासी मौजूद रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 23 जुलाई, 2025

सावन मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, आर्द्रा नक्षत्र सायं 5:54 तक, व्याघात योग दिन 12:34 तक, विष्टि करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 3:34 तक रहेगी। बुध अस्त पश्चिम में रात्रि 2:55 पर होगा। आज मास शिवरात्रि है। आज से राष्ट्रिय सावन मास आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:13 तक, शुभ 10:52 से 12:33 तक, चर 3:54 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:50, सूर्यास्त 7:16

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर संयम रखें।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा शुभ नहीं है।

धनु
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। कारोबारी अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मीन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

'अधिकारी पेंडिंग फाइलों का जल्द निस्तारण कर आमजन को दे राहत'

आयुक्त ने निगम अधिकारियों को सड़कस्ट्रीट लाइट मरम्मत कार्य के लिए ठोस प्लान बनाने के निर्देश दिए

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉ निधि पटेल ने मंगलवार को निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान आयुक्त निधि पटेल ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आमजन की समस्याओं का जल्द निस्तारण करें। इस दौरान निगम आयुक्त ने ऑनलाइन पोर्टल राजकाज पर पेंडिंग शिकायतों को लेकर प्रत्येक निगम अधिकारी से वन टू वन संवाद किया। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि ऑनलाइन पेंडेंसी को बग्राया नहीं जाएं, अपितु नियत समय में ही समस्याओं का ठोस निस्तारण कर राहत प्रदान की जाएं।

हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि (बीच में) ने समीक्षा बैठक ली।

- उन्होंने ये भी निर्देश दिए कि जिन जगहों पर सीवर या सफाई संबंधी समस्या ज्यादा आती हो, वहां पर निगम अधिकारी खुद मौके पर जाएं और आमजन से संवाद कर समस्या का निदान कराएं

जोन उपायुक्त अपनी टीम के साथ करें समीक्षा बैठक:-

इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने कहा कि संपर्क पोर्टल या अन्य ऑनलाइन पोर्टल पर अधिकांश समस्याएं सीवर, सफाई व्यवस्था को लेकर ही आ रही है। ऐसे में हेरिटेज निगम के सभी जोन उपायुक्त अपने अधीनस्थ अधिकारी और कर्मचारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक करें और इन समस्याओं का निस्तारण भी कराएं। जिससे कि आमजन को परेशान नहीं होना पड़े। उन्होंने ये भी निर्देश दिए कि जिन जगहों पर सीवर या सफाई संबंधी समस्या ज्यादा आती हो, वहां पर निगम अधिकारी खुद मौके पर जाएं और आमजन से संवाद कर समस्या का निदान कराएं।

सड़क, सीवर और अन्य निर्माण कार्य का करें ऑडिट, गुणवत्ता पूर्ण किया जाएं कार्य:-

वहीं परकोटे में हो रहे नए निर्माण कार्यों को लेकर हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल ने सभी अभियंताओं को निर्देश दिए कि वे अपने अपने जोन में सड़क, सीवर और स्ट्रीट लाइट जैसी समस्याओं के निस्तारण के लिए ठोस प्लान बनाएं और इन कार्यों की ऑडिट भी कराएं। जिससे निर्माण कार्य समय पर कम बजट में गुणवत्ता पूर्ण पूरा हों सकें। इस दौरान समीक्षा बैठक में सभी जोन उपायुक्त, शाखा प्रभारी और इंजीनियरिंग विंग के अधिकारी मौजूद रहे।

कैलाश मानसरोवर यात्रा कर जयपुर लौटे श्रद्धालु

जयपुर। पांच वर्षों के अंतराल के बाद गत 4 जुलाई को लिपुलेख मार्ग से प्रारंभ हुई कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए राजस्थान के श्रद्धालु 22 दिन बाद मंगलवार को सकुशल वापस जयपुर लौट आए। तीर्थयात्रियों का दल सोमवार रात दिल्ली पहुंचा, जहां गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर सेंटर पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्यों के लिए रवाना हो गए। राजस्थान से यात्रा में सम्मिलित हुए वरिष्ठ राजेश नागपाल, नरेंद्र बैद और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एस सेंगथिर भी इस दल का हिस्सा थे। मंगलवार शाम को चांदी की टकसाल स्थित काले हनुमान जी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान

- काले हनुमान-गोविंद देवजी के किए दर्शन

तीनों यात्रियों ने अपनी यात्रा का अनुभव साझा किया। जयपुर में परिजनों, श्रद्धालुओं एवं शुभचिंतकों ने सभी का माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया।

यात्रियों ने बताया कि 21000 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित कैलाश मानसरोवर की यह यात्रा शारीरिक एवं मानसिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण रही। यात्रा का सबसे कठिन हिस्सा डेरापुक से आरंभ हुआ, जहां 15000 फीट से चढ़कर 19500 फीट तक जाना पड़ा।

संकरे और सीधी चढ़ाई वाले मार्ग में ऑक्सीजन की कमी का अनुभव हुआ। कई यात्रियों को ऑक्सीजन सपोर्ट भी देना पड़ा। मेडिकल टीम ने सभी यात्रियों की निरंतर देखभाल की। ऊंचे-ऊंचे हिमालयी पर्वतों के मध्य बहती नदियों के साथ तीर्थयात्रियों ने ओम नमः शिवाय का जप करते हुए कठिन मार्ग पार किया।

यात्रियों ने साझा किया कि यात्रा के दौरान अधिकांश समय मौसम बिल्कुल अनुकूल रहा। केवल एक दिन बारिश और तेज हवाएं चलीं। शेष पूरी यात्रा में मौसम साफ रहा। इसे उन्होंने भोलेनाथ की विशेष कृपा बताया। अंतिम पड़ाव में टकलाकोट पहुंचकर दल ने चीन सीमा से भारत में प्रवेश किया और उत्तराखंड के रास्ते दिल्ली पहुंचा। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन के साथ आनंदपूर्वक यात्रा की।

निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष बने गिरीश जैन

जयपुर। रमन पारीक, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष द्वारा अपने स्वास्थ्य कारणों से महासंघ का प्रदेश अध्यक्ष का पद छोडने के पश्चात कैडर के संरक्षक विपिन गोयल द्वारा कैडर के सदस्यों/ कार्यकरिणी सदस्यों से प्राप्त राय उपरांत महासंघ के संविधान में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गिरीश जैन ने राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण किया। वर्तमान में जैन सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में वरिष्ठ निजी सचिव के पद पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर महासंघ के पदाधिकारी एंव सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष गिरीश जैन ने बताया महासंघ द्वारा 21 सितंबर को होने वाले आगामी आयोजन "संगम-2025" को विशाल स्वरूप में आयोजित करने एवं कैडर की लंबित मांगा को पूर्ण करवाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

महिला की चेन तोड़ भागे बाइक सवार बदमाश

जयपुर। मानसरोवर थाना इलाके में दिनदहाड़े एक बाइक सवार बदमाश ने स्कूटी से जाती महिला के गले से सोने की चेन और पैंडल तोड़ लिया। घटना थाने से महज कुछ दूरी पर हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच मे जुटी है।

मानसरोवर थाना पुलिस के अनुसार कि चेन स्नेचिंग की वारदात प्रेरणा जैन (35) निवासी मानसरोवर के साथ हुई है। जो सोमवार दोपहर अपनी छह वर्षीय बेटी को सेक्टर 5 स्थित प्राइवेट स्कूल से स्कूटी पर लेकर घर लौट रही थी। इस दौरान मानसरोवर के महिला थाना (साउथ) से पचास मीटर दूर पर पीछे से आए बाइक सवार एक बदमाश ने बाइक को स्कूटी के पास धीमा करते हुए उसके गले पर झपट्टा मारकर सोने की चेन तोड़ ली। इससे पहले महिला कुछ समझ बदमाश कुछ सेकेंड में ही आंखों से ओझल हो गया।

पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच मे जुटी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश की जा रही है।

'मोदी सरकार के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान में तेजी से हो रहा विकास'

जयपुर। ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान, गुजरात और पूर्वोत्तर क्षेत्रों में अपार संभावनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय सतत रूप से कार्य कर रहा है। मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पीएम कुसुम योजना, सूर्य मित्र योजना, वरुण मित्र योजना और जल ऊर्जा मित्र योजना के तहत ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने पर फोकस किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान में जून 2025 तक 59979 लाभान्वित परिवारों से 252 मेगावाट, गुजरात में 526694 लाभान्वित परिवारों से 1443 मेगावाट और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 26312 लाभान्वित परिवारों से 85 मेगावाट संयंत्र स्थापित किए जाने का समझौता हस्ताक्षरित किया गया। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने यह जानकारी सदन में दी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से ऊर्जा संयंत्रों को स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता भी मुहैया करवाई जाती है। मंत्रालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक राजस्थान, गुजरात और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पीएम सूर्य घर योजना के लिए 1032 करोड़ तथा पीएम कुसुम योजना के तहत 293 करोड़ की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इसमें राजस्थान को दोनों योजना के तहत 257 करोड़ रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। केंद्र सरकार के प्रयास से 30 जून तक राजस्थान में 37818 मेगावाट क्षमता, गुजरात में 37494 मेगावाट और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 5048 मेगावाट के नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए है। इसी तरह इन क्षेत्रों में 80361 मेगावाट क्षमता के संयंत्र स्थापित किए गए है।

- पीएम सूर्य घर योजना में राजस्थान, गुजरात और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार लाभान्वित परिवारों से 1781 मेगावट क्षमता के हुए समझौते : मदन राठौड़

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से ऊर्जा क्षेत्र में संचालित विभिन्न योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण तक दिया जा रहा है। सूर्य मित्र योजना के तहत इन क्षेत्रों के 63713 व्यक्तियों को, वरुण मित्र योजना में 1276 और ऊर्जा मित्र कार्यक्रम में 601 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है।

कार्यशाला प्रतिभागियों की संयुक्त ध्रुवपद प्रस्तुति आज

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह बुधवार 23 को आयोजित किया जाएगा। सायं 5 बजे सभी प्रतिभागी संयुक्त ध्रुवपद गायन की प्रस्तुति देंगे। 7 से जारी कार्यशाला में घरानेदारी के साथ कार्यशाला की विशेषज्ञ गुरू विदुषी प्रोफेसर डॉ मधु भट्ट तैलंग एवं उनके गुरू पद्म पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग द्वारा सृजित रचनाओं के नवाचार ख़ास होंगे।

भूले-बिसरे नगमों की महफिल में सजी सुरों की शाम

जयपुर। पांचजन्य संगीत फाउंडेशन समिति के तत्वावधान में मानसरोवर के होटल रुद्र विलास के सभागार में कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सालासर धाम से पधारें जय पुजारी ने किया कार्यक्रम में सूफी संगीत, गजल और पुराने नगमों की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। देश के सुप्रसिद्ध दिवंगत गायक रवीन्द्र जैन के शिष्य सुशील बावेजा (धनबाद)ने तुलसी अपने राम को रीझ भजो या खीज जैसे ही सुनाया माहौल राम मय हो गया और इंडियन आइडियल फेम अतुल राव ने जैसे ही मेहंदी हसन साहब की बहुत प्रसिद ग़ज़ल रंजिश ही सही दिल को दुखाने के लिए आ,पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है ऐसी कई गज़लें सुनायी सुन कर सभी संगीत प्रेमी मंत्र मुग्ध हो गये (जयपुर) ने अपने मधुर स्वरों से श्रोताओं को पुराने दौर की संगीत यात्रा पर ले चलने का कार्य किया। सावन की भीगी भीगी रात में पुराने नगमों की स्वर लहरियों ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध करने के साथ ही संगीत के अनगिनत प्रेमियों से मिलवा दिया।

कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध भजन गायक निशा शर्मा किया ! कार्यक्रम को और अधिक जीवंत बनाने के लिए वायलिन पर महावीर रावल, की-बोर्ड पर आकाश, गिटार पर रवि कुमार और तबले पर विनय राव ने संगत की।

गोविंद देव जी मंदिर में पार्थिव शिवलिंग पूजन के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। हरियाली अमावस्या 24 जुलाई कनक घाटी स्थित गोविंद देव जी ठिकाने के काला महादेव मंदिर में पार्थिव शिवलिंग पूजन का आयोजन किया जाएगा।

- कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत शर्मा के आचार्यत्व में 21 वैदिक विद्वानों की टोली द्वारा किया जाएगा

महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया।

मंगलवार को गोविंद देव जी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर महंत रामरज दास त्यागी, डॉ. प्रशांत शर्मा, घाट के बालाजी सुदर्शनाचार्य, आचार्य आशुतोष महाराज, धर्मरक्षा समिति अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, गढ़ गणेश मंदिर से गौरव मेहता,धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडेय सहित अनेक विशिष्ट जन उपस्थित थे। आयोजन में 200 से अधिक जोड़ों ने पंजीकरण कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत शर्मा के आचार्यत्व में 21 वैदिक विद्वानों की टोली द्वारा किया जाएगा। आयोजन की व्यवस्थाओं में 20 स्वयंसेवकों की टीम तैनात रहेगी। कार्यक्रम सुबह 8 बजे से प्रारंभ होकर दोपहर 12:30 बजे तक चलेगा। विभिन्न तीर्थों के जल और दुग्ध मिश्रित जल से महाभिषेक किया जाएगा। इस दौरान रुद्री पाठ होंगे। फूलों से मनोरम श्रृंगार कर सामूहिक आरती की जाएगी। काला महादेव को रामेश्वरम रूप में सजाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि श्रावण मास की हरियाली अमावस्या पर पार्थिव शिवलिंग पूजन करने से पितृ दोष, कालसर्प दोष, व्यापार में वृद्धि, सुख-समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ति जैसे अनेक लाभ प्राप्त होते हैं। आयोजन में पुरुषों को सफेद धोती-कुर्ता या कुर्ता-पायजामा तथा महिलाओं को लाल या पीली साड़ी पहन कर आनी होगी।

शराब की दुकान के विरोध में व्यापारियों ने धरना दिया

जयपुर। चांदपोल बाजार व्यापार मंडल के तत्वावधान में शराब की दुकान खोलने को लेकर स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन जाहिर किया। इस विरोध प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में लोग एकत्रित हुए।

चांदपोल व्यापार मंडल के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया की इस दुकान के आसपास सात मंदिर स्थित हैं, जिनमें तीन बालाजी के मंदिर, तीन शिव जी के मंदिर, एक सनी मंदिर है। जहां पर स्थानीय लोग दूर-दूर से भगवान की पूजा करने व शनि महाराज को तेल चढ़ाने आते है। उनका कहना है कि इस दुकान के खुलने से क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचेगी। उन्होंने सरकार से मांग की है कि इस दुकान को खोलने की अनुमति न दी जाए। सुभाष गोयल ने सरकार से अनुरोध किया है कि वह इस दुकान को खोलने की अनुमति न दे और क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं का सम्मान करे।महामंत्री घनश्याम भूतड़ा ने बताया कि इससे पूर्व भी इसी क्षेत्र में शराब की दुकान थी। जिसे बड़ी मुश्किलों से बंद कराया था। चांदपोल व्यापार मंडल गत 2 वर्ष से आबकारी विभाग ,कलेक्टर, और पुलिस प्रशासन को पत्र लिख चुका है की मंदिर के आसपास शराब की दुकानों का आवंटन नही करें। व्यापारी और स्थानीय निवासी अभी भी दुकान नंबर 145 के बाहर धरने पर बैठे हुए हैं और सरकार से मांग कर रहे हैं कि इस दुकान को खोलने की अनुमति न दी जाए।

- चांदपोल बाजार में शराब की दुकान खोलने को लेकर स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन जाहिर किया

विरोध प्रदर्शन में व्यापार मंडल के ये पदधिकारी हुए शामिल:-

इस विरोध प्रदर्शन में सुभाष गोयल, अध्यक्ष चांदपोल बाजार व्यापार मंडल एवं जयपुर व्यापार महासंघ ,सुरेश सैनी महामंत्री ,(जयपुर व्यापार महासंघ), अचल जैन, उपाध्यक्ष, कृष्ण अवतार अग्रवाल, उपाध्यक्ष घनश्याम भूतड़ा, महामंत्री राम किशन टेकरीवाल, कोषाध्यक्ष, चांदपोल बाजार व्यापार मंडल- समस्त कार्यकारिणी के सदस्यों सहित सैकड़ों स्थानीय लोग शामिल हुए।

मंदिर की दहलीज को प्रणाम कर दान पात्र चोरी कर ले गया बदमाश

जयपुर। हरमाडा थाना इलाके में एक मंदिर से दानपात्र चोरी का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि रात के अंधेरे में बदमाश मंदिर का गेट खोलकर अंदर घुसा। और फिर मंदिर की दहलीज को प्रणाम कर दान पात्र उठा चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

जांच अधिकारी एएसआई प्रमोद कुमार ने बताया कि थाना इलाके के गोविन्दपुरा निवासी गोविंद शरण जांगिड़ ने मामला दर्ज करवाया है कि गोविन्दपुरा में खाखीजी महाराज का मंदिर है। जहां चोरों ने चोरी की नीयत से मंदिर को निशाना बनाते हुए मंदिर का गेट खोलकर बदमाश अंदर घुसे। मंदिर में रखे दानपात्र को चोरी कर ले गए। मंदिर पूजा करने आने पर दान पत्र गायब मिला। वहीं मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने पर चोर की करतूत कैद मिली। जहां मंदिर में एक बदमाश अंदर आया। गेट खोलकर अंदर घुसे बदमाश मंदिर में रखा दानपात्र उठाकर चोरी कर ले गया। मंदिर में चोरी की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। चोरी गए दानपात्र में हजारों रुपए थे। पुलिस फुटेज में कैद हुए चोर की तलाश कर रही है।

विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर की आत्महत्या

जयपुर। वैशाली नगर थाना में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि विवाहिता तीन साल पहले उसने लव-मैरिज की थी। मृतका के परिवार की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

सहायक पुलिस आयुक्त वैशाली नगर आलोक गौतम ने बताया कि बहरोड़ के कोटपूतली की रहने वाली भारती कंवर (25) ने फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या की है। तीन साल पहले भारती ने गांव के ही रहने वाले आकाश सिंह के साथ भागकर लव-मैरिज की थी। शादी के बाद से वैशाली नगर स्थित कोस्मो कॉलोनी में वह अपने पति आकाश के साथ रह रही थी। आकाश और भारती दोनों एक प्राइवेट बैंक में नौकरी करने लगे। गत दिनों पहले पति के सोने के बाद कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आकाश ने जागने पर भारती को ढूंढा तो दूसरा कमरा अंदर से बंद मिला। काफी गेट खटखटाने के बाद भी कोई जबाव नहीं मिला। पड़ोसियों की मदद से धक्का देकर गेट खोलने पर कमरे में भारती फंदे से लटकी मिली।

- विवाहिता तीन साल पहले उसने लव-मैरिज की थी,मृतका के परिवार की ओर से थाने में मामला दर्ज करवाया है

आत्महत्या की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबूत जुटाने के बाद फंदे से शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनां को सौंप दिया। इधर मृतक भारती की मां राजबाला ने दामाद आकाश सिंह के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाते हुए आरोप लगाया है कि आकाश सिंह नशे का आदी था। आए दिन वह भारती से मारपीट भी करता था। नशे में घर आकर आकाश के मारपीट और रुपये की मांग के बारे में भारती ने कई बार फोन कर बताया था। मृतका आत्महत्या ने से पहले भारती ने इमोशन स्टोरी इंस्टाग्राम पर लगाई थी।अगले दिन सुबह भारती की मौत की सूचना मिली थी। पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी ने ग्रेटर निगम कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

- कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर जयपुर की उद्यान शाखा में हाल ही में हुए "वन टाइम प्लांटेशन" से संबंधित टेंडरों में अनियमितताओं की शिकायत मंगलवार को ग्रेटर निगम कमिश्नर डॉ. गौरव सैनी के पास पहुंची।

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी ने आयुक्त को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि, ग्रेटर निगम में 30 लाख रुपए से कम के टेंडरों में राजस्थान पारदर्शिता और सार्वजनिक खरीद अधिनियम (आरटीपीपी एक्ट) के नियमों के विपरीत मनमानी शर्तें जोड़ी गईं, जिनका उद्देश्य किसी विशेष व्यक्ति या फर्म को अनुचित लाभ पहुँचाना प्रतीत होता है।

यूनियन अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने बताया कि, आरटीपीपी एक्ट में "डी" श्रेणी के ठेकेदारों के लिए कोई अनुभव की शर्त नहीं लगाई जा सकती। परंतु 30 लाख रुपए से कम राशि के "वन टाइम प्लांटेशन" और ट्री गार्ड खरीद के टैंडर में उद्यान शाखा ने अनुभव की शर्त जोड़ दी। इस कारण डी श्रेणी के ठेकेदार इन टेंडर्स से बाहर होते दिख रहे है।

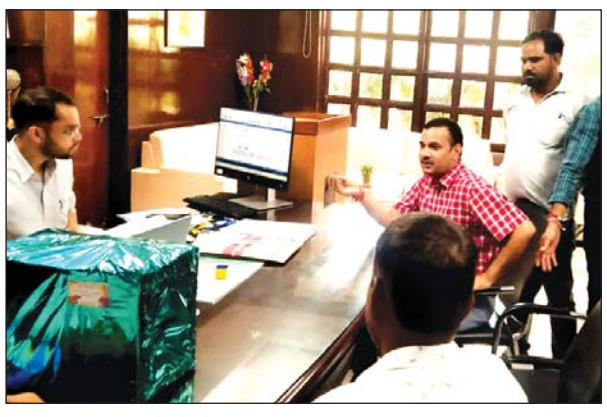
यूनियन अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने आयुक्त गौरव सैनी को ज्ञापन सौंपा ।

उन्होंने बताया कि हाल ही में हेरिटेज नगर निगम ने भी टेंडर जारी किए हैं, परंतु वहां 30 लाख रुपए तक कोई शर्त नहीं लगाई गई। जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने भी पूरी पारदर्शिता रखी। इससे ग्रेटर निगम की छवि पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

रघुवीर शर्मा ने कहा कि पूर्व में भी 16 जुलाई को इस संदर्भ में ज्ञापन दिया गया था, परंतु आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

हैरिटेज सिटी कॉन्ट्रेक्टर्स सोसायटी की ओर से कहा गया कि, ग्रेटर निगम के सभी जोन में एक तरफ तो 5 से 11 प्रतिशत तक कम दर पर कार्यादेश दिए जा रहे है, परंतु अगर किसी टेंडर में 10 से 11 प्रतिशत कम दर प्राप्त हो रही है तो अधीक्षण अभियंता और वित्तीय सलाहकार द्वारा "री - टैंडर" अथवा "नेगोसिएशन" की टिप्पणी करके फाइलें लौटाई जा रहा है। ऐसे में यहां अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे है।

- यूनियन अध्यक्ष रघुवीर शर्मा ने आयुक्त को शिकायत में बताया कि, उद्यान शाखा ने आरटीपीपी एक्ट के विपरीत मनमानी शर्तें जोड़ी, इससे फर्म विशेष को फायदा पहुंचाने की संभावना
- 30 लाख से कम के टैंडर में जेडीए और हैरिटेज निगम में शर्तें नहीं, फिर ग्रेटर निगम में क्यों?

तमाम शिकायतें सुनने के बाद आयुक्त गौरव सैनी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच करवाने का आश्वासन दिया है।

शादी का झांसा देकर तीन साल तक एक युवती से देह शोषण

जयपुर। रामगंज थाना इलाके में शादी का झांसा देकर युवक ने तीन साल तक एक युवती से देह शोषण करने का मामला सामने आया है।

इस संबंध में पीडिता ने आरोपित युवक के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि राजा पार्क की रहने वाली युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ साल पहले उसकी मुलाकात आरोपित से हुई थी। बातचीत के दौरान आरोपित ने उससे दोस्ती कर ली। मिलने-जुलने के दौरान आरोपित ने उसके सामने शादी करने का झांसा दिया। पीड़िता का आरोप है कि जुलाई-2022 में मिलने के बहाने उसे अपने यहां बुलाया। मिलने जाने पर आरोपी ने उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर शादी करने का वादा किया। शादी करने का झांसा देकर उसका देह शोषण करने लगा। पिछले करीब तीन साल तक आरोपी ने उसके साथ शादी का झांसा देकर देह शोषण किया। जून-2025 में शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपित ने मना कर दिया। इसके बाद पीड़िता थाने पहुंची।

अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा की

जयपुर । शासन सचिवालय में मंगलवार को अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंत्रीगण समिति की द्वितीय बैठक आयोजित की गयी। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया।

- बैठक में देवनारायण योजना की प्रगति, भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं की समीक्षा की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों पर बनी समिति की बैठक में देवनारायण योजना की प्रगति, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। समिति ने कार्मिक विभाग को सकारात्मक रूप से विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण करने के पर विचार किया गया। साथ ही गुर्जर आरक्षण समिति द्वारा पिछली बैठक में सुझाएं सातों बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी बैठक में सभी बिंदुओं के फैक्चुअल रिपोर्ट मंगवाने और उन पर चर्चा करने निर्देश दिए।

बैठक में संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भाग लिया।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपर्णा अरोरा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग भास्कर ए. सावंत, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा गायत्री ए. राठौड, शासन सचिव, कार्मिक विभाग डॉ. कृष्णा कान्त पाठक, शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल, निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग आशीष मोदी सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लूणी नदी में पानी की आवक शुरू होने से किसानों के चेहरों पर खुशी

किसान लोगों ने ढोल बजाकर लूणी नदी में पानी की आवक का स्वागत किया

गुड़ामालानी, (निसं)। गुड़ामालानी क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होने वाली मरू गंगा के नाम से विख्यात लूणी नदी में पानी की आवक शुरू होने पर किसानों के चेहरों पर खुशी देखी गई। किसान लोगों ने ढोल बजाकर लूणी नदी में पानी के आवक का स्वागत किया।

बालोतरा, सिणधरी, गुडामालानी सिवाना सहित क्षेत्र के किसान लोगों के लिए मरूं गंगा के नाम से लूणी नदी विख्यात है, क्योंकि लूणी नदी में पानी की आवक होने से किसानों को पानी के साथ हजारों रुपयों की बचत एवं साथ में फसल की पैदावार भी अच्छी होती है। ऐसे में क्षेत्र के हजारों किसान मरू गंगा का मान-सम्मान के साथ स्वागत करते हैं। लूणी नदी का पानी रतनपुरा नदी में पहुंचा और शाम तक गाधव तक पहुंच सकता है। नदी के पानी का तेज बहाव होने से नदी में दो तीन फीट पानी बह रहा है। किसानों ने बताया कि लगातार तीन बार लूणी नदी आई, जिससे जमीन में जलस्तर बढ़ना किसानों के लिए अच्छा है। जलस्तर बढ़ने से किसानों को अपनी फसलों के लिए यह लूणी का पानी उपयोग में लेते हैं। लूणी नदी में पानी पहुंचने की खबर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को मिलने पर लोगों का जमावड़ा शुरू हो गया। रतनपुरा से लेकर गांधव तक ढाणियों में, खेतों में लोग मौजूद रहे। ऐसे में तेज बहाव एवं पानी की आवक को देखते हुए उपखंड अधिकारी केशव कुमार मीणा के द्वारा रतनपुरा पुल, अजा का फांटा पुल सहित बहावी क्षेत्र का निरीक्षण कर व्यवस्था देखने के साथ नदी के अंदर तथा खेतों में रहने वाले किसानों सहित आमजन को पानी के बहाव क्षेत्र से दूर रहने की हिदायत दी।

गुड़ामालानी क्षेत्र में ''मरू गंगा'' के नाम से विख्यात लूणी नदी में पानी की आवक शुरू हुई।

- गुडामालानी, सिवाना, बालोतरा, सिणधरी सहित क्षेत्र के किसान लोगों के लिए ''मरूं गंगा'' के नाम से लूणी नदी विख्यात है
- लूणी नदी में पानी की आवक होने से किसानों को पानी के साथ हजारों रुपयों की बचत एवं फसल की पैदावार भी अच्छी होती है

डीएलएड प्रथम वर्ष की परीक्षा 18 अगस्त से

बीकानेर, (निसं)। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने डीएलएड प्रथम वर्ष -2025 की मुख्य परीक्षा का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। राज्य के 376 डीएलएड कॉलेजों में पढ़ने वाले 24500 अभ्यर्थियों की परीक्षाएं 18 अगस्त से शुरू होंगी। यह परीक्षाएं 29 अगस्त तक आयोजित की जाएंगी। पंजीयक नरेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि अभ्यर्थी के अध्यनरत जिले में ही परीक्षा का केंद्र आवंटित किया जाएगा।

कार के कांच तोड़ लैपटॉप चुराये

उदयपुर, (निसं)। शहर के भूपालपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ कार के कांच तोड़कर दो लैपटॉप चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया है। पीड़ित कविश श्रीमाली पुत्र राकेश श्रीमाली ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मैं व मेरा भाई हार्दिक दोनों 18 जुलाई रात में एवन स्कूल के सामने होटल वेस्टलेण्ड के पास कार खड़ी कर पिज्जा खाने गए। कुछ ही समय बाद लौटे तो पीछे का कांच टूटा हुआ एवं कार में रखे दो लैपटॉप मय बैग गायब थे। इसको देख इधर-उधर तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा।

जेवरात चोरी

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के बाघपुरा थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ जेवर व सामान चुरा ले जाने का प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरालाल पुत्र देवीलाल मासिंगपुरा वाघपुरा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि अज्ञात चोर 21 जुलाई रात में मकान से सोने-चांदी के जेवर व घी तेल चुरा ले गए। इसका पता चलने पर पुलिस को जेवरात की सूची बाद में देने की सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (द्वितीय)
रणथम्भौर टाईगर रिजर्व करौली
Mail ID-dcfb.kroli.forest@rajasthan.gov.in Phone No. 07464-297007
क्रमांक-एफ( )स्टोर/उवसं (द्वितीय)/2025-26/ दिनांक-
Notice Inviting Bid
Bids for Construction of Naka/Choki Khoda Ka Nala Range Wildlife Mandrayal are invited from interested bidders upto 6.00 PM Date 25.07.2025. Other Particulars of the bid may be visited on the procument portal (https://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state website. The approximate value of the procurements is 18.47/-Lacs.
NIB CODE. FOR2526A0737, UBN CODE. FOR2526WSOB00932
(Hari Singh Hada)
Deputy Conservator of forest & Dy Field Director II
Ranthambhore Tiger Reserve Karauli
DIPR/C/10088/2025

नगर निगम जोधपुर-उत्तर
क्रमांकः- न.नि.जो.-उत्तर/2558 दिनांकः- 21.07.2025
:: ई-निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB11967)
नगर निगम जोधपुर-उत्तर की ओर से Repairing and New Development work in Nagar Nigam Building Near Polytechnic college का कार्य हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्तें आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.urban.rajasthan.gov.in/mcjn पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/6605 नगर निगम जोधपुर-उत्तर

कार्यालय अधीक्षण एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर
क्रमांक- एफ( )/निविदा/PMKSY 2.0 /2025-26/374 दिनांक-15.07.2025
ई निविदा सूचना 12-13/2025-26
पीएमकेएसवाये 2.0 (एनआरएम) परियोजना क्षेत्र के अन्तर्गत झल्लारा, सलुम्बर (कुल 2 पैकेज) में जलग्रहण विकास कार्यो के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 219.32 लाख रूपये दिनांक 25.07.2025 को सायं 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती है। बोलियों से सम्बन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते हैं।
यूबीएन संख्या- WSC2526WSOB00797, WSC2526WSOB00798
अतिरिक्त अभियंता एवं पदेनपरियोजना प्रबन्धक
DIPR/C/10099/2025 वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, सलुम्बर

घर में घुसकर धारदार हथियार से युवक की हत्या

आरोपी ने खुद थाने पहुंचकर सरेंडर किया, पुरानी रंजिश को लेकर वारदात की

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के केसरीसिंहपुर में एक व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ मौर (40) के रूप में हुई है। घटना रात की है।

पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई परमजीत सिंह ने बताया कि सुखविंदर सिंह पुलिस थाना केसरीसिंहपुर के पास रहता था। उन्होंने करीब 11 साल पहले उषा नाम की महिला से शादी की थी। उषा 10 साल तक उनके साथ रही और एक साल पहले किसी और के साथ चली गई। 22 जुलाई की सुबह करीब पांच बजे परमजीत सिंह को थाने से फोन आया कि उनके भाई की हत्या हो गई है। मौके पर पहुंचकर पता चला कि गांव के ही गोविंद सिंह पुत्र कुलवंत सिंह ने रात में घर में घुसकर धारदार हथियार से हमला कर दिया। मृतक के शरीर पर कई चोट के निशान मिले हैं। आंगन में खून के निशान भी मिले हैं। थाना प्रभारी बलवंत राम के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का मानना है कि हत्या किसी रंजिश के चलते की गई है। गांव के ही आरोपी गोविंद सिंह ने वारदात के बाद खुद थाने में जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच एक महीने पहले किसी बात को लेकर झगड़ा होना सामने आया है। जिसमें मृतक ने आरोपी के साथ मारपीट की थी। इसी रंजिश में गोविंद ने यह वारदात की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

- मृतक के शरीर पर कई चोटों के निशान व आंगन में खून के निशान मिले

स्वरूपसागर छलका, आयड़ नदी का बहाव तेज हुआ

मदार छोटा तालाब पर भी हल्की चादर चलना शुरू हुई

उदयपुर, (निसं)। स्वरूपसागर के चारों गेट चार-चार इंच खुले होने के बावजूद सीसारमा नदी से आवक बनी रहने से मंगलवार सुबह से स्वरूपसागर की पाल छलक गई और दरवाजों के दोनों छोर से चादर चलने लगी है।

सीसारमा नदी में मंगलवार को जलस्तर 4 फीट रहा। मदार छोटा तालाब पर हल्की चादर शुरू हो चुकी है और मदार बड़ा तालाब का गेज 24 फीट के मुकाबले 21 फीट हो चुका है। स्वरूपसागर के गेट खुले होने और चादर भी चलने से आयड़ नदी में पानी का बहाव तेज होकर उदयसागर में आवक बढ़ी है। उदयसागर का जलस्तर 24 फीट के मुकाबले 20 फीट हुआ है। इसके भी जल संसाधन विभाग कभी भी गेट खोल सकता है। आकोदडा बांध, मानसी वाकल बांध सहित कुछ जलाशयों में पानी की आवक बनी हुई है। मदार के दोनों तालाब से पानी की आवक तेज होने पर फतहसागर का झरना चल सकेगा। फतहसागर का जलस्तर 13 फीट के मुकाबले 10 फीट 4 इंच है। फिलहाल स्वरूपसागर लिंक नहर से फतहसागर में पानी की आवक बंद होने से फतहसागर का जलस्तर स्थिर हो चुका है। अब मदार के दोनों तालाब से या फिर बड़ी तालाब से पानी की आवक होने पर फतहसागर के जलस्तर में बढ़ोतरी हो सकेगी। मदार छोटा तालाब पर हल्की चादर शुरू हो चुकी है और मदार बड़ा तालाब तीन फीट खाली है।

जल संसाधन विभाग के अनुसार इस सीजन में उदयपुर शहर में अब तक कुल उदयपुर शहर में 219 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। अलसीगढ़ में 363, गोगुंदा 501, झाडोल 424, कोटडा 382, मदार 193, नाई 259, उदयसागर में 334 और वल्लभनगर में 398 मिलीमीटर बारिश हुई है।

कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलीफ सोसायटी राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)
क्रमांक-स्टोर/ई-निविदा/2025/4065 दिनांक-13.07.2025
ई-बोली आमंत्रण सूचना 03/2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से राजकीय जिला चिकित्सालय दौसा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025 के लिये निम्नलिखित सामग्री/सेवाओं के उपापन हेतु ईच्छुक निविदादाताओं, पंजीकृत आपूर्तिकर्ताओं एवं सेवाप्रदाता एजेन्सियों से ई-निविदाऐ आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	उपापन की विषय वस्तु	राशि (लाखो में)	UBN NO.
1	मैन पावर : (हैल्पर, इलेक्ट्रिशियन, पलम्बर, ड्राईवर लिफ्टमैन, फायरमैन, धोबी, कुक, सहायक रेडियोग्राफर, ट्रोलीमैन, नैत्र सहायक इत्यादि)	98.00	MHS2526SLRC02691
2	कम्प्यूटर ऑपरेटर मय मशीन व बिना मशीन फार्मासिस्ट	95.00	MHS2526SLRC02690

विस्तृत जानकारी निविदा प्रपत्र एवं शर्तें निर्धारित तिथि व समय तक http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर प्राप्त किये जा सकती है।
प्रमुख चिकित्सा अधिकारी एवं पदेन सचिव
DIPR/C/10028/2025 आर.एम.आर.एस. जिला चिकित्सालय दौसा (राज.)

कार्यालय नगरपालिका पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान (345021)
क्रमांक/नपापो/25/2382 दिनांक :- 16.07.2025
-:: ई-निविदा सूचना ::-
नगरपालिका पोकरण की ओर से नगरपालिका पोकरण सक्षम श्रेणी एवं अन्य विभागों के संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन द्वि-पक्रमी बोली अनुसार निविदाएं आमत्रित की जाती है जो निम्नलिखित दिनांक अनुसार डाउनलोड तथा खोली जायेगी । कार्य के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगरपालिका पोकरण में सक्षम संवेदकों द्वारा 2 प्रतिशत का बैंक ड्राफ्ट/ बैकर चैक अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण एवं टेण्डर प्रोसेसिंग शुल्क नियमानुसार/- रू0 M.D. RISL JAIPUR के नाम से देना होगा। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.in व http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
NIB NO- DLB2526A3658
UBN NO- DLB2526WSOB11653
अध्यक्ष नगरपालिका पोकरण अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका पोकरण
राज.संवाद/सी/25/6597

लूट की वारदात करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। जिले के बैकरिया थाना पुलिस ने मारपीट कर पीड़ित से बाइक लूट की वारदात करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित विरमाराम निवासी देवरानमण सायरा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। उसने बताया कि मैं बाइक पर लौहारचया से मेरे घर देवरानमण जा रहा था। जहां बीच रास्ते रोड़ पर तीन व्यक्ति खड़े थे। जिन्होंने बाइक को रोककर मेरे साथ मारपीट कर बाइक छीनकर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह के सुपरविजन में बैकरिया थाना अधिकारी उत्तमसिंह मय टीम ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी राकेश उर्फ काकसी पुत्र दुदाराम, नेताराम पुत्र रामाराम तथा पिन्टाराम पुत्र थावरा राम निवासी मालवा का चौरा बैकरिया को गिरफ्तार इनके कब्जे से छिनी गई बाइक बरामद की।

कुरकुरे दिलाने के बहाने दो साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

ब्यावर, (निसं)। दो साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जघन्य अपराध के फरार आरोपी नाथूराम (45) पुत्र छोगाराम गुर्जर दस्तयाब करने हेतु बनाई चार टीमों द्वारा किये गये प्रयास से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी फरारी के दौरान खेतों, मन्दिरों, पहाड़ियों व अलग-अलग गांवों में छुपता रहा था।

जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला व वृताधिकारी वृत्त जैतारण के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना रास धोलाराम उनि मय गठित पुलिस टीमों द्वारा दो साल की बालिका के साथ दुष्कर्म के फरार आरोपी को गिरफ्तार किया। अपराध की गम्भीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अलग-अलग चार पुलिस टीमों का गठन किया जाकर तलाश के दौरान परिवार व गामीणों से पूछताछ से ज्ञात हुआ कि आरोपी नाथूराम शातिर प्रवृति का है और घर पर अकेला ही रहता है। घटना के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल बन्द कर दिया, ताकि पुलिस की पकड़ में नहीं आ पाये। सघन तलाशी अभियान चलाया गया, आम लोगों से हुलिये के आधार पर पूछताछ की गई तथा मुखबीरों से सूचनायें संकलित की गई। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने आरोपी को पुलिस थाना मसूदा के एक गांव से दस्तयाब किया जिससे पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार 16 जुलाई को पुलिस थाना रास पर एक रिपोर्ट प्राप्त हुई कि 13 जुलाई को नाथूराम ने एक दो साल की बच्ची को कुरकुरे दिलाने के बहाने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया, जिस पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान व आरोपी की तलाश शुरू की गई और आरोपी को गिरफ्तार किया।

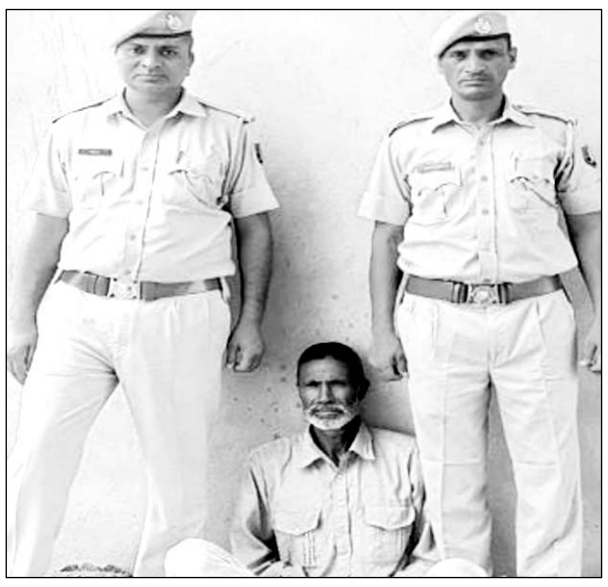

पुलिस ने आरोपी को मसूदा के एक गांव से दस्तयाब किया।

पहाड़ियों पर एक साथ तीन लेपर्ड दिखाई दिए

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के चमनपुरा मोहल्ले के पीछे की तरफ पहाड़ियों पर एक साथ तीन लेपर्ड दिखाई दिए। लेपर्ड दिखने के बाद से लोगों में दहशत का माहौल है, वहीं लोगों ने लेपर्ड के रेस्क्यू की मांग की है।

जानकारी के अनुसार शहर के चमनपुरा मोहल्ले के पीछे की तरफ पहाड़ियों में जंगल का इलाका है। लोगों का कहना है कि पहाड़ियों पर आए दिन लेपर्ड दिखते हैं, लेकिन सोमवार देर शाम के समय एक साथ तीन लेपर्ड दिखाई दिए। पहाड़ी की चोटी पर एक साथ तीनों लेपर्ड का मूवमेंट दिखा। लोगों ने अपने मोबाइल में भी इसे कैद किया। हालांकि ये लेपर्ड पहाड़ी से नीचे की तरफ नहीं आए। लोगों ने कहा कि लेपर्ड ने अब तक कभी किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया है, लेकिन हमेशा किसी घटना का डर रहता है। खासकर बच्चे कई बार पहाड़ी की तरफ चले जाते हैं। कॉलोनी के लोगों ने लेपर्ड का रेस्क्यू कर राहत पहुंचाने की मांग की है। पिछले दिनों भी शहर के बांसडवाड़ा कॉलोनी के पीछे की तरफ पहाड़ियों पर एक लेपर्ड दिखाई दिया था।

- लोगों में दहशत का माहौल, लोगों ने लेपर्ड के रेस्क्यू की मांग की
- लेपर्ड के मूवमेंट को लोगों ने मोबाइल में कैद किया

Office of The BDO cum Program Officer (EGS)
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)
No. 882 Date- 16.07.2025
Notice of Inviting Bid
Bid for Rate Contract of Construction Material Supply under MGNAREGA, Work tenders/Cleaning Work of various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat Samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://proc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.ni.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	UBIN	Estimate Bid cost
हड्डी नीलामी ठेका पं.स. सायला	ZJR2526GSRC00646	03.50 Laks
Khetlawas (Work Tender)	ZJR2526GSRC00647	10.00 Laks
	ZJR2526GSRC00648	10.00 Laks
	ZJR2526GSRC00649	18.00 Laks
Khetlawas (Narega RC)	ZJR2526GSRC00650	60.00 Laks
Tikhi (Narega RC)	ZJR2526GSRC00651	50.00 Laks
Tikhi (Cleaning WorkRC)	ZJR2526GSRC00652	5.28 Laks
Elana (Re-Nrega RC)	ZJR2526GSRC00653	80.00 Laks
Jeewana (Narega RC)	ZJR2526GSRC00654	50.00 Laks
Taliyana (Narega RC)	ZJR2526GSRC00656	50.00 Laks

BDO Cum Program Officer (EGS)
DIPR/C/10156/2025 Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड़, राजनगर
टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com
क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/12/2025-26/3408 दिनांक :- 21.07.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 12/2025-26
नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	4
कार्यो की अनुमानित लागत	151.95 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	22.07.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	23.07.2025 09:00 AM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	04.08.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	05.08.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	05.08.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB11912, 11915, 11917 & 11919

राज.संवाद/सी/25/6590 सभापति आयुक्त

दवा खरीद के लिए जारी 9.50 करोड़ रुपए के टेंडर को लेकर सवाल खड़े हुये

पीबीएम अस्पताल में राज्य सरकार की योजनाओं के तहत 19 तरह की दवाएं खरीदने के लिए टेंडर जारी हुये हैं

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल में राज्य सरकार की योजनाओं के तहत 19 तरह की दवाएं खरीदने के लिए जारी 9.50 करोड़ रुपए के टेंडर को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। इन दवाओं में दस तरह की दवाएं केवल कैंसर से संबंधित हैं, जबकि क्रय समिति में कैंसर का डॉक्टर ही शामिल नहीं है।

मुख्यमंत्री निरोगी राजस्थान, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य बीमा योजना, आरजीएसएच के तहत विभिन्न विभागों में भर्ती होने वाले मरीजों के लिए 9.50 करोड़ की दवाएं खरीदने के लिए टेंडर किए गए हैं। ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से टेंडर 18 जुलाई को अपलोड किए गए थे। मेडिकल कॉलेज की साइट पर नजर आए तो पीबीएम के डॉक्टरों में खलबली मच गई। कुल 19 तरह की दवाओं के टेंडर एक साल के लिए किए गए हैं। इनमें दस महंगी दवाएं केवल कैंसर की हैं। इनमें से पांच ऐसी हैं, जिनका कभी कैंसर अस्पताल में उपयोग हुआ ही नहीं। यानी सरकारी आपूर्ति में भी यह दवाएं कभी नहीं मंगवाई गई। कैंसर विशेषज्ञों ने भी कभी उनकी मांग नहीं की।

विशेषज्ञों का कहना है कि जयपुर के स्टेट कैंसर सेंटर पर भी इन दवाओं का उपयोग नहीं हुआ है। इसके अलावा पांच ऐसी दवाओं को भी टेंडर में शामिल किया गया है, जिनकी सरकारी आपूर्ति है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इन दवाओं की खरीद के लिए कैंसर विभाग की ओर से कोई मांग जारी नहीं हुई। सेंट्रल ड्रग वेयर हाउस से एनएसी तक नहीं मांगी गई। बिड दस्तावेज पर अधीक्षक डॉ. सुरेंद्र कुमार के अलावा डॉ. सुभाष गौड़, डॉ. मनोज माली और वरिष्ठ लेखाधिकारी अभिषेक गोयल के हस्ताक्षर हैं। कैंसर के किसी विशेषज्ञ को इसमें शामिल करना जरूरी नहीं समझा गया। ऐसे में अचानक यह टेंडर जारी करने के कारणों को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। आशंका है कि किसी फर्म विशेष को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से यह टेंडर किए गए हैं।

पीबीएम में करीब 1400 तरह की दवाओं की खरीद के लिए पिछले साल 50 करोड़ के रेट कॉन्ट्रैक्ट कुछ कंपनियों से किए गए थे। यह अभी खत्म नहीं हुए हैं। इस टेंडर के चलते कुछ कंपनियों को 50 लाख रुपए से अधिक की दवाएं उपयोग में नहीं आने के कारण लौटाई जा चुकी हैं। नियमानुसार अवधि पार होने से छह महीने के भीतर यदि दवाओं का उपयोग नहीं किया जाता तो वापस फर्म को लौटानी पड़ती हैं। ऐसे में 9.50 करोड़ के टेंडर करना कितना जायज है, समझा जा सकता है।

हैरत की बात यह है कि यह टेंडर भी ऐसे समय किए हैं जब राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी पर 100 करोड़ की देनदारियां हैं। बाजार से दवाओं की खरीद नहीं हो पा रही। सरकारी आपूर्ति भी कम है। आए दिन आरएमएससीएल को पत्र लिखे जा रहे हैं।

डॉ. सुरेंद्र बेनीवाल, एचओडी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी ने बताया कि पीबीएम स्तर पर कैंसर की दवाएं खरीदने के टेंडर होते हैं, लेकिन तीन साल से हमारे विभाग से किसी भी डॉक्टर को समिति में शामिल नहीं किया जाता। यह सही है कि नए टेंडर में कुछ दवाएं ऐसी हैं जो उपयोग में नहीं आतीं। हमसे कोई मांग भी नहीं मांगी गई है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार, अधीक्षक, पीबीएम अस्पताल बीकानेर का कहना है कि पिछले साल वाली रेट कान्ट्रैक्ट पूरी होने का समय आ गया है। दवाओं की जरूरत कभी भी पड़ सकती है, इसलिए आरसी की गई है। कैंसर विशेषज्ञ को शामिल क्यों नहीं किया, इसका पता लगाया जाएगा।

- दवाओं में दस तरह की दवाएं केवल कैंसर से संबंधित हैं, जबकि क्रय समिति में कैंसर का डॉक्टर ही शामिल नहीं है

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका)
जिला परियोजना प्रबंधन ईकाई एवं रिसोर्स सैल, चौपाल भवन, बडौदिया बस्ती, रेल्वे जंक्शन के पास, जयपुर, फोन नं.-0141-2209370
क्रमांक :- डीपीएमयू/लेखा/स्टोर/2025/240 दिनांक :- 18/07/2025
ई-निविदा प्रपत्र
डीपीएयमू राजीविका एवं रिसोर्स सैल, जयपुर के अन्तर्गत भोजन एवं केटरिंग सेवाओं हेतु दर अनुबंध बाबत् पात्र निविदादाताओं से ऑनलाईन तकनीकी और वित्तीय निविदाऐं आमंत्रित करने हेतु आवश्यक विवरण निम्नानुसार है :-

Sr. No.	Scope of Work/Services	Estimated Value	Bid Security	Bid form Fee	e-Processing Fee	Last Date & Time for bid submission date	Date & Time for Opening of Technical Bids	Date & Time for Physical DD Deposit in DPMU Office	Validity of bids
1.	Food & Catering Services	60.00 Lacs	120000/-	1000/-	1000/-	06.08.25 12.00 noon	06.08.25 02.00 pm	06.08.2025 1.00 PM	90days from the date of submission of bids

ई-निविदा की निविदा प्रपत्र शुल्क 1000/- रूपये तथा बिड़ प्रतिभूति राशि 120000/-रूपये की डी.डी./बैकर्स चैक Rajasthan Ajivika Vikas parishad के पक्ष में तथा ई-प्रोसेसिंग शुल्क 1000/-रूपये का डी.डी. Managing Director, RISL के पक्ष में तैयार कर, संस्थान में मूल ही जमा करवाकर रसीद तथा डी.डी./चैक की Scanned Copies भी भरे हुए निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न किया जाना अनिवार्य है अन्यथा बिड़ स्वीकार्य नहीं होगी। ऑनलाईन ई-निविदा e-proc portal अपलोड़ किया जाएगा। निविदादाताओं द्वारा अपने ई-निविदा प्रपत्र के साथ समस्त दस्तावेजों को सील के साथ आत्म सत्यापन कर अपलोड़ किया जाएगा, साथ ही निविदा प्रपत्र मे विस्तृत विवरण www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in पर जाकर भी डाउनलोड़ की जा सकती है। UBN No. - RGA2526SLRC00114
राज.संवाद/सी/25/6630 जिला परियोजना प्रबंधक, राजीविका, जयपुर

नाबालिग बालिका का अपहरण करने वाला आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपित को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अपहरण कर ले गई नाबालिग लड़की को भी छुड़वाया। गौरतलब है कि आरोपित डेढ़ महीने पहले बहला-फुसलाकर ट्रेन में बैठाकर नाबालिग को उत्तर प्रदेश ले गया था। जो इंस्टाग्राम से रिश्तेदार-दोस्तों से सम्पर्क में रहकर पहचान छिपाकर ढाबे पर काम कर रहा था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) राशि डोगरा डूडी ने बताया कि शास्त्रीनगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपित पंकज (19) निवासी सुरेन्द्र नगर गुजरात हाल इंद्रा कॉलोनी कोतवाली मुज्जफर नगर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है।

पुलिस फुटेज के आधार पर पीछा करने पर ट्रेन से आगरा जाना। आगरा से दिल्ली और उसके बाद शांहजाहपुर उत्तर प्रदेश होने का पता चला। जांच के दौरान आरोपित के इंस्ट्राग्राम के जरिए रिश्तेदार-दोस्तों से सम्पर्क में होने का पता चला। शांहजाहपुरा में पहचान छिपाकर आरोपित एक ढाबे पर काम कर रहा था। पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी को धर-दबोचा।

'मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं हो'

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि प्रदेश में मानसून के दौरान अच्छी बारिश हो रही है। बारिश थमने के बाद मौसमी बीमारियों के प्रसार की आशंका बनी रहती है। सभी जिलों में पुख्ता तैयारियों के साथ मौसमी बीमारियों को प्रभावी प्रबंधन किया जाए। रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों के साथ-साथ जांच एवं उपचार के लिए माकूल इंतजाम हों। राज्य स्तर के साथ-साथ संभाग एवं जिला स्तर पर मौसमी बीमारियों की सघन मॉनिटरिंग हो। विभाग के अधिकारी जीवन रक्षा के उद्देश्य को सर्वोच्च रखते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह (बीच में) ने स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक ली।

चिकित्सा मंत्री मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश में मौसमी बीमारियों की स्थिति एवं रोकथाम गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, गैर संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं यूडीआईडी कार्ड के लम्बित मामलों सहित अन्य विषयों पर भी विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य, संयुक्त निदेशक एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी वीसी के माध्यम से जुड़े।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों में किसी स्तर पर लापरवाही नहीं हो। उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों से ग्रसित रोगियों को तत्काल प्रभाव से जांच एवं उपचार उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने राज्य स्तर के अधिकारियों को सभी जिलों पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि जिन जिलों में केस ज्यादा आ रहे हैं, वहां टीमें एवं संसाधन बग्राकर स्थिति को नियंत्रित करें। मौसमी बीमारियों की जांच हेतु काम में ली जाने वाली आवश्यक किट एवं दवाओं की निर्बाध आपूर्ति के साथ पर्याप्त संख्या में बैड्स की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार गतिविधियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए। खींवसर ने टीबी

- **उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारियों से ग्रसित रोगियों को तत्काल प्रभाव से जांच एवं उपचार उपलब्ध करवाया जाए**

मुक्त भारत अभियान के तहत संचालित किए जा रहे 100 दिवसीय अभियान की समीक्षा की। उन्होंने टीबी स्क्रीनिंग कार्य में गति लाते हुए निर्धारित समय सीमा में लक्ष्य अर्जित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि निक्षय पोर्टल पर नियमित रूप से डेटा इन्द्राज किया जाए। उन्होंने कहा कि 21 जुलाई तक 93 लाख 97 हजार से अधिक व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई है। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में लक्ष्य के अनुरूप स्क्रीनिंग नहीं हो पाई है, वहां इस कार्य को गति दें। लाभार्थियों को निक्षय पोषण योजना के तहत उनके बैंक अकाउंट में देय राशि नियमित रूप से हस्तांतरित की जाए। बैठक में बताया गया है कि 40 हजार 815 लाभार्थियों को राशि हस्तांतरित की जा चुकी है।

बस का इंतजार कर रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने कुचला

जयपुर। बगरू थाना इलाके के जयपुर-अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार कार के युवक को रौंदने से मौत हो गई।

पुलिस जानकारी में सामने आया कि गांव जाने के लिए निकला युवक रोड किनारे खड़ा होकर बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाया। जहां कुछ देर बाद ही इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सीएससी बगरू की मोर्चरी में रखवाया है।

थानाधिकारी मोती लाल शर्मा ने बताया कि हादसे में नागौर जिले के डेगाना हाल बेगस निवासी जगदीश (40) की मौत हो गई। जो पेट्रोल पम्प पर नौकरी करता था।

मंगलवार सुबह वह अपने गांव जाने के लिए बगरू पुलिया आया था और वहां पुलिया उतरकर कुछ दूरी पर रोड किनारे खड़ा होकर बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान जयपुर से अजमेर की ओर जा रही

- **पुलिस जानकारी में सामने आया कि गांव जाने के लिए निकला युवक रोड किनारे खड़ा होकर बस का इंतजार कर रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर घायल को अस्पताल पहुंचाया**

तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। वहीं इस हादसे के बाद चालक मौके पर कार छोड़कर फरार हो गया।

हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर हालत में मिले जगदीश को अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उसका मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार को जब्त कर चालक की तलाश कर रही है।

महिला के गले से सोने का जंतर तोड़कर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस की विशेष टीम ने वृद्ध महिला के गले से सोने का जंतर तोड़कर ले जाने वाले शातिर बदमाश को जयपुर ,दौसा ,सीकर तक पीछा कर दबोचते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से अन्य लूट की वारदातों को लेकर गहतना से पूछताछ करने में जुटी है। गिरफ्तार आरोपी से लूट की अन्य वारदाते खुलने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि 4 जुलाई 2025 को थाना इलाके में रहने वाले परिवादिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई की वो खेत में आए जानवरों को भगाने के लिए गई थी। तभी दो बदमाश तेज रफ्तार बाइक पर आए पीने का पानी मांगने के बहाने गले पर झपट्टा मार सोने का जंतर तोड़ ले गए। पुलिस ने विशेष टीम का गठन कर सीसीटीवी व तकनीकी सहायता के आधार पर जयपुर,दौसा,सीकर में आरोपी का पीछा करते हुए जगदीश उर्फ जाखड़ा (32) पुत्र रतन लाल हरीरामपुरा, बस्सी निवासी को दबोच लिया।

एलन कारगिल विजय दौड़ के साथ हथियारों की लगेगी प्रदर्शनी

जयपुर / कोटा, । कारगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर की जीत का जश्न मनाने के लिए एक अनोखी दौड़ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कोटा सहित अन्य जगह के कई धावक हिस्सा ले रहे हैं। इस अनोखी दौड को लेकर कोटा शहरवासियों में काफी उत्साह हैं। एलन कारगिर विक्ट्री रन 2025 का आयोजन 26 एवं 27 जुलाई, 2025 को किया जा रहा है। रोटरी क्लब कोटा सेंट्रल के अध्यक्ष सीए विपुल अग्रवाल ने बताया कि इस दौड़ में आर्मी के 44 जवान भी दो टुकड़ियों में दौड़ेंगे। उन्होंने कहा कि श्रीनाथपुरम स्टेडियम में आर्मी की और से हथियारों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी जो आकर्षण का केन्द्र होगी। यह प्रदर्शनी आमजन के लिए खुली रहेगी, जिसे कोटावासी देख सकेंगे। इसके साथ ही आर्मी का बैंड भी रहेगा जो देशभक्ति धुनों का प्रदर्शन करेगा। इस आयोजन के पोस्टर का विमोचन किया गया जिसमें नेता प्रतिपक्ष विवेक राजवंशी सहित कई लोग उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह रन 26 जुलाई शाम 5 बजे से 27 जुलाई सुबह 10 बजे तक होगी जिसमें 527 धावक शामिल होंगे और प्रत्येक धावक 3.8 किलोमीटर की दौड़ को पूरा करेगा। सचिव नवजोत भसीन ने बताया कि देश के वीर सपूतों को इस दौड़ के माध्यम से सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी वहीं सेना के पराक्रम पर सभी गौरांवित हो सकेंगे। इस आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही है। 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर सीमित सीटें हैं, जिनका रजिस्ट्रशन किया जा रहा है। प्रतिभागी को आवंटित समय पर अपनी रन बटालियन के साथ दौडना होगा, एक ग्रुप में 22 सदस्य एक बार में दौड़ेंगे और उसके बाद दूसरा ग्रुप दौड़ेगा, एक ग्रुप करीब 35 मिनट में 3.8 किलोमीटर दौड़ेगा और इस तरह 14 घंटे में 1999 किलोमीटर की दौड़ पूरी होगी। इस दौड के माध्यम से एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाएगा। देश के वीर सिपाही इन दिग्गजों का सम्मान करने के लिए पूरा कोटा ही नहीं आसपास के क्षेत्रों से भी लोग उपस्थित रहेंगे। 527 धावक इस दौड़ के माध्यम से कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर युद्ध शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। इस दौड के लिए 14 घंटे का समय निर्धारित किया गया।

मानव भ्रूण मिलने से फैली सनसनी

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में मानव भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार इस मानव भ्रूण को श्वान उठाकर लेकर आए थे।

किसी तरह लोगों ने श्वानों से भ्रूण को छुड़वाया और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पोस्टमॉर्टम के लिए भ्रूण को जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

एएसआई मुकेश कुमार ने बताया कि मालवीय नगर में सीटू प्लाजा के सामने वाली रोड पर मानव भ्रूण मिला। जिसे श्वानों लाया गया था।

भ्रूण मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने भ्रूण को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जयपुरिया अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया।

पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि भ्रूण करीब 2-3 महीने का है। अज्ञात परिजनों ने भ्रूण को फेंका है। जिसे श्वान मुंह में दबाकर बीच रोड पर ले आए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मंदिर से दान पात्र चुराने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। हरमाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मंदिर से दानपात्र चोरी करने वाले दो नकबजनों को धर-दबोचा है और उनके पास से चुराई गई नकदी सहित दानपात्र भी बरामद किया है।

एएसआई प्रमोद कुमार ने बताया कि गोविन्दपुरा में खाखीजी महाराज के मंदिर में रखे दानपात्र को चोरी करने वाले आरोपित बच्चा उर्फ धर्मेश उर्फ भैरू नायक और रामबाबू नायक को गिरफ्तार किया है। दोनो ही आरोपित हरमाड़ा इलाके के रहने वाले है। दोनों ही बदमाश नशे के आदि होने पर अपने नशे का शौक पूरा करने के लिये दिन के समय कॉलोनियों में रेकी करते थे और सुने मकानों के बाहर लगे ताला को देखकर व मंदिरों को देखकर रात्रि के समय ताला तोड़कर मकान व मंदिरों के अन्दर से नगदी रूपये को चुराकर अपने साथ लेकर अपने मौज मस्ती व नशे में पैसों को खर्चा कर देते थे।

हनुमानगढ़ पुलिस ने एक करोड़ की हेरोइन जब्त की

जयपुर । हनुमानगढ़ जिले में नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक हरी शंकर के निर्देशन में हनुमानगढ़ पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। संगरिया पुलिस ने 268.6 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है, जब्त हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जनेश तंवर ने बताया कि थानाधिकारी अमर सिंह के नेतृत्व में संगरिया पुलिस की एक टीम ने यह महत्वपूर्ण गिरफ्तारी की। जहां पुलिस ने गश्त के दौरान रोही इंद्रगढ़ क्षेत्र में आरोपित संजू कुमार उर्फ संजय नायक (22) निवासी खुईखेड़ा जिला फाजिल्का पंजाब को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया। पुलिस की ओर से तलाशी लेने पर उसके पास से 268.6 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना संगरिया में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस थाना टिब्बी थानाधिकारी हंसराज लूणा द्वारा की जा रही है। इस सफल ऑपरेशन में उपनिरीक्षक प्रमोद सिंह के साथ कांस्टेबल मनदीप सिंह, मनोज कुमार, रविंद्र कुमार और कांस्टेबल चालक दीनदयाल शामिल थे। जिला विशेष टीम हनुमानगढ़

पुलिस ने आरोपित संजू कुमार उर्फ संजय नायक (22) निवासी खुईखेड़ा को गिरफ्तार किया।

के कांस्टेबल साहब राम और देवकरण ने भी इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मोदी सरकार ने युवाओं को अनुभव, कौशल और प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शुरू की पीएम इंटर्नशिप योजना : सांसद मदन राठौड़

जयपुर । देश के 1 करोड़ से अधिक युवाओं को शीर्ष प्रतिष्ठित 500 कंपनियों में इंटर्नशिप दिलाने के उद्देश्य से मोदी सरकार की ओर से प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना शुरू की गई।

पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू की गई इस योजना का एक वर्ष का लक्ष्य 1.25 लाख इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना तय किया गया। 9 जनवरी 2025 को शुरू हुए पीएम इंटर्नशिप योजना के तहत 327 भागीदार कंपनियों ने देश के 735 जिलों में 1.18 लाख से अधिक इंटर्नशिप अवसर प्रदान किए।

यह जानकारी राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में कारपोरेट कार्य मंत्रालय और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने सदन को दी। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि 17 जुलाई तक साझेदार कंपनियों ने युवाओं को 71000 से अधिक आफर दिए और 22500 से अधिक आफर स्वीकार किए गए।

उन्होंने बताया कि 21 से 24 आयु वर्ग के युवाओं को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत इंटर्नशिप करवाई जा रही है। इसके लिए न्यूनतम हाई स्कूल, हायर सैकेंडरी स्कूल पास करने के साथ आईटीआई प्रमाण पत्र, बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए, बी फार्मा आदि जैसी डिग्री के साथ स्नातक योजना में आवेदन के पात्र है। कारपोरेट कार्य मंत्रालय इस योजना के प्रचार प्रसार के लिए राज्य सरकारों के साथ उद्योग संघ, शैक्षिणक संस्थानों में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

श्रीमाहेश्वरी समाज के 27 जुलाई को होने वाले चुनाव में कोर्ट का दखल से इनकार

जयपुर । जयपुर मेट्रो प्रथम की अपर सिविल न्यायाधीश कोर्ट ने श्रीमाहेश्वरी समाज, जयपुर के 27 जुलाई को होने वाले चुनाव और पूरी चुनाव प्रक्रिया में दखल देने से मना कर दिया है।

वहीं प्रार्थी के नामांकन पत्र को रद्द करने वाले 15 जुलाई 2025 के आदेश को स्थगित करते हुए उसे भी चुनाव में भाग लेने की मंजूरी दी है।

कोर्ट ने यह निर्देश कार्यकारिणी के मौजूदा सदस्य आलोक झंवर के अस्थाई निषेधाज्ञा प्रार्थना पत्र पर दिया। कोर्ट ने आदेश में कहा कि चुनाव प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और कोर्ट इसमें दखल नहीं दे सकता।

दरअसल प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में कहा था कि 27 जुलाई को श्रीमाहेश्वरी समाज, जयपुर के त्रिवार्षिक चुनाव 2025-28 हो रहे हैं, लेकिन यह चुनाव पूर्व विधान के अनुसार नहीं हो रहे और 23 फरवरी 2020 के संशोधित विधान के अनुसार हो रहे हैं। पूर्व विधान में सदस्यों की संख्या 72 थी, जिसे अब बढ़ा दिया है।

ऐसे में यह चुनाव संविधान के विपरीत और अवैध तौर पर हो रहे हैं। उसने चुनाव से पहले 22 अप्रेल 2025 को समाज के अध्यक्ष को अभ्यावेदन देकर इस संबंध में आपत्ति जताई थी, लेकिन उसके बावजूद भी उसके अभ्यावेदन को तय नहीं किया गया है।

इसलिए 27 जुलाई को नए विधान के अनुसार होने वाले चुनाव और इसकी चुनाव प्रक्रिया को अस्थाई निषेधाज्ञा जारी कर स्थगित किया जाए। वहीं वादी को जोन-4 से चुनाव लड़ने की मंजूरी दी जाए।

भौम प्रदोष पर शिव मंदिरों में किया भोलेनाथ का पूजन

जयपुर। भौम प्रदोष व्रत पर छोटीकाशी के शिवालय हर हर महादेव, बोल बम और ताडक़ बम के जयघोष से गूंज उठे। ब्रह्म मुहूर्त से ही भक्तों की भीड़ मंदिरों में उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का जल, दूध, बिल्वपत्र, फल, पुष्पों से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। शहर के प्रमुख शिवालयों में रुद्राभिषेक, सहस्त्रघट और शिव चालीसा पाठ जैसे अनुष्ठान दिनभर चलते रहे। ओम नम: शिवाय के जाप के साथ वातावरण पूरी तरह शिवमय बना रहा। भौम प्रदोष व्रत पर महिलाओं की आस्था भी देखते ही बनती थी। पारंपरिक लहरिया साड़ी पहनकर महिलाओं ने भगवान शिव-पार्वती का पूजन किया। विभिन संस्थाओं की महिलाएं सामूहिक रूप से एक रंग की लहरिया पहनकर मंदिरों में पहुंचीं।

ताडक़ेश्वर महादेव मंदिर में सुबह 3:30 बजे पट खोले गए और चार बजे से अभिषेक आरंभ हो गया जो दोपहर तक चला। शाम को मंदिर में विशेष झांकी सजाई गई। आमेर रोड स्थित काला महादेव मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में पंचामृत अभिषेक हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। झोटवाड़ा रोड स्थित चमत्कारेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही दर्शनार्थियों की कतारें सडक़ तक लगी रहीं। यहां श्रद्धालुओं ने अद्र्धनारीश्वर रूप के दर्शन कर शिव चालीसा का पाठ किया।

बनीपार्क के जंगलेश्वर महादेव मंदिर में श्वेत शिवलिंग पर दिनभर जलाभिषेक हुआ और शाम को फूलों की सुंदर झांकी सजाई गई।

रात्रि को अनेक शिव मंदिरों में भजन संध्याओं का आयोजन हुआ, जिसमें कलाकारों ने भगवान भोलेनाथ के भजनों के माध्यम से वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

- **श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का जल, दूध, बिल्वपत्र, फल, पुष्पों से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। शहर के प्रमुख शिवालयों में रुद्राभिषेक, सहस्त्रघट और शिव चालीसा पाठ जैसे अनुष्ठान दिनभर चलते रहे। ओम नमः शिवाय के जाप के साथ वातावरण पूरी तरह शिवमय बना रहा**

विलक्षण 108 लिंगी रामेश्वरम् महादेव :

भौम प्रदोष पर मंगलवार को विशनपुरा बालाजी धाम स्थित प्राचीन रघुनाथ जी एवं बालाजी मंदिर परिसर में विराजित विलक्षण 108 लिंगी रामेश्वरम् महादेव का श्रावण मास के भौम प्रदोष को भव्य श्रृंगार एवं विशेष जलाभिषेक हुआ।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने हरिद्वार से लाए गए गंगाजल, पंचामृत, सर्वोषधियों और विजया से देवाधिदेव महादेव का अभिषेक कर रामगढ़ बांध के पुन: जलमग्न होने की मंगलकामना की। मंदिर में विराजमान इस अद्भुत शिवलिंग पर नाग-नागिन की आकृति स्वत: प्रकट है, जो इसे विलक्षण बनाती है। विशनपुरा धाम से जुड़ा जयपुरवासियों का 30 वर्षों पुराना सपना-रामगढ़ बांध का फिर से जलमग्न होना-इस पावन अनुष्ठान के माध्यम से पुन: जीवंत हुआ। श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ प्रार्थना की कि भोलेनाथ, रघुनाथ जी एवं बालाजी महाराज की कृपा से वर्षा भरपूर हो और रामगढ़ बांध का गौरव फिर से लौटे।

सार-समाचार

शक्ति गोयनका ट्रस्ट "गोयनका रिकग्निशन सम्मान समारोह 22 अगस्त को

नई दिल्ली/जयपुर । राजस्थान के मुख्यमन्त्री भजन लाल शर्मा गोयनका समुदाय द्वारा आयोजित गोयनका संगम के दौरान आगामी 22 अगस्त को फतेहपुर शेखावाटी में जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव लाने वाले गुमनाम नायकों को इस वर्ष के "गोयनका रिकग्निशन सम्मान" से अलंकृत करेंगे। शक्ति गोयनका ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी सुशील गोयनका ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2019 में शुरू किए गए इन वार्षिक पुरस्कारों में इस वर्ष 22 अगस्त को व्यापार, समाज सेवा, कला, विज्ञान, खेलकूद ,शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गोयनका समुदाय के शूरवीरों को यह पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर राजनेता, प्रसिद्ध उद्योगपति,खिलाडी आदि भी मंच पर मौजूद रहेंगे । उन्होंने बताया कि शक्ति गोयनका ट्रस्ट के तत्वाधान में आगामी 19 अगस्त से 23 अगस्त फ़तेहपुर शेखावाटी में आयोजित किये जा रहें वाले पांच दिवसीय गोयनका संगम में देश-विदेशों में बसे गोयनका समुदाय के लोग अपने पूर्वजों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए हर साल पांच दिन तक फतेहपुर शेखावाटी में इकट्ठा होते हैं।जहां इस दौरान अनेक सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते है, इसमें ज़ी समूह के चेयरमैन सुभाष चन्द्रा, इमामी ग्रुप के को-चेयरमैन आर एस गोयनका, टैली ग्रुप के चेयरमैन भरत गोयनका, पशुपति ग्रुप के चेयरमैन विष्णु गोयनका सहित देश-विदेश के अन्य दिग्गज उद्योगपति भी हिस्सा लेंगे।

मुंबई ब्लास्ट का निर्णय अंतिम नहीं: विहिप

जयपुर। 11 जुलाई 2006 को मुंबई में सात लोकल ट्रेनो में बमों के धमाके हुए थे। 189 लोग मारे गए थे और 824 घायल हुए। यह आतंकवाद की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक थी। उस समय की सरकार ने एक विशेष जांच टीम बनाई थी। जांच के बाद चालान फाइन किया था। विशेष न्यायालय ने 12 लोगों को दोषी पाया था। इनमें से 5 को मृत्युदंड और सात को उम्र कैद दी थी। अब हाई कोर्ट ने निचली अदालत का फैसला पलट कर सब अभियुक्तों को बरी कर दिया है। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने आज कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने इस निर्णय को शॉकिंग बताया है। सरकार ने इस निर्णय को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देने की भी घोषणा की है। स्पष्ट है कि हाई कोर्ट का निर्णय अंतिम नहीं है। सुप्रीम कोर्ट इसे परखेगी। यह सेमी फाइनल है, फाइनल अभी होना है। छमाही परीक्षा को सालाना परीक्षा का परिणाम नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग इस निर्णय पर खुशी मना रहे हैं, उन्हें भी बड़ी अदालत के निर्णय की प्रतीक्षा करनी चाहिए। यह चिंता की बात है कि इस निर्णय को आने में 19 साल लगे। हम आशा करेंगे कि इस विषय की गंभीरता को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय अपील फाइल होने के बाद त्वरित सुनवाई कर निर्णय देगा।

दस हजार रुपये का इनामी बदमाश चढ़ा पुलिस के हत्थे

जयपुर। जवाहर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दस हजार रुपये के इनामी बदमाश को धर-दबोचा है और उसके पास से लूट का मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित वर्ष 2023 में लूट की वारदात कर हैदराबाद,बिजनौर, मुंबई और अजमेर में फरारी काट रहा था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। थानाधिकारी महेश चंद्र ने बताया कि 20 अप्रैल 20223 में लूटपाट के मामले में काफी दिनों से फरार चल रहे दस हजार रुपये के इनामी आरोपित वसीम उर्फ समीर उर्फ मोनू निवासी बिजनौर यूपी हाल अजमेर को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से एक लूटा गया एक मोबाइल भी बरामद किया है। पुलिस पूछताछ मे सामने आया कि मौज-मस्ती के लिए पैसों की आवश्यकता होने पर राह चलती महिलाओं के मोबाइल फोन छीन कर फरार हो जाता है। आरोपित पुलिस से बचने के लिए हैदराबाद,बिजनौर, मुंबई और अजमेर में फरारी काट रहा था।

केनरा बैंक डीएमपीएल सीजन 4 ट्रॉफी का अनावरण संपन्न

जयपुर । मेडिकोज़ सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर जयपुर में 25 से 27 जुलाई तक चिकित्सकों के लिए गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। केनरा बैंक के ऑर्बिट मॉल जयपुर स्थित राजस्थान सर्किल ऑफिस में इस प्रतियोगिता की ट्रॉफी के अनावरण का समारोह आयोजित किया गया। ट्रॉफी का अनावरण केनरा बैंक के राजस्थान सर्किल की महाप्रबंधक गीतिका शर्मा व उप महाप्रबंधक संजय कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीएमपीएल के संयोजक डॉ संदीप निझावन आयोजन अध्यक्ष डॉ संजीव गुप्ता ,आयोजन सचिव डॉ अनिल यादव ,चीफ कॉर्डिनेटर डॉ हरीश भारद्वाज व महात्मा गाँधी यूनिवर्सिटी जयपुर में केनरा बैंक के ब्रांच मैनेजर मुकुल विजय उपस्थित रहे। डीएमपीएल के ब्रांड एम्बेसडर बॉलीवुड सिंगर रवींद्र उपाध्याय है ।प्रतियोगिता में आठ फ्रेंचाइज़ी-हॉस्पिटल्स अपनी-अपनी टीमों के साथ ट्रॉफी जीतने की दावेदारी पेश करेंगे।

'मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी को फोरेन एम्बेसीज में प्रमोट करना होगा'

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (हील इन राजस्थान नीति-2025) का प्रारूप तैयार किया जाना एक स्वागत योग्य कदम हैं। सीआईआई पिछले 2 सालों से इसके लिए प्रयासरत था। इससे प्रदेश में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के साथ प्रमुख मेडिकल टूरिज्म हब बनाने की दिशा में तीव्र प्रगति होगी। संजय अग्रवाल, अध्यक्ष, सीआईआई राजस्थान ने यह बताया। उनके अनुसार सीआईआई का मानना हैं कि राज्य के प्रमुख षहरों कि डोमेस्टीक और इंटरनेषनल एयर कनैक्टिवीटी बेहतर करने के लिए सरकार द्वारा गम्भीर प्रयासों की जरूरत हैं। हमें मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (एमवीटी) को राज्य के बाहर फोरेन एम्बेसीज् और इंडियन मिषनस् में प्रभावी तरीके से प्रमोट करना होगा। अध्यक्ष सीआईआई राजस्थान ने यह भी कहा कि सीआईआई का मानना हैं कि राजस्थान में मेडिकल सेक्टर के विकास की अपार संभावनाएं हैं। 8 हजार से अधिक अस्पतालों, 40 से अधिक मेडिकल कॉलेजों और वल्र्ड क्लास प्राइवेट हास्पीटल्स् के कारण राजस्थान में एक मजबूत हैल्थ सिस्टम पहले से ही है। राज्य में बजट फ्रैंडली एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाओं के साथ ही स्किल्ड मैन पॉवर की उपलब्धता के कारण यह सेक्टर देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है। नितिन गुप्ता, वरिष्ठ निदेशक और राज्य प्रमुख-सीआईआई राजस्थान के अनुसार पर्यटकों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होने पर राजस्थान की मेडिकल वैल्यू ट्रेवल (एम.वी.टी.) डेस्टिनेशन के रूप में एक नई पहचान बनेगी। इस नीति से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही एमवीटी से जुड़े डिजिटल इकोसिस्टम का विकास भी सुनिश्चित होगा।

ARBiT it happens here...

The Magical Combo- Peanut Butter and Chocolate

Imagine a day dedicated to one of the yummiest duos ever: peanut butter and chocolate. This magical combo gets its very own celebration on July 23rd every year, and it's all about indulging in the rich, creamy goodness that comes when these two come together. It's a day that sweetens our lives and reminds us of the simple joys found in our favourite treats. From baking cookies and cakes to concocting your peanut butter cups, there's no limit to how you can celebrate. It's a day that abounds with joy, creativity, and, most importantly, scrumptious treats that bring people together.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
23 July 2025
A-B

#ANTIQUITY

How Old Is the Telugu Script?

A 2,000-Year-Old clue to the age of the Telugu script found at Bhattiprolu!

Bhattiprolu Script.

The Telugu language, spoken by over 80 million people today, has a rich and ancient literary tradition. But when it comes to its script, the graceful curves and loops that form its unique written identity, how far back does it go? A surprising clue emerged not from a manuscript or a palm-leaf archive, but from beneath a stupa. In the quiet village of Bhattiprolu in Andhra Pradesh, archaeologists uncovered stone caskets bearing inscriptions in what is now identified as the Bhattiprolu script, the earliest known precursor to the Telugu and Kannada scripts. This discovery rewrote what we know about the evolution of South Indian writing systems.

Proto-Sinaitic inscriptions, Circa 2000-BC

The Bhattiprolu Discovery : A Script Buried in Time

In the late 19th century, archaeologists excavating the ancient Buddhist stupa at Bhattiprolu stumbled upon stone relic caskets that housed inscriptions in a script unfamiliar at the time. Unlike classical Sanskrit or Pali inscriptions of northern India, these characters showed a unique regional variation. Scholars later identified this as a Southern Brahmi variant, now referred to as the Bhattiprolu script. Dated to around 2nd century BCE, this inscription represents one of the earliest forms of writing in the Telugu-speaking region.

From Brahmi to Bhattiprolu: The Script's Evolution

The Bhattiprolu script evolved from the Brahmi script, which is the mother of most Indian scripts. Brahmi, used as early as the 3rd century BCE (famously in Emperor Ashoka's edicts), laid the foundation for nearly all modern Indian writing systems, including Devanagari, Tamil, Bengali, and more.

But as Brahmi spread across the subcontinent, it began to regionalize, adapting to local languages and phonetics. In South India, the Brahmi script gradually morphed into Southern Brahmi, which then split further into region-specific scripts like the Bhattiprolu variant.

This local adaptation took into account the phonetic demands of Dravidian languages like Telugu and Kannada, which differ significantly from Indo-Aryan languages. For example, retroflex sounds and compound consonants found in Telugu needed distinct representation, which the Brahmi-derived Bhattiprolu script began to accommodate.

Legacy: The Birth of the Telugu Script

Over the centuries, the Bhattiprolu script evolved, passing through several stages, from Kadamba and Chalukya scripts to the early forms of modern Telugu and Kannada scripts around the 7th to 9th centuries CE. By the 11th century CE, the Telugu script began to acquire a shape closer to its modern form, rounded and ornate, optimized for writing on palm leaves. Thus, the roots of the Telugu script go back over 2,000 years, with Bhattiprolu serving as a critical archaeological and linguistic link in that evolution.

Why Bhattiprolu Still Matters

The Bhattiprolu discovery was more than just an inscription, it was a missing link that connected language, script, religion, and identity. It offers insight into how writing adapted to language, how local scripts emerged from a pan-Indian system, and how ancient communities preserved their beliefs, thoughts, and culture in stone.

Today, as Telugu continues to thrive in literature, cinema, and digital media, it carries within its script the silent echoes of Bhattiprolu, a reminder that language isn't just spoken or written, but carved in time.

Maha Stupa at Bhattiprolu.

Kolkata's Kalman Cold Storage Retired

According to one of the articles, published by *The Statesman* in the year 2000, the shop was started by Kalman Kohary, a Hungarian trapeze artist who had come to Kolkata with a travelling circus. Unable to return to his native Hungary, after it slid behind the Iron Curtain, Kohary settled down in the city, married a Burmese woman and started a charcuterie on Elliot Road, before moving his shop to its Free School Street address. It is this story of Kalman's origins that has become a part of the city's collective memory.

Priyadarshini Chatterjee
Food and Culture Writer, based in Kolkata

#NOSTALGIA

"Our Hungarian sausages were inimitable," said Joy Narayan Ghosh, the former manager and face of Kalman Cold Storage, a Kolkata institution with a cult following that, recently shut down after an illustrious run spanning over seven decades. The recipe was as old as the shop, Ghosh said. "It was a cumbersome process. The pork would be meticulously cleaned, chopped into small pieces, soaked in pickle water and refrigerated for at least two days."

Spiced simply with black pepper, garlic and only a hint of salt, and smoked for seven to eight hours over a hearth fuelled with charcoal and wood chips in a closed smoking chamber, the Hungarian sausages were among Kalman's most popular items. But that was not all. People flocked to this sliver of a shop on Mirza Ghalib Street (previously known as Free School Street) near New Market for a surprisingly affordable assortment of cured meats and cold cuts, everything from pork collar and ham to salami and smoked ox tongue. "Their ham was especially good," said Ayan Ghosh, a management consultant and a seasoned culinary enthusiast. When he returned to Kolkata 11 years ago, after having travelled the world, Kalman seemed like one of the few vestiges of the city's inclusive, cosmopolitan past. His shopping expeditions to New Market involved picking up his monthly stock of beef, collar and ham from Kalman, followed by some cheese at Johnson's, before making a final stop at Nahoum's, the city's iconic Jewish bakery. "The fact that they were the only place that sold beef and pork under the same roof made Kalman an embodiment of the city's secular ethos," he said.

Squashed between bigger shop fronts, Kalman Cold Storage occupied a passage-like space, which was crammed with two large freezers, two plastic chairs, a chopping table and some other equipment. "For a first-time visitor," as city-based author Aryani Banerjee wrote in her book *Shadows of Solitude*, "it can be pretty confusing, one can even walk up and down the pavement four or five times and still fail to locate it." A couple of framed newspaper articles, written about the shop and its history, hung on the opposite wall. According to one of the articles, published by *The Statesman* in the year 2000, the shop was started by Kalman Kohary, a Hungarian trapeze artist who had come to Kolkata with a travelling circus. Unable to return to his native Hungary, after it slid behind the Iron Curtain, Kohary settled down in the city, married a Burmese woman and started a charcuterie on Elliot Road, before moving his shop to its Free School Street address. It is this story of Kalman's origins that has become a part of the city's collective memory.

> "For a first-time visitor," as city-based author Aryani Banerjee wrote in her book Shadows of Solitude, "it can be pretty confusing, one can even walk up and down the pavement four or five times and still fail to locate it." A couple of framed newspaper articles, written about the shop and its history, hung on the opposite wall.

Joy Ghosh slices some cured ox tongue at Kalman.

clientele and cosmopolitan ethos.

Helen Thakur, nee Meyer, a retired school librarian, fondly remembers her childhood expeditions to Kalman during the time Kohary ran the show. Though 'the memory has faded with time,' the 73-year-old Thakur remembers Kohary as a 'cheerful, friendly gentleman,' who greeted and served his customers with a lot of enthusiasm. "For us and most of our Anglo-Indian neighbours, to the Sealdah station and then a bus to the shop. After a hard day's work, personally attending to customers at the shop, taking orders on the phone, deftly slicing meat and supervising the other workers, he returned home late in the evening. "The shop was my life until a few days ago," said Ghosh. "I have hardly been able to stop my tears."

It was Ghosh's personal touch that made buying meats from Kalman a memorable experience for many. "In case an old client would request, I would open the shop even on an off day to deliver an urgent order, even if it was for as little as 100 grams," said Ghosh.

"Sometimes, Joy Ghosh would dissuade you from buying a particular item, simply because he thought it was not up to the mark," said Angona Paul, an advocacy and communications specialist and home chef, who would regularly visit Kalman to buy collar and ox tongue.

Ghosh blames labour problems for the sudden closure of the iconic shop. "The old karigars are all aged now and were unable to continue to lacked the commitment." It is also true that Kalman, in recent years, rode on the strength of nostalgia to a great extent. Paul, though a long-time customer, was no blind fan. "While some of their items were good, not everything was up to the mark," she said. "Besides, nowadays, there are more options, and thanks to social media, people are all always discovering new, lesser-known places across the city."

"But I will miss their salami in my sandwiches," said Thakur. Just a few days before the business shut down, Thakur picked up a fresh stock of spiced beef and chicken salami, unaware that it would be her last visit to 18 Mirza Ghalib Street. Now, like many of her friends and acquaintances, she is left without a trusted meat shop.

Banerjee went to Kalman for the last time on November 24. "I was in the area to attend an awards function at the Armenian College and dropped in to pick up my order," she said. "I had presented them with a miniature copy of the cover of my book. I wish I had carried the book along that day."

Ayan Ghosh, Ghosh babu to Kalman's staff, is more practical about Kalman's demise. "If you cannot keep pace with changing times, nature will take its course," he said. "But what I will miss most is Kalman's ethos, the unique space accessible to people from all walks of life, where they could come, shop and mingle."

rajeshsharma1049@gmail.com

> But I will miss their salami in my sandwiches," said Thakur. Just a few days before the business shut down, Thakur picked up a fresh stock of spiced beef and chicken salami, unaware that it would be her last visit to 18 Mirza Ghalib Street. Now, like many of her friends and acquaintances, she is left without a trusted meat shop.

Kalman's cold cuts and cured meats were winter musts. People would wait in long queues for their share of salt meat, sausages and salami."

Many Bengalis joined these queues and Kohary would speak "to them in fluent Bangla," said Thakur. The wait would be worth the while. As Banerjee, who waited in queues to pick up her meaty Christmas treats, wrote, Kalman sold 'the best Hungarian sausages, salamis, smoked bacon and meat-loaf in town.'

After Kohary's death, his family decided to leave the country. The ownership of the shop was handed to Kohary's right-hand man, Bishnupada Dhar. After Dhar's death, his wife Ruma and daughter Agomoni took over. But, in recent times, it was Ghosh who effectively ran the establishment.

For years, Ghosh, a resident of Agarpara, woke up at the crack of dawn, six days a week, took a train put in the hard work and long hours," he lamented. "The new ones

#MONEY

Damri, Thela, Pie, Anna

Ancient Indian Currency System: Even the *futti cowrie* carried value!

Before India's currency system was standardized under British rule, different regions used their own local denominations, many of which were based on *cowrie shells* (kodi) and small coinage. In rural areas and temple economies, low-value units like futti, cowrie, and damri were commonly used for everyday transactions.

This article delves into one such traditional hierarchy of currency used in parts of India, especially in the southern and eastern regions, during the pre-colonial and early colonial period.

Currency Hierarchy: From Futti to Anna

Let's break down the hierarchy step by step!

1. 3 Futti = 1 Kodi

- A futti was the smallest known unit, likely a single or fractional cowrie shell or token used in markets.
- Kodi, in this context, referred to a set of 3 futtis, possibly used for basic items like salt, oil, or betel nut.
- While 'kodi' in Tamil literally means a crore, in the trade context, it typically represented a small bundle of cowrie shells, often 20 shells, but in this specific hierarchy, it was defined by futtis.

Usage: Buying very small quantities, such as a pinch of salt, a lime, or a chewing item.

2. 10 Kodi = 1 Damri

- The Damri (also spelled Damree, Damari) was a very small copper coin used in Mughal and early British periods.
- In this system, 10 kodi (i.e., 30 futtis) made 1 Damri.
- A damri had real monetary value and was among the smallest copper coins minted during the Mughal era.

Historical Coin: Akbar and later Mughal emperors minted damris.

1 Damri = 1/40th of a rupee (very approximate, varied by region)

3. 2 Damri = 1 Thela

- The Thela was another intermediate unit, rarely found in official coinage, but widely used in oral or market transactions.
- 2 Damris = 1 Thela, making it a slightly higher denomination used for larger low-value exchanges.

Usage: Might be used to purchase a handful of grains, a coconut, or a cup of buttermilk.

4. 1 Thela = 1 Pie

- The Pie (or Pai) became more standardized under the British Raj, and it was defined as:
  - 1/3 of an anna
  - 1/192 of a rupee

So by this conversion:

- 3 Pies = 1 Anna
- 1 Thela = 1 Pie (in this localized system)

5. 3 Pies = 1 Anna

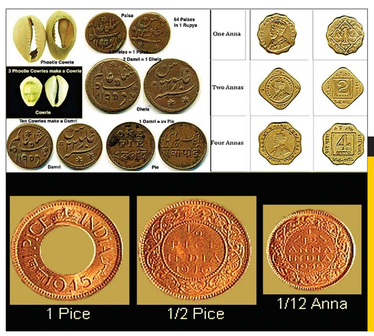

- Under the British coinage system:
  - 1 Rupee = 16 Annas
  - 1 Anna = 4 Paisa = 12 Pies
- But earlier, in smaller village transactions, people often said:
- 1 Anna = 3 Thelas (or 3 Pies) based on purchasing value rather than minting standard.

An anna was a silver coin or its copper equivalent, widely used throughout British India.

Real-World Usage and Context

These units were used in:

- Weekly markets (haats)
- Temple offerings
- Village trade
- Labour wages
- Agricultural exchanges (e.g., measuring a portion of grain or pulses)

Because coins were often too precious for tiny transactions, kodi shells and low-denomination tokens were a practical substitute for the masses.

Decline of the System

By the mid to late 19th century, British rule:

- Introduced uniform coinage
- Criminalized unofficial tender
- Flooded the market with minted copper and silver coins

This led to the disuse of cowrie shells and informal units like futti, kodi, and damri. However, these units survived orally in local speech and customs for decades, especially in folk markets and rural households.

Conclusion

The traditional currency ladder, from futti to kodi, damri, thela, pie, and anna, shows how resourceful communities were in creating practical systems for trade and daily life before the era of coinage and banks. These early monetary units reflect a deeply localized, culturally embedded economic system, long before India adopted the modern rupee.

THE WALL

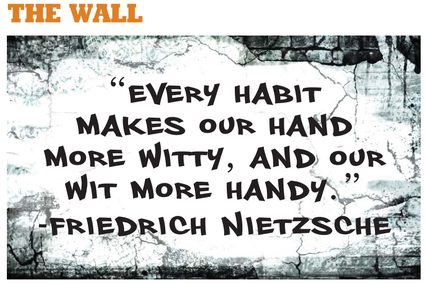

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

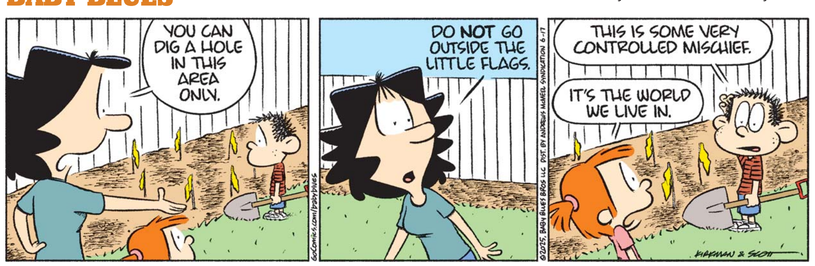

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

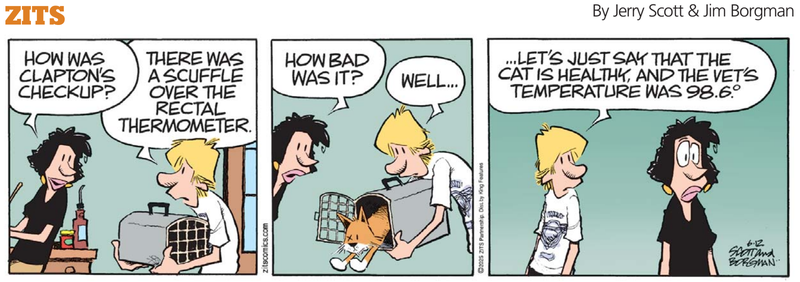

गोखरी गांव की जर्जर सड़क ग्रामवासियों के लिये जानलेवा बनी

सड़क के किनारे अत्यधिक मिट्टी कटाव के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बने, जिससे कई हादसे हो चुके हैं

मलसीसर, (निसं)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी गोखरी गांव की सड़क इन दिनों ग्रामवासियों के लिए जानलेवा बन चुकी है। सड़क के किनारे अत्यधिक मिट्टी कटाव के कारण बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे अब तक कई हादसे हो चुके हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग को इसकी जानकारी दी और शिकायतें भी दर्ज करवाई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला गया है।

कुछ समय पूर्व विभाग द्वारा एक छोटे हिस्से में सेफ्टी दीवार बनाई गई थी, जो हाल ही में हुई बारिश में बह गई। ग्रामवासियों ने मांग की है कि इस सड़क का निर्माण कार्य फिर से करवाया जाए और मिट्टी के टिल्लें को समतल करते हुए स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जाए, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। ग्रामवासीयों का कहना है कि इस सड़क से प्रतिदिन दर्जनों मोटरगाड़ियां और दोपहिया वाहन गुजरते हैं और गड्ढों की वजह से गाड़ियों के गिरने का लगातार खतरा बना रहता है। अब ग्रामवासियों की एकमात्र उम्मीद शासन-प्रशासन से है कि वे इस गंभीर समस्या पर संज्ञान लें और त्वरित समाधान की दिशा में कदम उठाएं। ग्रामवासीयों का कहना है कि अगर प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाता है तो इसके लिए विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी गोखरी गांव की सड़क पर कई जगह गड्ढे हो चुके हैं।

- कई बार संबंधित विभाग को जानकारी दी और शिकायतें भी दर्ज करवाई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकाला
- हाल ही में हुई बारिश में छोटे हिस्से में बनाई गई सेफ्टी दीवार भी बह गई

जोधपुर से हैदराबाद तक शुरू की गई नई ट्रेन का स्वागत

ब्यावर में लोको पायलट, सहायक पायलट व गार्ड और अन्य कर्मचारियों का अभिनंदन किया।

ब्यावर, (निसं)। जोधपुर से हैदराबाद तक शुरू की गई रेलवे प्रशासन द्वारा नई ट्रेन का ब्यावर जिला व्यापार संघ द्वारा भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर लोको पायलट, सहायक पायलट व गार्ड और अन्य कर्मचारियों का माला, साफा एवं शॉल पहनाकर और मिठाई खिलाकर अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर ब्यावर जिला व्यापार संघ के पदाधिकारी द्वारा ज्ञापित किया गया कि प्रशासन ब्यावर की महत्ता को देखते हुए अब नई ट्रेनों का ठहराव शुरू कर रहा है। व्यापार संघ द्वारा इस शुरू की गई ट्रेन से न सिर्फ दक्षिण में जाने वाले यात्रियों को इसका फायदा मिलेगा, वरन धार्मिक नगरी उज्जैन व सीहोर जाने वाले यात्रियों को भी इसका लाभ मिलेगा। यह पहली ट्रेन होगी जो यहां ब्यावर से सीधी उज्जैन तक जाएगी। इस अवसर पर ब्यावर जिला व्यापार संघ के पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष संजय घीया, उपाध्यक्ष नवल सोमानी, दिनेश सावलानी, प्रदीप बोहरा, राजेश गिदवानी, महासचिव विजय कुमार लौंगानी, कपिल भारती, सह कोषाध्यक्ष शैलेंद्र कुमावत, अनुशासन सचिव शंकर प्रजापत, सचिव विनोद फुलवारी, प्रकाश कुंदनानी, मीडिया प्रभारी गौरव सक्सेना, सह सचिव राजेश भूतड़ा ,वासुदेव खत्री ,कपिल तेजवानी, किशोर साहू, श्रेयांश बोहरा, सदस्य मुकेश बोहरा, सहीराम मीणा, तेजपाल सिंह, नरेंद्र काठात सहित बड़ी संख्या में नागरिक व अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

कार से 266 किलो डोडा-चूरा बरामद, तस्कर फरार

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले की मांडलगढ़ थाना पुलिस ने लाडपुरा गांव के पास नेशनल हाइवे सड़क पर दिन के उजाले में बेख़ौफ़ ले जाई जा रही में अफ़ीम डोडा-चूरा की बड़ी खेप को पकड़ा है।

- इको कार को पुलिस ने जब्त कर मामला दर्ज किया

मांडलगढ़ थानाधिकारी ने बताया कि चित्तौड़गढ़ से बिजौलियां की ओर जा रही एक संदिग्ध इको कार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया, लेकिन तस्कर चालक कार को भगाकर ले जाने लगा। पुलिस ने पीछा कर कार को पकड़ लिया, लेकिन मौका पाकर तस्कर फरार हो गया। कार की तलाशी में लहसून के सील बन्द 17 कर्टन में भरा 266 किलो डोडा-चूरा बरामद किया है। पुलिस ने तस्कर की कार और डोडा-चूरा को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया है। वहीं पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में मौक़े से तस्कर के फरार होने पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

मांडलगढ़ थाना पुलिस ने डोडा-चूरा व कार जब्त की।

सड़क पर युवक की खून से सनी लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में डेलाणा-काली मंगरी रोड पर युवक की खूनसनी लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फेल गई।

गंगापुर थाना थाना पुलिस के अनुसार डेलाणा से कालीमंगरी गांव की ओर जाने वाली रोड पर मंगलवार सुबह एक युवक की खूनसनी लाश व उसके पास बाइक पड़ी देखकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कालीमंगरी का खेड़ा निवासी दशरथ सिंह (21) पुत्र केसर सिंह राजपूत के रूप में की। शव को पोस्टमार्टम के लिए गंगापुर अस्पताल भिजवा दिया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

- युवक सुबह आठ-नौ बजे खाना खाने डेलाणा जाने की कहकर निकला था

पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि दशरथ, सोमवार सुबह आठ-नौ बजे खाना खाने डेलाणा जाने की कहकर निकला था। इसके बाद वह दिनभर डेलाणा में ही था। रात करीब साढ़े नौ बजे उसकी बात भाई अमर सिंह से हुई थी। इसके बाद फोन बंद हो गया था। अमरसिंह ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि दशरथ के घर लौटने के दौरान उसकी बाइक जानवर से टकरा गई। इससे वह सड़क पर जा गिरा और सिर में चोट लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला से सोने की चेन लूटी

उदयपुर, (निसं)। महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने के दौरान चोर महिला के गले से सोने की चेन छीन ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता बीना पत्नी धर्मनारायण त्रिपाठी निवासी श्रीनाथ नगर हिरणमगरी सेक्टर 9 ने अम्बामाता पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि 21 जुलाई को मैं महाकाल मंदिर दर्शन करने के लिए गई थी। जहां अज्ञात चोर मेरे गले से सोने की चेन छीन ले गया। बाहर निकालने पर इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एचसी महेन्द्रसिंह कर रहे हैं।

नगर विकास न्यास के मास्टर प्लान को लेकर विरोध तेज

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर विकास न्यास के मास्टर प्लान को लेकर विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। जोनल प्लान ई-2 के विरोध में आठ गांवों के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। आज पालड़ी, गोविन्दपुरा, इन्द्रपुरा, तेलीखेड़ा, देवखेड़ी, तस्वारिया सांगानेर के ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

पालड़ी के पूर्व सरपंच देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर जोनल प्लान ई-2 को वापस लेने की मांग की। पांच दिन में जोनल प्लान कैंसल नहीं हुआ तो पांच हजार ग्रामीणों के साथ यूआईटी पर धरने की चेतावनी भी दी। पूर्व सिंह ने बताया कि यूआईटी ने मास्टर प्लान 2035 की अवहेलना कर एक जुलाई को जारी किए जोनल प्लान ई-2 में कई खामियां हैं। इस प्लान में 13 से भी अधिक राजस्व ग्राम पालड़ी, गोविन्दपुरा, इन्द्रपुरा, तेलीखेड़ा, देवखेड़ी, तस्वारिया, आरजिया, जाटों का खेड़ा, केशरपुरा, सोलबिघा, आकोला, सांगानेर, कीरखेड़ा इत्यादि आते हैं। यूआईटी ने 200 फीट रोड को हटाकर 1200 फीट बना दिया। इस रोड को वहां तक ले गए, जहां तक किसानों की जमीनें थी। इंद्रपुरा, तेलीखेड़ा, गोविंदपुरा व पालड़ी की जमीनें रोड में जा रही है। जहां सरकारी जमीनें आई, वहां रोड को 200 फीट कर दिया जो कि तर्कसंगत नहीं है। यूआईटी ने 2013 में बहुउद्देशीय योजना बनाई थी।

इसमें मिनी सचिवालय और हाईटेक सिटी बनना था, पर बहुउद्देशीय योजना को ही कैंसल कर दिया। आरजिया, तस्वारिया जैसे आठ राजस्व गांवों की लगभग 15 हजार बीघा जमीनों को नर्सरी और पार्क में कन्वर्ट कर दिया। ग्रामीणों ने मांग की कि जोनल प्लान ई-2 को निरस्त करें और पूर्व का प्लान ही इंप्लीमेंट हो। ग्रामीणों ने पांच दिन में जोनल प्लान ई-2 कैंसल नहीं होने पर उग्र आंदोलन को चेतावनी दी है।

- जोनल प्लान ई-2 के विरोध में आठ गांवों के ग्रामीण सड़क पर उतर आए
- ग्रामीणों ने पांच दिन में जोनल प्लान ई-2 कैंसल नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

पालड़ी, गोविन्दपुरा, इन्द्रपुरा, तेलीखेड़ा, देवखेड़ी, तस्वारिया, सांगानेर के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

'बच्चों के समग्र विकास हेतु समन्वय व संवेदनशीलता से कार्य करें'

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पोषण अभिसरण योजना समिति की बैठक का आयोजन

कोटपूतली, (निसं)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को एडीएम ओमप्रकाश सहारण की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पोषण अभिसरण योजना समिति की बैठक का आयोजन किया गया।

एडीएम ने कहा कि बच्चों के समग्र विकास हेतु संबंधित विभाग समन्वय व संवेदनशीलता से कार्य करें। उन्होंने पोषाहार की गुणवत्ता की नियमित जांच करने, भंडारण की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही पीएचईडी विभाग को आंगनबाड़ियों में नल कनेक्शन उपलब्ध करवाने को कहा। इस दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से दी जा रही सेवाओं एवं अन्य विभागों के साथ अभिसरण पर चर्चा कर सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। आंनगाबाड़ी केन्द्रों पर शौचालय, पेयजल, विद्युत कनेक्शन जैसी आधारभूत सुविधायें सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देश प्रदान किये गये। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पूरक पोषाहार की आपूर्ति एवं वितरण, बच्चों की वृद्धि निगरानी, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, शाला पूर्व शिक्षा एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्क्रीनिंग बढ़ाने एवं गर्भवती महिलाओं के समय पर ममता कार्ड बनाने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उपनिदेशक, महिला एवं बाल विकास विभाग सतपाल यादव, जिला रसद अधिकारी शशि शेखर शर्मा, आरसीएचओ अरविन्द अग्रवाल, सहायक निदेशिक कृषि विभाग रामजीलाल यादव, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारम्भिक शिक्षा प्रकाश चन्द मीणा सहित जिले के समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी उपस्थित रहे।

- एडीएम ने पोषाहार गुणवत्ता की जांच के निर्देश दिये

इस साल 11 दिन जल्दी आएंगे त्योहार

जयपुर। इस साल 2025 में रक्षाबंधन से लेकर दीपावली तक सभी प्रमुख त्योहार पिछले वर्षों की तुलना में 11 दिन पहले आ रहे हैं। वहीं वर्ष 2026 में तीज-त्योहार 20 दिन देरी से मनाए जाएंगे। इसकी वजह पंचांग की चंद्र गणना और अधिकमास की व्यवस्था है। ज्योतिषाचार्य डॉ. महेंद्र मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष 2025 में सावन मास की शुरुआत 11 जुलाई से हुई है, जो 30 दिन का रहेगा। इसमें चार सोमवार और चार मंगला गौरी व्रत होंगे। सावन के साथ ही मांगलिक और धार्मिक पर्वों की धारा शुरू हो गई है, जो दीपावली और छठ तक चलेगी। डॉ. मिश्रा ने बताया कि रक्षाबंधन 9 अगस्त, जन्माष्टमी 16 अगस्त, गणेश चतुर्थी 27 अगस्त, शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर, दशहरा 2 अक्टूबर, दीपावली 20 अक्टूबर और देवउठनी एकादशी 1 नवंबर को मनाई जाएगी। यह सभी पर्व पिछले वर्षों की तुलना में लगभग 11 दिन पहले पड़ रहे हैं।

''हरियालो राजस्थान'' अभियान और सामाजिक सुरक्षा शिविरों की प्रगति की समीक्षा की

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए

उदयपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन किया गया, जिसमें सभी उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान ''हरियालो राजस्थान'' की प्रगति, तीज कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समायोजन संतृप्तता शिविरों की प्रगति तथा मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर दिशा निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर मेहता ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान ''हरियाळो राजस्थान'' के तहत लगभग 38 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से लगभग 23 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। सभी विभागों से 24 से 27 जुलाई तक ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर पौधरोपण को लेकर जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। मेहता ने विभागवार पौधरोपण के आवंटित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए पौधरोपण और जियो टैगिंग की गति बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों को कार्ययोजना बनाकर 24 से 27 जुलाई तक पौधरोपण का लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। सभी ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर पौधरोपण की अच्छी फोटोग्राफी और प्रॉपर जियो टैगिंग सुनिश्चित करने पर बल दिया। बैठक में 1 से 31 जुलाई 2025 तक चल रहे सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समायोजन संतृप्तता शिविरों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिला कलेक्टर ने बताया कि जिले में वर्तमान में 13 लाख जनधन खाता धारक हैं और 5 लाख नए जनधन खाते खोले जाने का लक्ष्य है। जिला कलेक्टर ने जिले में मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर एंटी-लार्वा गतिविधियों पर भी विस्तार से चर्चा की। आशा और एएनएम कार्यकर्ता घर-घर जाकर मच्छर जनित बीमारियों के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। जिला कलेक्टर ने डेंगू के मामलों को लेकर सतर्क बरतने पर जोर दिया। अगले चार दिनों तक शहर में सघन फॉगिंग करवाई जाएगी।

- मुख्यमंत्री वृक्षारोपण अभियान ''हरियाळो राजस्थान'' की प्रगति, तीज कार्यक्रम, सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय समायोजन संतृप्तता शिविरों की प्रगति की समीक्षा की

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिये।

उदयपुर में नगर निगम ने दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाये

नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर अतिक्रमियों को अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी

उदयपुर, (निसं)। नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमण के खिलाफ लगातार दूसरे दिन बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना के निर्देश पर अतिक्रमण ध्वस्त कर अतिक्रमियों को अतिक्रमण नहीं करने की सीधी हिदायत दी गई।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि त्यौहारी समय को देखते हुए उदयपुर शहर में सार्वजनिक सड़कों से अतिक्रमण हटाने का विशेष अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत मंगलवार को हिरण मंगरी सेक्टर 3 कनक हॉस्पिटल के सामने सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण कर करीब 500 वर्गफीट क्षेत्र में टेंट लगाकर अवैध रूप से केपी राखी बाजार लगाया गया, प्रीति पत्नी भूपेन्द्र द्वारा लगाये गये उक्त राखी बाजार के टेंट को हटा टेंट के लोहे के स्ट्रक्चर को जब्त किया गया। उक्त टेंट अभिषेक टेन्ट हाउस हिरण मंगरी सेक्टर 4 से किराये पर लगवाकर राखी बाजार सड़क पर लगाया गया था। अतिक्रमण मामले में प्रीति व टेन्ट मालिक के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने बताया कि सुभाष चौक के पास अहमदाबादी जायका फ्राई सेन्टर द्वारा नगर निगम की अनुज्ञा के बिना मांसाहार विक्रय किया जा रहा था। इसी के साथ सार्वजनिक सड़क पर भी अतिक्रमण किया गया था जिसकी शिकायत मिलने पर कार्यवाही की गई। अफसर आलम के अहमदाबादी जायका फ्राई सेन्टर दुकान के बाहर सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण कर रखी गई पांच गैस की टंकी, दो स्टील काउन्टर, एक लोहे का काउन्टर, एक लोहे की कड़ाही, एक गैस भट्टी जब्त की गई। आयुक्त ने विशेष तौर पर सभी मांसाहार विक्रेता को नगर निगम से अनुज्ञा प्राप्त कर ही व्यवसाय करने की अपील की है।

नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने शहरवासियों से एक बार फिर सार्वजनिक स्थान पर अतिक्रमण नहीं करने की अपील की है। आयुक्त के कहा कि विगत कुछ समय से त्योहारों के समय सार्वजनिक सड़क पर टेन्ट लगाकर मिठाई के काउन्टर लगाने, पटाखे बेचने का काउन्टर लगाने, राखी बाजार लगाने का प्रचलन बढ़ा है। किराये पर टेंट लगाकर सड़क पर अतिक्रमण कर व्यवसायिक गतिविधिया की जा रही हैं। सार्वजिनक सड़क पर टेन्ट लगाकर व अन्य तरिके से अतिक्रमण से आम जनता को त्योहारों के समय यातायात बाधित होने से परेशानी का सामना करना पड़ता है। त्योहारों के समय आम जनता का आवागमन अधिक रहने से सड़कों पर यातायात का दबाव रहता है। त्योहारों के समय नगर निगम द्वारा सार्वजनिक सड़कों पर टेन्ट लगाकर व अन्य तरिके से व्यवसाय करने की कोई स्वीकृति /अनुज्ञा नहीं दी जाती हैं।

कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने टोंक में इंडोर स्टेडियम को जायजा लिया

■ धन्ना तलाई इलाके में बन रहे वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण काय भी देखे

टोंक। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने मंगलवार को टोंक शहर में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। टोंक के खेल स्टेडियम में बने सिंथेटिक ट्रेक और इंडोर स्टेडियम का जिला कलेक्टर ने जायजा लिया। ट्रैक का अवलोकन करने के बाद उन्होंने इसे जिले के लिए एक उपलब्धि बताते हुए कहा कि शेष निर्माण कार्यों को यथाशीघ्र पूरा किया जाएं। जिले में पंच गौरव में खेल के रूप में एथलेटिक्स का चयन किया गया है। खिलाडियों की प्रतिभाओं को निखारने में सिंथेटिक ट्रैक और इंडोर स्टेडियम महत्वपूर्ण साबित होगा। इसके बाद जिला कलेक्टर ने टोंक शहर का भ्रमण करते हुए धन्ना तलाई इलाके में बन रहे वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों का अवलोकन कर उसकी कार्य प्रणाली को नगर परिषद के अभियंताओं से समझा। जिला कलेक्टर ने अभियंताओं को गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि यहां के लोगों को जल भराव और बदबूदार पानी की दुर्गंध से निजात मिल सके। इस दौरान जिला कलेक्टर को धन्ना तलाई निवासी अकबर खान ने आमजन की परेशानियों के बारे में अवगत कराया, वहीं जिला कलेक्टर ने धन्ना तलाई स्थित सालों पुरानी नहर का भी जायजा लेकर सफाई कराने के निर्देश दिए, उन्होंने तालाब तेलियान में किये गए कार्यों का भी अवलोकन किया। इसी क्रम में जिला कलेक्टर ने डिपो क्षेत्र में स्थित अन्नपूर्णा रसोई में अचानक पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने रसोई में बैठकर भोजन किया एवं रसोई संचालक को सब्जी की गुणवत्ता में सुधार करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने रसोई संचालक से प्रतिदिन भोजन करने वाले लोगों की संख्या, रसोई परिसर एवं बर्तनों की साफ-सफाई, भोजन का मेन्यू को लेकर जानकारी ली, तथा आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम रामरतन सौंकरिया, उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया, नगर परिषद के अभियंता फतेह सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

कलेक्टर कल्पना अग्रवाल ने मंगलवार को टोंक शहर में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया ।

कर्मचारियों का प्रदर्शन

दौसा। पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पर विभागीय दमनात्मक कार्यवाही के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री के नाम एक संबोधित एक ज्ञापन जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सौपा। संगठन के जिलाध्यक्ष नन्दलाल मीना ने बताया कि यह विरोध राज्यव्यापी आंदोलन के पहले चरण का हिस्सा हैए जिसमें पूरे राजस्थान में ज्ञापन दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2013 में हुई कनिष्ठ लिपिक ऽर्ती के दस्तावेजों की बार.बार जांच कर कर्मचारियों को अनावश्यक रूप से मानसिक रूप से प्रता?ित किया जा रहा है। इसके विरोध में संबंधित आदेशों को तत्काल प्रऽाव से रद्द करने की मांग की गई है। ज्ञापन में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष एवं अन्य प्रतिनिधियों पर की गई दमनात्मक कार्रवाई को ऽी तत्काल वापस लेने की मांग की गई है।

साथ ही मंत्रालयिक कर्मचारियों का कैडर रिव्यूए स्पष्ट कार्य विऽाजन और लंबित समस्याओं के स्थायी समाधान की ऽी मांग की गई। इस दौरान पंचायतीराज विऽाग के कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी करते हुए विऽागीय रवैये के प्रति नाराजगी जताई।

सार-समाचार

गौरांगी राष्ट्रीय विजेताओं में शामिल

करौली । श्री कैलादेवी मन्दिर ट्रस्ट सीनियर सैकेंडरी स्कूल कैलादेवी की छठवीं कक्षा कि छात्रा गौरांगी जादौन को इण्डियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हैरिटेज द्वारा भारत के आकर्षक शिरोवस्त्र विषय पर चित्रांकन व लेखन प्रतियोगिता के राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं में शामिल किया गया है। भारतीय सांस्कृतिक निधि इंटैक चैप्टर के विरासत शिक्षा एवं संचार सेवा प्रभारी राजेन्द्र दीवान ने बताया कि विरासत क्लब की समाचार पत्रिका द्वारा भारत के आकर्षक शिरोवस्त्र विषय पर विशेषांक के लिए विरासत क्लब के विद्यार्थियों से प्रविष्टियां आमंत्रित की थीं जिसमें गौरांगी ने राजस्थान और गुजरात के रेगिस्तानी इलाकों में पहने जाने वाले रंगबिरंगे साफे का चित्रांकन किया था और उसके उपयोग, आवश्यकता आदि के बारे में लेखन किया था।इंटैक चैप्टर करौली के कन्वीनर पूर्व नरेश कृष्णचंद्र पाल व को कन्वीनर राव शिवराज पाल ने इस उपलब्धि पर छात्रा तथा संस्था प्रधान को बधाई दी है।

बालमुकुंद आचार्य को तुलसी पौधा भेंट

पावटा। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनसंख्या समाधान फाऊंडेशन के राष्ट्रीय सह संयोजक पवन शर्मा जवानपुरा ने हवामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य को तुलसी का पौधा भेंट कर घर घर तुलसी अभियान की शुरुआत की। स्वामी बालमुकुंद आचार्य ने कहा तुलसी घर परिवार और मन को पवित्र रखती है सभी को अपने निवास स्थान एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर तुलसी का पौधा अवश्य लगाना चाहिए।

संविदा पर नौकरी देने की मांग

दौसा । अखिल भारतीय बैरवा महासभा के पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को ज्ञापन सौपकर राजकीय जिला चिकित्सालय में इलाज के दौरान युवक की मौत के मामले की निष्पक्ष जांच कराने, मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने और एक परिजन को संविदा पर नौकरी देने की मांग की।

महासभा के जिला अध्यक्ष बाबूलाल बैरवा ने बताया कि 13 जुलाई को सिंगवाडा निवासी राकेश बैरवा को जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था। आरोप है कि वहां कार्यरत मेडिकल स्टाफ और चिकित्सा अधिकारियों की लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई।

उन्होंने कहा कि लापरवाही की पुष्टि के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। ज्ञापन में मांग की गई कि जिला प्रशासन द्वारा एक जांच समिति गठित कर पूरे मामले की निष्पक्षता से जांच करवाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई हो। इसके साथ ही पीडि त परिवार को मुख्यमंत्री सहायता कोष या अन्य योजनाओं के तहत अधिकतम मुआवजा राशि प्रदान की जाए। महासऽा ने यह ऽी मांग रखी कि मृतक के पोस्टमार्टम के दौरान लिया गया विसरा शीघ्र जांच के लिए ऽेजा जाए और रिपोर्ट जल्द उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही 13 जुलाई को प्रशासन द्वारा किए गए समझौते के अनुसार पीडित परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी दिलाई जाए। इस दौरान महासऽा के महामंत्री धन्नालाल बैरवाए कोषाध्यक्ष कानाराम बैरवाए तहसील अध्यक्ष एडवोकेट जगजीवन राम बैरवाए जिला परिषद सदस्य कल्याण सहाय गोठवालए बाबूलाल बैरवा गणेशपुराए रामेश्वर प्रसाद बैरवा सिंगवा?ाए मृतक के पिता रामलाल बैरवा सहित एडवोकेट विनोद बैंदाडाए एडवोकेट रामकेश बैरवाए एडवोकेट रामोतार बैरवा व अन्य समाजजन मौजूद रहे।

'भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरुक करें'

टोंक। जिले में भ्रष्टाचार के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टोंक द्वारा पीपलू कस्बे में जन जागरूकता एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल यादव व मोहम्मद जुनेद उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आमजन व युवाओं को भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूक करना और सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढावा देना रहा, जनसंवाद के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबरमल यादव ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की कार्यप्रणाली, आय से अधिक संपत्ति, पद के दुरुपयोग ,ट्रैप कार्रवाई, आकस्मिक चेकिंग की प्रक्रिया, रंगे हाथ पकड़ना की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आमजन किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार की शिकायत टोल फ्री नंबर 1064 या व्हाट्सएप हेल्पलाइन के माध्यम से कर सकते हैं। साथ ही उपस्थित लोगों से आग्रह किया कि स्वयं जागरूक बने ।

चाचा ने ही की थी 5-साल के मासूम भतीजे की हत्या

अलवर । खैरथल के सरायकला गांव में 5 साल के मासूम लोकेश की हत्या उसी के चाचा ने की थी। पुलिस ने 48 घंटे में मामले का खुलासा कर आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना मुंडावर थाना क्षेत्र 19 जुलाई(शनिवार) को हुई, जहां पारिवारिक कलह के चलते एक चाचा ने भतीजे की गला दबाकर हत्या कर दी और उसके शव को चारे के ढेर में छिपा दिया था।

मुंडावर थाना प्रभारी महावीर सिंह शेखावत ने बताया- 19 जुलाई(शनिवार) को दोपहर 12:30 बजे सूचना मिली कि थाना क्षेत्र के सरायकला गांव में 5 साल का बच्चा लोकेश पुत्र बिंटू प्रजापत लापता है। सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और बच्चे की तलाश शुरू की।

इस दौरान गांव के 50-60 लोग इकठ्टा हो गए और हर घर में सर्च अभियान चलाया। रात 8 बजे बिंटू घर के पास खंडहरनुमा हवेली में बच्चे की तलाश करने पहुंचे तो एक जगह पर चारे का ढेर था, जब उसे चेक किया तो उसी में मासूम की बॉडी मिली।

पुलिस ने बताया- 20 जुलाई को बच्चे के पिता ने मुंडावर थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया। जांच में पता चला कि बच्चे को आखिरी बार उसके चाचा मनोज प्रजापत (26) के साथ देखा था। पूछताछ में सामने आया कि लोकेश और उसकी बहन देवांशी (7) को मनोज ने पैसे देकर बीडी का पैकेट और उनके लिए कुरकुरे लाने के लिए कहा। सामान लाने के बाद देवांशी घर के अंदर आ गई। जबकि लोकेश लापता था।

पुलिस ने 21 जुलाई को मनोज को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसमें सामने आया कि मनोज ने ही अपने भाई बंटू के बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को चारे में छिपा दिया।

जांच में सामने आया कि आरोपी मनोज की पत्नी लोकेश की सगी मौसी है, वह मनोज की नशे की आदतों से परेशान होकर 15 दिन पहले पीहर चली गई थी। पत्नी को वापस घर बुलाने के लिए मनोज ने अपनी भाभी (लोकेश की मां) पर मानसिक दबाव बनाने की योजना रची और भतीजे की हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया- मनोज की 9 साल पहले शादी हुई थी। उसका एक बेटा और एक बेटी है। मनोज बल्लूवास (मुंडावर) में बाइक रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। वहीं बंटू सरायकला में बाइक रिपेयरिंग की दुकान चलाता है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

नाम परिवर्तन

पहले मेरा नाम विनोद कुमार था जिसे बदलकर मैंने विनोद कुमार मुद्गल रख लिया है। भविष्य में मुझेमेरे नये नाम विनोद कुमार मुद्गल पुत्र श्री रामेश्वर प्रसाद मुद्गल के नाम से जाना जावें। निवासी 4, न्यू जोशी कॉलोनी, गौरव पब्लिक स्कूल वाली गली, ब्रह्मपुरी, जयपुर।

मैंने अपना नाम वृंदा शांडिल्य (VRINDA SHANDILYA) से बदलकर वृंदा शांडिला सौंकिया (VRINDA SHANDILYA SONKIYA) रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम वृंदा शांडिला सौंकिया (VRINDA SHANDILYA SONKIYA) पुत्री श्री राजीव शर्मा के नाम से जाना जावे। निवासी प्लॉट नं. एच-24, तुलसी मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016

मैंने अपना नाम मोहम्मद आसिफ (MOHAMMED ASIF) से बदलकर मोहम्मद आसिफ (MOHAMMAD ASIF) रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम मोहम्मद आसिफ (MOHAMMAD ASIF) पुत्र श्री मोहम्मद हुसैन के नाम से जाना जावें। निवासी मकान नम्बर बी-6 कृष्णा कॉलोनी, पुष्पा मार्ग, रामगढ मोड, जयपुर

मैं सुनील कुमार जैन पत्नी प्रीतु जैन मेरे पुत्र धैर्य जैन की दसवी की मूल अंकतालिका में गलती से सुनील जैन पत्नी प्रीति जैन नाम अंकित हो गया है। जबकि सही नाम प्रीतु जैन व सुनील कुमार जैन ही है। अत भविष्य में हमें इसी नाम से जाना पहचाना जावें।

I Kum. Kiran Kumari chohan R/o. Address: 865, Devi Nagar, New Sangner Road, Jaipur 302019, Rajasthan has changed my Name from Kum. Kiran Kumari Chohan to Kiran Kanwar for all future purposes.

I have changed my name from Ratnakar Arya to Ratnakar Deo Arya S/o Krishna Chandra Arya for all purpose. Resi. D-64, Near SDM Court, Mohan Nagar, Hindaun-322230

I Dheerajpal S/o Dharmpal Godara R/o Gram Post Charla Teh. Sujangarh, Charla, Charla, Churu, Rajsthan-331517, have changed my name to Dheeraj Choudhary

I KM Lata Jeena, D/o Rajendra Singh jeena Resi-VPO-Birgoli, Tehsil-Pithoragarh Uttrakhand. have changed my Name from KM Lata Jeena to Lata Jeena. vide Affidavit dated 22.07.2025 before High Court, Jaipur.

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य रामगोपाल कुमावत पुत्र वंशीधर निवासी बी-16, कल्याणपुरी, गोविन्दपुरा कालवाड रोड, जयपुर का है। मेरे अभिभाष्य के पुत्र नरेन्द्र कुमावत एवं रामनारायण कुमावत एवं इनकी पत्नीयॉ मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं है तथा मेरे अभिभाष्य के प्रति जिम्मेदारीयां नहीं निभाते है। इस कारण मेरे अभिभाष्य ने अपनी स्वयं की अर्जित चल व अचल सम्पत्ति एवं घर से दोनों पुत्रों व उनकी पत्नीयों को बेदखल कर दिया है जो कोई भी व्यक्ति या संस्था आदि इनसे किसी भी प्रकार का संव्यवहार करेगा तो स्वयं जिम्मेदार होगा मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सूचित रहे।
जयपुर (शमशेर पठान), एडवोकेट
दिनांक-22.07.2025 मो. 9928370876

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक सम्पत्ति प्लाट नं. ई-68, योजना जानकी विहार, ग्राम गिरधारीपुरा, जयपुर में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 112.72 वर्गगज है, जिस पर मेरे अभिभाष्य रोहित पिल्लई की माता श्रीमती गीता ने एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त सम्पत्ति के समस्त असल दस्तावेज एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखे हैं। यह कि रोहित पिल्लई की माता श्रीमती गीता का दिनांक 24.11.2023 को स्वर्गवास हो गया तथा उक्त सम्पत्ति के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब मेरे अभिभाष्य उक्त सम्पत्ति के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहता है तथा उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज मेरे अभिभाष्य रोहित पिल्लई को दिए जाते है यदि इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथी से सात दिवस तक की अवधि में मेरे कार्यालय में सम्पर्क करें। उक्त अवधि गुजर जाने के पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सूचित रहे।
दिनांक-22/7/25 केदार राम, एडवोकेट
मो-9460943434, 9799170016

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर सार्वजनिक सूचना/ विज्ञप्ति
क्रमांक: जविप्रा/उपा/जोन-4/2025/डी-5751 दिनांक: 17.07.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री किशोर कुमार शर्मा एवं श्रीमती मौनिका शर्मा पत्नी श्री राहुल शर्मा द्वारा जयपुर इण्डस्ट्रीयल स्टेट गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना आदिनाथ नगर के भूखण्ड संख्या: एस-108 का नाम हस्तान्तरण करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में पूर्व में इस कार्यालय द्वारा जयपुर इण्डस्ट्रीयल स्टेट गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना आदिनाथ नगर के भूखण्ड संख्या एस-108, क्षेत्रफल 236.37 वर्गगज का पट्टा श्री मोहित कुमार पुत्र श्री एन. के. कुलश्रेष्ठ के पक्ष में क्रमांक 695 दिनांक 16.09.2005 को को जारी किया गया, जिसे उप पंजीयक जयपुर प्रथम के यहां दिनांक 29.09.2005 को पंजीबद्ध करवाया गया। श्री मोहित कुमार पुत्र श्री एन. के. कुलश्रेष्ठ द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 16.05.2024 के द्वारा उक्त भूखण्ड को श्री शौर्य रॉय पुत्र श्री संजोय रॉय को बेचान कर दिया गया। तत्पश्चात् श्री शौर्य रॉय पुत्र श्री संजोय रॉय द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 08.05.2025 के द्वारा उक्त भूखण्ड को श्री राहुल शर्मा पुत्र श्री किशोर कुमार शर्मा एवं श्रीमती मौनिका शर्मा पत्नी श्री राहुल शर्मा को बेचान कर दिया गया। उक्त संबंध में आवेदकगण द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदकगण के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण पत्र जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदकगण के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। उपायुक्त जोन-04, जविप्रा, जयपुर।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 27/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री उमरावलाल सैनी पुत्र श्री श्यो सहाय सैनी, निवासी 5/77 ब्लॉक डी अपना घर शालीमार अलवर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत मत्स्य स्पोर्टस ऐकेडमी समिति, डी-5/77 अपना घर शालीमार, अलवर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 22.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 26.09.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

चोर गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी द्वारा गठित विशेष टीम द्वारा थाना सदर टोंक में दर्ज प्रकरण में वारदात करने वाले आरोपी जो न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे थे, जिनको प्रॉडक्शन वारंट पर अनुसंधान के बाद आरोपी रोहित पुत्र श्योनारायण गुर्जर उम्र 19 साल, कन्हैया पुत्र गंगाराम बैरवा उम्र 22 साल व अजय बैरवा पुत्र बाबुलाल बैरवा उम्र 22 साल निवासी चन्दलाई थाना सदर टोंक को गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी किये ट्रेक्टर को बरामद किया।

खोया पाया

मेरे स्वामित्व में प्लाट नंबर A-371 मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर है जिसका JDA पट्टा जो कि प्रेमलता शर्मा धर्मपत्नी ओमप्रकाश शर्मा के नाम से है उक्त प्लाट का JDA पट्टा मय स्टांप कहीं गिर गया मिलने पर सूचित करें सलीम जावेद नागरा 9413970188

निजी खातेदारी की आवासीय योजना-कनक वृन्दावन, ब्लॉक सी, ग्राम सिरसी जयपुर के आवासीय भूखण्ड संख्या सी-022, का जविप्रा द्वारा जारी अपंजीकृत मूल पट्टा, साईट प्लान, रसीदे तथा पट्टे के साथ संलग्न स्टॉम्प पेपर इत्यादि समस्त मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। अनुप्रिया सिंह-मोबाईल नम्बर 8750052381

मेरे मकान नम्बर 6/179 मालवीय नगर, जयपुर का मूल अलाटमेंट लेटर + 7 डेज + पजेशन लेटर + जमा की रसीद + अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें। कैलाश चन्द शर्मा-9351413129

जयपुर विकास प्राधिकरण की योजना देव विहार जयपुर के भूखण्ड सख्या डी/176 का मूल आवटन पत्र, कब्जा पत्र एवं जमा रसीद कही गुम हो गए है सूचित करे सुमन देवी मो-9950722286

गांव रामपुरा में पानी निकासी न होने से ग्रामीण दुखी

■ सड़क पर पूरी तरह से पानी फैल गया है। ग्रामीणों, राहगीरों व स्कूली विद्यार्थियों का आना जाना दूभर हो गया है।

पावटा। सरकार ग्रामीण इलाकों में विकास का जितना भी दावा कर ले, लेकिन ऐसा लगता है कि विकास सीमांचल के इन इलाकों से अभी भी कोसों दूर है।

उपखंड पावटा के रामपुरा गांव में मानसून की बारिश ने ही विकास के दांवों की पोल खोल दी है। बारिश के पानी की निकासी नहीं होने से गांव में जलजमाव हो गया है। सड़क पर पूरी तरह से पानी फैल गया है। ग्रामीणों, राहगीरों व स्कूली विद्यार्थियों का आना जाना दूभर हो गया है।

ग्रामीणों की मानें, तो यहां के लोगों को इसी जलजमाव के बीच अपना जीवन गुजारना होगा। अगर यही हालात रहे तो लोगों को डर है कि गांव में महामारी फैल सकती है। ठामीणों का कहना है कि अभी बरसात का पूरा सीज़न बाकी ही है।

अभी से ही जलजमाव की यह स्थिति है, पता नहीं आगे क्या होगा। अगर बारिश के पानी की निकासी का कोई इंतजाम प्रशासन नहीं करेगा तो अगले चार माह ऐसे ही जलजमाव रहेगा। पानी आंगन तक में घुस गया है। यहां के लोगों के लिए जलजमाव ही समस्या नहीं है, बल्कि उसमें मौजूद गंदगी से बीमारी फैलने का डर लोगों को सता रहा है।

ग्रामीण चेतन शर्मा, बहादुर मुकदम, इंद्राज पायलट, मनोज मीणा, नरेश वर्मा, जितेश, सुभाष गुर्जर, महेश गुर्जर, बिंदु शर्मा, अशोक गुर्जर ने बताया कि गांव के सभी मुख्य रास्ते पानी से भरे हुए हैं बहुत बार पंचायत और पंचायत समिति में भी बताया जा चुका है लेकिन कोई समस्या का समाधान नहीं हो रहा है स्कूल बच्चों को ओर बुजुर्ग लोगों को आने जाने में बहुत परेशानी होती है साथ ही मौसमी बीमारियों का भी सामना करना पड़ रहा है यदि इसका जल्दी समाधान नहीं किया गया तो पंचायत समिति में धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

जब तक प्रशासन नहीं चाहेगा, तब तक इस समस्या से गांव के लोगों को निजात नहीं मिलेगी।

शिविर का भंडारे के साथ समापन

पावटा। सावन की शुरुआत होते ही निकुंज सिटी ग्रांउड सफायर आर बी एल बैंक के पास जैनपुरबास में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कांवड यात्रियों के लिए बाबा भूतनाथ कावड सेवा संघ पावटा द्वारा आठवें शिविर का संगीतमयी सुंदरकांड व भंडारे के साथ मंगलवार को समापन हुआ। बाबा भूतनाथ कांवड सेवा संघ पावटा द्वारा आयोजित शिविर में गंगोत्री व हरिद्वार से गंगाजल लेकर आ रहे शिवभक्तों के लिए निशुल्क भोजन,निवास तथा दवाईयों की व्यवस्था की गई है। जिसमें सभी सभी धर्म-वर्गों के लोगों ने भाग लिया। इस दौरान अशोक सिंह शेखावत, जगदीप धनकड, गोविंद सैनी, नीरज सैन, सुभाष यादव, पंकज जिंदल, सीए रमन सैनी, ब्रजेश तिवारी, डॉ. सुरेन्द्र यादव, जीतू हुल्डा, डॉ. दानवीर, रणजीत यादव, रोहिताश यादव, भीमसिंह राठी, लोकेश टांक, निलेश चौधरी, रामकरण राठी, राहुल सिंघल, देवकरण घांघल, दिलीप राणा, कृष्ण घांघल, राहुल गोयल, पुष्पेंद्र सिंह सहित बडी संख्या में शिव भक्त एवं कमेटी कार्यकर्ताओं ने बताया कि 17 जुलाई को शिविर का शुभारम्भ किया गया था। श्रावण मास में बडी संख्या में शिव के भक्त भोले को जल चढ़ाने के लिए दूर-दूर से कावड लाते है।

291 शिविरों में हुए आम जन के कार्य

अलवर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशन में जिले के गांवों में ठामीणों के एक ही स्थान पर मूलभूत कार्यों को संपादित कराने हेतु आयोजित पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाडे के शिविरों में 18 विभागों द्वारा 75 से अधिक प्रकार के कार्य मौके पर ही किए गए। साथ ही आमजन को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से भी जोडकर लाभांवित कराया गया।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि अन्त्योदय पखवाडे के तहत जिले में आयोजित 291 कैम्पों में आमजन के कार्य हाथों-हाथ कर राहत प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि शिविरों में राजस्व विभाग के द्वारा सीमाज्ञान के 527 प्रकरण, पत्थरगढ़ी के 166 प्रकरण, कुरैजात रिपोर्ट के 124 प्रकरण, नामान्तकरण रिपोर्ट में स्वत: नामान्तकरण के 417 प्रकरण, भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135(2) के 8 प्रकरण एवं अतिरिक्त शेष रहे नामान्तकरण के 3049 प्रकरण, रास्तों के 551 प्रकरण, आपसी सहमति से बटवारें के 183 प्रकरण, बजट घोषणाओं के लम्बित भूमि आवंटन के प्रस्ताव तैयार करने के 15 प्रकरण तथा अप्रयुक्त विभागीय भवनों व भूमि का उपयोग एवं आंवटन करने के 4 प्रकरण निस्तारित किये गये। इसके अलावा जिला कलक्टर, एडीएम, एसडीएम सहायक कलक्टर एवं तहसीलदार कोर्ट संबंधी 215 पत्रावलियां प्रेषित की गई तथा 195 नोटिस तामील करवाए गए। साथ ही राजस्व मण्डल द्वारा तलब 183 अभिलेखों व पत्रावलियों को प्रेषित किया गया।

इसी प्रकार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा 70 यूडीआईडी कार्ड जारी, 3550 व्यक्तियों का पीएमजेएवाई के तहत ई-केवाइसी करना, पीएमजेएवाई के 905 कार्ड का वितरण, पीएमवीवीवाई योजनान्तर्गत 452 का पंजीयन, 10365 व्यक्तियों की टीबी रोग पहचान हेतु स्क्रीनिंग करना, 301 टीबी रोगियों को निक्षय पोषण किट का वितरण, 1837 गर्भवती महिलाओं की आरसीएच-एएनसी जॉच करना, 1802 बच्चों का आरसीएच टीकाकरण, 32716 एनसीडी ओपीडी पंजीकरण करना, 20190 व्यक्तियों (30 वर्ष से अधिक) की एनसीडी स्क्रिनिंग करना तथा एनसीडी स्क्रिनिंग के पश्चात 2800 बीपी/शूगर के संभावित रोगी मिले।

कावड़ियों की भव्य शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत

पावटा। कस्बे पावटा से पवित्र गंगाजल लेने के लिए गंगोत्री व हरिद्वार गए कांवड़ियों के आगमन पर बाबा भूतनाथ जोहडा धाम पावटा मंदिर महंत जयराम दास महाराज के सानिंध्य व बाबा भूतनाथ जोहडा धाम पावटा कमेटी के नेतृत्व मे मंगलवार को पावटा कस्बे में निकली भव्य शोभायात्रा का जगह-जगह जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों, महिलाओ व ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में बाबा भोले व कांवडियों की शोभायात्रा व आगे आगे चल रहे ढप व डीजे पर चल रहे बाबा भोले के भजनों ने लोगों को मंत्र-मुग्ध कर दिया। शोभायात्रा बैण्ड-बाजों एवं झांकियों के साथ एक जुलूस के रूप में शिव शक्ति कावड संघ पावटा आयोजक राजेश शर्मा द्वारा लगाए गए शिविर से सुबह 10.30 बजे प्रारंभ हुई ज्यों कि पावटा कस्बे के मुख्य मार्गो से भ्रमण करती हुई बाबा भूतनाथ जोहडा धाम पावटा मंदिर परिसर में संपन्न हुई। इस दौरान पावटा तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष व भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा, पूर्व सरपंच व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल अठावाल, सियाराम का वाले, बनवारीलाल यादव, शिवपाल राठी, काशीराम लंबोर नगरवासियों द्वारा जगह जगह पुष्प वर्षा कर उत्साहपूर्वक कावडियो का स्वागत किया गया।

पावटा में कांवडियों का स्वागत सत्कार किया।

अग्रवाल पार्टी से निलंबित

अलवर। कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा ने पार्टी विरुद्ध गतिविधि करने के आरोप में अलवर से विधायक प्रत्याशी रहे पूर्व नगर परिषद चेयरमैन अजय अग्रवाल को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 साल के लिए निलंबित कर दिया है।

अग्रवाल का कहना है की वे राष्ट्रिहत में अपने विचार प्रकट करने में स्वतंत्र है और कांग्रेस जिला अध्यक्ष योगेश मिश्रा को यह नहीं स्वीकारा कि मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अलवर सांसद केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की तारीफ जो कर दी। कांग्रेस पार्टी में चमचागिरी की राजनीति है और मुझसे चमचागिरी आती नही जिसके लिए मुझे पार्टी से निकाला गया जबकि यह अधिकार जिला अध्यक्ष के पास नहीं है। अजय अग्रवाल जब नगर परिषद के चेयरमेन बने तो उन्होंने शहर की सूरत ही बदल दी चारो तरफ सफाई का आलम बाजारों में रात्रिकालीन सफाई करवाने की जो परिपाटी उन्होंने चलाई थी।

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर।
क्रमांक :- जसअ / 2025 / 146 दिनांक: 21.07.2025
ई- निविदा सूचना संख्या 164-168/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यो की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं।
SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB01077 to UBN No. JMC2526WSOB01081
अधिशाषी अभियन्ता
मुरलीपुरा जोन
राज.संवाद / सी / 25 / 6675 नगर निगम ग्रेटर जयपुर।

कार्यालय ग्राम पंचायत, सोवा, पंचायत समिति नोखा
क्रमांक:-ई-निविदा/2025-2026/20-24 दिनांक:-18/7/2025
(ई-निविदासूचना01/2025-26)
ग्राम पंचायत सोवा के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोवा के लिए वित्तिय वर्ष 2025-2026 (निविदा प्रभावी होने की दिनांक से 31.03.2026 तक मनरेगा एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की समस्त योजनाओं में प्रयुक्त होने वाली समस्त निर्माण सामग्री की आवश्यकता सम्भावित हैं। विभिन्न सामग्री का विस्तृत विवरण विभागिय वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त सामग्री की आपूर्ति हेतु वाणिज्य कर विभाग से राजस्थान जीएसटी अधिनियम 2017 के अन्तर्गत 2017 के अन्तर्गत पंजीकृत फर्मों/संवेदकों से दर अनुबन्ध करने हेतु UBN NO. के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
UBN NO. 1.PCP2526GLDBOO112
2. PCP2526GLOBOO113
ग्राम पंचायत सोवा ग्राम विकास अधिकारी
पं.सं.नोखा (बीकानेर) पंचायत समिति नोखा(बीकानेर)

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

संक्षिप्त

पूर्व उपमत्री बैरवा की पुण्यतिथि मनाई

टोंक। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री स्व. बनवारी लाल बैरवा 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यालय के बस स्टैंड स्थित प्रतिमा पर कांग्रेसजनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बैरवा की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमनअर्पित किए। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि दिग्गज कांग्रेसी नेता जिन्होंने विभिन्न पदों पर रहते हुए प्रदेश की सेवा की है, ऐसे व्यक्तित्व जो विधायक से लेकर सांसद मंत्री और राज्य के उपमुख्यमंत्री रहे, उन्होंने अपना पूरा जीवन सादगी से इसी प्रकार निवाई के डाक बंगले में भी बनवारी लाल बैरवा की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, कार्यक्रम के अन्तर्गत हरि कीर्तन किया गया तथा इस मोके पर हाफिज सिबगतुल्लाह मजाहिरी ने कुरान भी पढी। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, पूर्व विधायक कमल बैरवा, पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा और नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने स्व. बैरवा के जीवन पर प्रकाश डाला। बाद में सभी ने स्वर्गीय बनवारी लाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

विवाह पंजीकरण पर कार्यशाला

चौरु/उनियारा। अलीगढ़ पंचायत समिति सभागार में एक दिवसीय जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण की कार्यशाला का हुआ आयोजन,जिला रजिस्ट्रार (जन्म मृत्यु) एवं उपनिदेशक आर्थिक तथा सांख्यिकी विभाग हनुमान मीणा की अध्यक्षता में कार्यशाला का किया गया आयोजन,आयोजित कार्यशाला में सहायक सांख्यिकी अधिकारी राजेंद्र सैनी ने पीपीटी के माध्यम से पहचान पोर्टल पर आने वाली समस्या, आज दिन तक हुए संशोधनों के बारे में दी विस्तार से जानकारी,इस दौरान ब्लाक सांख्यिकी अधिकारी बनवारी लाल धाकड़, अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार (जन्म मृत्यु), विकास अधिकारी शंकर लाल मेघवाल,पंचायत प्रसार अधिकारी मदन लाल रैगर सहित सांख्यिकी कार्मिक तथा उनियारा ब्लाक के समस्त रजिस्ट्रार/उप रजिस्ट्रार मौजूद रहे ।

टोंक में मंत्री रावत की मौजूदगी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीपल, कदम के पेड़ लगाए

■ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

टोंक। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में राजस्थान के जलसंसाधन मंत्री सुरेश रावत का टोंक आगमन पर मुख्यालय स्थित शीतल होटल पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया, इस मौके पर मंत्री रावत ने हरियालो राजस्थान अभियान के एक पेड़ मा के नाम अभियान के तहत निजी महाविद्यालय में वृक्षारोपण की शुरुआत की। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा कदम, शहतुत, पीपल, सहित 101 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि वृक्ष हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग हैं, पेड़ ही जीवन है, पेड़ पौधों के बगैर जीवन की परिकल्पना भी नहीं की जा सकती है, वृक्ष लगाने के साथ-साथ उनकी रक्षा करना भी आवश्यक हैं। इस दौरान जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि पेड़ पौधे प्रकृति के अनमोल आभूषण होते हैं, पेड़ पौधों से ही मनुष्य का जीवन चलता है। प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण का करना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वन पर्यावरण कार्यक्रम जिला संयोजक सत्यनारायण चौधरी, राजेन्द्र पराना, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, मनीष सिसोदिया, पंकज पहाड़िया, सहित अन्य कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान के जलसंसाधन मंत्री सुरेश रावत के टोंक आगमन पर भव्य स्वागत किया।

सार-समाचार

न्यायिक कर्मचारियों का प्रदर्शन

टोंक । न्यायिक कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया, इस मौके पर राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष के आह्वान पर विभिन्न मांगों को लेकर 5वें दिन मंगलवार को टोंक में न्यायिक कर्मचारियों ने रैली निकाल और प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। संगठन के प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि प्रदेशव्यापी अनिश्चितकालीन सामूहिक अवकाश पर टोंक न्याय क्षेत्र के सभी कर्मचारियों ने भी इस आंदोलन में भाग लिया है तथा मंगलवार को न्यायालय परिसर में आमसभा की गई। मांगों कर्मचारियो ने सामान्य संवर्ग और आशुलिपिक संवर्ग का कैडर पुनर्गठन राज्य सरकार की अधिसूचना 25 मई 2022 और 4 अक्टूबर 2022 के अनुसार किया जाए जो ढाई साल से पेंडिंग चल रहा है। न्यायिक कर्मचारियों ने मांगों को लेकर कलेक्टर कल्पना अग्रवाल को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा तथा कैडर पुनर्गठन को पूरी तरह लागू करने की मांग की।

लॉटरी का ड्रा 24 को

कोटपूतली। कृषि उपज समिति में ई-नाम के माध्यम से विक्रय करने तथा ई-भुगतान हेतु कृषकों को प्रेरित कर अधिकाधिक लाभ दिलाने के उद्धेश्य से राज्य सरकार व कृषि विपणन विभाग द्वारा राज्य की मंडी समितियों में कृषक उपहार योजना संचालित की जा रही है। जिसकी 01 जनवरी से 30 जून तक प्रथम 06 माह में गेट पास के आधार पर जारी कूपनों के ड्रॉ में प्रथम पुरूस्कार राषिं 25 हजार, द्वितीय पुरूस्कार 15 हजार व तृतीय पुरूस्कार 10 हजार रूपये इसी प्रकार ई-भुगतान के आधार पर जारी कूपनों के ड्रा में प्रथम पुरूस्कार राशि 25 हजार, द्वितीय पुरूस्कार राशि 15 हजार व तृतीय पुरूस्कार 10 हजार रूपये दिया जाता है। कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय द्वारा आगामी 24 जुलाई को दोपहर 01 बजे कूपनों की लॉटरी का ड्रा निकाला जायेगा।

4.93 करोड़ रुपये की ब्याज छूट दी

टोंक । जिला सहकारी भूमि विकास बैंक टोंक ने मुख्यमंत्री अवधिपार ब्याज राहत योजना 2025-26 में किसानों को बड़ी राहत दी है, इस मौके पर भूमि विकास बैंक के सचिव रवींद्र सिंह यादव ने बताया कि योजना के तहत बैंक ने 4.93 करोड़ की ब्याज छूट प्रदान करते हुए 263 प्रकरणों का निस्तारण किया। इस दौरान 7.76 करोड़ रुपये की वसूली सुनिश्चित की, उन्होंने बताया कि ऋणी किसान मूलधन राशि जमा करवाकर शत प्रतिशत ब्याज में छूट का लाभ उठा सकते है।

पदाधिकारियों की बैठक

दौसा । राजस्थान प्राथमिक माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियो की बैठक मंगलवार को आयोजन की गई । जिसमें सर्व सम्मति से हजारीलाल मीणा को दौसा का ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचि किया गया। राजस्थान प्राथमिक माध्यमिक शिक्षक संघ जिला शाखा दौसा के संरक्षक एन आर बालोत ने बताया कि विဝिन्न शिक्षक समस्याओं को लेकर संगठन के पदाधिकारीयों की मीटिंग का आयोजन आज शाम ओम सांई पब्लिक स्कूल ဝांकरी रोड दौसा में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से दौसा ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर हजारीलाल मीना को नियुक्त किया गया। जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश सिंह उमरवाल ने नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष को हार्दिक बधाई देते हुए सात दिवस में ब्लॉक की कार्यकारिणी गठित करते हुए संगठन हित में कार्य करने के निर्देश दिए। इस दौरान संगठन के सဝाध्यक्ष जागीरदार मीणाए वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरि सिंह काले?ाए उपाध्यक्ष डाल सिंह राजपूतए जिला कोषाध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जरए जिला प्रवक्ता अशोक ဝागोती सहित अनेक शिक्षक गण उपस्थित रहे।

एसडीआरएफ कार्यालय का निरीक्षण

भरतपुर (निस)। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित स्टोर रूम एवं एसडीआरएफ कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा आपदा राहत के दौरान बचाव के लिए उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली। जिला कलक्टर ने कहा कि कलेक्ट्रेट के स्टोर रूम को सुव्यवस्थित रखा जाकर उपलब्ध फाइलों एवं सामဝाी को श्रेणीवार विभाजित कर रखें।

3 वर्ष से फरार इनामी बदमाश पकड़ा

■ बाटोदा थाना पुलिस ने 3 वर्ष से फरार इनामी 2 लाख 25 हजार रुपए की साइबर ठगी करने के आरोपी को पकड़ा

बामनवास । सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देशन में बाटोदा थाना पुलिस ने 3 वर्ष से फरार 5 हजार का इनामी 2 लाख 25 हजार रुपए की साइबर ठगी करने के आरोपी शाहिद खान उर्फ साजिद खान उम्र 30 वर्ष निवासी गोठड़ा जिला अलवर को गंगापुर सिटी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया कि परिवादी शिक्षक चिंरजी लाल रैगर निवासी जाखोलास कला थाना बाटोदा ने मामलादर्ज कराकर अवगत कराया था कि 31 जुलाई 2022 को व्हाट्सएप मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया एवं उसके बाद न्यूड वीडियो व फोटो उनके नंबर पर आए, एक लड़की ने कॉल कर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर छवि खराब करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया एवं आरोपी ने पुलिस अधीक्षक बनकर फोटो वायरल करने एवं लड़की के सुसाइड केस में गिरफ्तार करने की धमकी देकर बेईमानी पूर्वक 2लाख25हजार रुपए प्राप्त कर लिए। इस मामले में मुख्य आरोपी शाहिद खान उर्फ साजिद खान जाति मेव पिछले 3 वर्ष से फरार चल रहा था, आरोपी की गिरफ्तारी पर जिला स्तर पर 5हजार का इनाम घोषित था, इस मामले को लेकर बाटोदा थाने में अपराध संख्या 174 /2022 अंतर्गत धारा 420, 120 बी, आईपीसी 67 आई.टी. एक्ट में दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले को लेकर बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में टीम में शामिल सवाई माधोपुर सेल के सहायक उप निरीक्षक अजीत सिंह मोगा, हैड कांस्टेबल हेमेंद्र पाल सिंह, कॉन्स्टेबल विजेंद्र सिंह, रामेश्वर सिंह, भजनलाल व यदुवीर सिंह की टीम ने मुखबिर तंत्र के आधार पर इनामी आरोपी का पीछा करते हुए गंगापुर सिटी में तूड़ी के धंधे के रुपए लेने आने की सूचना पर ईदगाह मोड़ के पास गंगापुर सिटी से दबोचने में सफलता हासिल की। इस आरोपी के खिलाफ पूर्व में हत्या के प्रयास का एक साइबर ठगी करएक्सटार्शन करने का भी मामला दर्ज था, इनामी आरोपी साजिद खान को अठिाम अनुसंधान कार्रवाई के लिए बामनवास थाना प्रभारी राकेश शर्मा को सुपुर्द किया ।

न्यायिक कर्मचारियों का धरना जारी

करौली । पुनर्गठन की मांग को लेकर न्यायिक कर्मचारियों का सामूहिक अवकाश मंगलवार को भी जारी रहा। इस दौरान न्यायालयों का कार्य पूरी तरह प्रभावित रहा। न्यायिक कर्मचारियों ने जिला न्यायालय परिसर में धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। राजस्थान उच्च न्यायालय की पूर्ण पीठ द्वारा राजस्थान के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों के पद पुनर्गठन का प्रस्ताव भेजा गया जो कि राज्य सरकार द्वारा अभी तक लागू नहीं किए जाने के कारण संपूर्ण राजस्थान के न्यायिक कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर है। मंगलवार को धरना स्थल पर संयोजक सुरेश जोशी, राजेंद्र गुप्ता, प्रांतीय प्रतिनिधि अरुण शर्मा, हरिओम सिंह, चंद्रदीप जैन, रामनिवास गुप्ता, भंवर सिंह,रहीश,लोकेश,बबलू, बालकृष्ण,रामफूल, गुलाब, राजेश गुप्ता, जगदीश, अजय, डिग्गी, राधेश्याम वर्मा, प्रकाश, सहित समस्त जिले के न्यायिक कर्मचारी उपस्थित रहे। पुनर्गठन की मांग को लेकर आज बुधवार को संपूर्ण जिला के न्यायिक कर्मचारी जिला मुख्यालय पर एकत्रित होकर जिला न्यायालय से कलेक्ट्रेट तक रैली निकालकर विरोध प्रदर्शन कर जिला न्यायधीश और जिला कलेक्टर को ज्ञापन देंगे।

ओपीडी की छत की पट्टियां टूटीं, नहीं हुई जनहानि

■ अस्थाई सपोर्ट से संभाला, पीएमओ ने बताया बजट का अभाव

■ अस्पताल में गंगापुर सिटी के साथ बामनवास, वजीरपुर, तलावडा, सपोटरा, नादौती और बाटोदा क्षेत्र के मरीज इलाज के लिए आते हैं।

गंगापुर सिटी । राजकीय जिला अस्पताल में सोमवार अस्पताल के आउटडोर (ओपीडी) की छत की 8-9 पट्टियां टूट गईं। गनीमत रही की पट्टियां नीचे नहीं गिरीं और घटना के समय ओपीडी में कोई मरीज मौजूद नहीं था। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए टूटी पट्टियों को गिरने से रोकने के लिए लकडी की बल्ली का सहारा लगाया है।

यह अस्थाई व्यवस्था की गई है। बारिश के कारण भवन में सीलन आ रही है और प्लास्टर भी जगह-जगह से गिर रहा है। अस्पताल में गंगापुर सिटी के साथ बामनवास, वजीरपुर, तलावडा, सपोटरा, नादौती और बाटोदा क्षेत्र के मरीज इलाज के लिए आते हैं। भवन की मरम्मत की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी विभाग की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

अस्पताल के पीएमओ डॉ. दिनेशचंद गुप्ता ने इस मामले की सूचना चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के निदेशक, जोन डायरेक्टर और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को दी है। पीडब्ल्यूडी विभाग के जेईएन राजाराम मीना ने मौके का निरीक्षण किया है। स्थिति को देखते हुए जल्द ही क्षतिग्रस्त पट्टियों को बदलने और पूरे भवन की मरम्मत की आवश्यकता है। राजकीय जिला अस्पताल गंगापुरसिटी के पीएमओ डॉ. दिनेशचंद गुप्ता ने कहा कि अस्पताल में क्षतिग्रस्त पट्टियों कि मरम्मत कराने के लिए बजट का अभाव भी है। इसके चलते अस्पताल की कई पट्टियां भी चटक रही है।

जिससे उन्हें अभी तक नहीं बदलवाया गया है। जिससे हादसे का भय बना हुआ है। उन्होंने कहा कि फिलहाल हादसा ना हो इसके लिए सपोर्ट में लकडी की बल्ली लगाई गई है। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों व पीडब्ल्यूडी को मरम्मत के लिए पत्र भेजा गया है।

ट्रैक्टर चोरी मामले में तीन शातिर चोर गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी द्वारा गठित विशेष टीम द्वारा थाना सदर टोंक में दर्ज प्रकरण में वारदात करने वाले आरोपी जो न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे थे, जिनको प्रॉडक्शन वारंट पर अनुसंधान के बाद आरोपी रोहित पुत्र श्योनारायण गुर्जर उम्र 19 साल, कन्हैया पुत्र गंगाराम बैरवा उम्र 22 साल व अजय बैरवा पुत्र बाबुलाल बैरवा उम्र 22 साल निवासी चन्दलाई थाना सदर टोंक को गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी किये ट्रेक्टर को बरामद किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त घटना में चोरो ने 4 जुलाई को एक ट्रेक्टर को रात्रि मे दो अज्ञात चोर ने ट्रेक्टर को पम्प से स्टार्ट करके ले गये। जिसके बाद पुलिस ने कार्यवाही करते हुए प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान के बाद तीनो आरोपियों प्रॉडक्शन वारंट पर जिला कारागृह टोंक से गिरफ्तार कर आरोपियों के द्वारा बताये गये निशादेही पर चोरी किये गये ट्रैक्टर को बरामद किया गया है।

लाईट्स पोर्टल प्रशिक्षण दिया

भरतपुर (निस)। राज्य स्तर से लाईट्स (मुकदमेबाजी सूचना ट्रैकिंग और मूल्यांकन प्रणाली) पोर्टल का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में सभी विभागों के कार्मिकों को सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के वीसी रूम में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रशिक्षण में विभागीय कार्मिकों को न्यायालय में दर्ज मुकदमों की प्रविष्टि करने एवं उनकी रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई।

एसीपी पुष्पेन्द्र कुंतल ने बताया कि लाईट्स राजस्थान के विधि एवं न्याय विभाग द्वारा विकसित एक वेब-आधारित एप्लिकेशन है। जो राज्य सरकार से संबंधित मुकदमों के प्रबंधन और निगरानी के लिए केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य कार्यक्षमता में सुधार, मुकदमेबाजी की लागत में कमी और समय पर जानकारी उपलब्ध कराकर प्रभावी निर्णय लेने में सहायता करना है।

लाईट्स की प्रमुख विशेषताएं एवं उद्देश्य एसीपी ने बताया कि लाईट्स पोर्टल केंद्रीकृत डाटाबेस सभी मुकदमेबाजी संबंधी जानकारी को एक स्थान पर उपलब्ध कराता है। प्रगति की निगरानी रखकर मुकदमों की स्थिति और परिणामों का ट्रैकिंग एवं मॉनिटरिंग संभव करता है। मुकदमेबाजी में कमी करते हुये स्पष्ट आंकड़ों के माध्यम से अनावश्यक मुकदमों को कम करने में मदद करता है। इसके माध्यम से मुकदमों की लागत में कमी लाकर कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित कर मुकदमेबाजी की लागत घटाता है। उन्होंने बताया कि प्रभावी योजना निर्माण द्वारा उपलब्ध डाटा के आधार पर बेहतर योजना एवं नियंत्रण किया जाता है। इसमें यूजर प्रबंधन उपयोगकर्ताओं को जोड़ने, निष्क्रिय करने एवं भूमिकाएं निर्धारित करने की सुविधायें हैं। पोर्टल एमआईएस रिपोर्ट्स विभिन्न रिपोर्ट्स जैसे प्रविष्टि स्थिति, लंबित कार्य एवं लॉगिन रिपोर्ट तैयार करता है। प्रशिक्षण में भरतपुर से मास्टर ट्रेनर एसीपी पुष्पेन्द्र कुंतल के साथ चिकित्सा, एवं वन आदि विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रतिभावान छात्र सम्मानित

कोटपूतली। कस्बे के शक्ति विहार स्थित शिव सरस्वती स्कूल में मंगलवार को निदेशक बद्रीप्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में प्रतिभावान छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष परीक्षा परिणाम में छात्रा सोनल अग्रवाल, करण सैनी, स्नेहा अग्रवाल ने सीए फाउण्डेशन तथा नैंसी बंसल ने सीएस फाउण्डेशन तथा चाहत शर्मा, धीरव अरोड़ा व ऋतिक जांगिड़ ने सीएमए फाउण्डेशन में क्वालीफाई कर प्रवेश किया। विद्यालय द्वारा इन विद्यार्थियों को माल्यार्पण, साफा व प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया साथ ही अभिभावकों का भी मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने विधार्थियों को कर्तव्यनिष्ठा पूर्वक, ईमानदारी व पूर्ण लगन से कार्य करने के लिये प्रेरित किया। सह निदेशक हृदेश शर्मा ने अतिथियों व अभिभावकों का आभार प्रकट किया। संचालन व्याख्याता राज किरण ने किया। इस दौरान व्याख्याता डॉ. घनेश गौड, डॉ. संगीता गौतम, निष्ठा शर्मा, सुनीता शर्मा, नवल किशोर, नितेश गुप्ता, कपिल गोयल, विजयलक्ष्मी एवं समस्त अध्यापकगण उपस्थित रहे।

हरियाली तीज पर खैरथल-तिजारा में 2 लाख पौधे रोपण का संकल्प

■ बाबा मोहन राम मंदिर बनेगा मुख्य केंद्र, जहां पौधारोपण होगा

खैरथल। राजस्थान की पहचान लंबे समय तक एक रेगिस्तानी और जल-संकटठास्त राज्य के रूप में रही है, लेकिन अब इस छवि को बदलने का संकल्प मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने लिया है। उनका नेतृत्व पर्यावरणीय चेतना को केवल नीति तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि उसे जन-आंदोलन का रूप दे रहा है। हरियाली, जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास अब राजस्थान की शासन प्राथमिकताओं में शीर्ष पर हैं। खैरथल-तिजारा जिले में हरियाली तीज पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन इस बार बाबा मोहन राम मंदिर के समीप स्थित 50-50 हेक्टेयर के खंड पर 50 हजार पौधे रोपित कर किया जाएगा साथ ही इस दिन पूरे जिले में 2 लाख पौधे लगाए जाएंगे। जिले में हरियाळो राजस्थान अभियान के तहत 3,14,860 वृक्षारोपण हेतु गड्ढों की खुदाई की गई। ठाामीण क्षेत्रों के 596 गांवों में कुल 5,701 कार्यक्रम तथा शहरी क्षेत्रों के 7 शहरों में 2,049 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए राज्य सरकार ने 'हरियालो राजस्थान' महाअभियान शुरू किया हुआ है। प्रदेश में पिछले मानसून में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े 'मातृ वन' और 'स्मृति वन' जैसी संकल्पनाएं इसे एक भावनात्मक आंदोलन बना रही हैं। हर जिले में आमजन की भागीदारी से मातृ वन बनाए जा रहे हैं, जहाँ नागरिक अपने परिजनों की स्मृति में वृक्ष लगाकर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इस अभियान को डिजिटल रूप से ट्रैक करने के लिए 'हरियालो राजस्थान' मोबाइल ऐप भी विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नेतृत्व राजस्थान को पारंपरिक रेगिस्तान से हरित समृद्धि की ओर ले जा रहा है। यह केवल वृक्षारोपण या जल संरक्षण की पहल नहीं है, बल्कि यह समठा दृष्टिकोण है जो पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों को जोड़ता है। आज राजस्थान सतत विकास की दिशा में देश के अठाणी राज्यों में शुमार हो रहा है। हर नागरिक की भागीदारी और सरकार की प्रतिबद्धता के साथ, 'हरित राजस्थान' अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि साकार होता यथार्थ है।वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिला खैरथल-तिजारा ने राज्य स्तरीय रैंकिंग में सराहनीय प्रदर्शन करते हुए शीर्ष से 8वां स्थान प्राप्त किया है। जिले में इस जन अभियान के अंतर्गत कुल 7,750 कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया, जिनमें 2.15 लाख महिलाओं सहित कुल 4.03 लाख आम नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय योगदान देते हुए सीएसआर और दानदाताओं के सहयोग से मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान समिति मद में 55.83 लाख रुपये की राशि एकत्र की गई, जिससे खैरथल तिजारा जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहा। इसके अतिरिक्त, सीएसआर माध्यम से एक करोड़ रुपये से अधिक लागत के जल संरक्षण कार्य होंगे। अभियान के अंतर्गत 2,423 जल स्त्रोतों, गौशालाओं, सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न कार्यालयों की सफाई की गई। वहीं 384 पूर्ण कार्यों का अवलोकन/लोकार्पण एवं नवीन कार्यों का शुभारंभ किया गया। 2,290 स्थानों पर आमजन द्वारा श्रमदान किया ।

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ उठी आवाज

■ कांग्रेस जिला प्रभारी राजेश चौधरी की अध्यक्षता में भरतपुर में संगठनात्मक बैठक

भरतपुर (निस)। भरतपुर में कांठोस पार्टी के भरतपुर जिला प्रभारी पीसीसी महासचिव राजेश चौधरी ने जिला कार्यालय पर जिला, ब्लॉक एवं विधानसभा प्रभारीयों की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने की तथा विशिष्ट अतिथि जाहिदा खान पूर्व मंत्री राजस्थान सरकार रही।

कांग्रेसी संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार पूरे राजस्थान में भाजपा सरकार की कुरीतियों,अराजकता एवं जनविरोधी नीतियों के विरोध में ऐसी बैठकें आयोजित की जा रही है। मुख्य अतिथि राजेश चौधरी ने भाजपा सरकार की नीतियों पर हमला करते हुए कहा कि राजस्थान में जब से भाजपा सरकार बनी है तब से अपराधों का ठााफ बेतहाशा बढा है। चौधरी ने महिला अत्याचार, हत्याएं, अपहरण, अवैध बजरी खनन, आमजन में असुरक्षा का माहौल आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान की पर्ची सरकार ने आम जनता में अपना भरोसा पूरी तरह खो दिया है। जिला प्रभारी राजेश चौधरी ने राज्य में जबरदस्ती स्मार्ट मीटर लगाए जाने का भी विरोध करते हुए कहा कि सरकार द्वारा इसमें बहुत बडा भ्रष्टाचार हुआ है।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने सरकार द्वारा नगर निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव तय सीमा में नहीं कराने पर भाजपा सरकार के प्रति विरोध जाहिर करते हुए कहा कि भरतपुर जिला प्रमुख का पद लगभग 2 वर्ष से खाली पड़ा है लेकिन सरकार भाजपा के पक्ष में जनमत ना देखते हुए चुनाव कराने से कतरा रही है। जबकि पंचायती राज अधिनियम एवं नगर निकाय अधिनियम के तहत 5 वर्ष के अंदर चुनाव कराया जाना अनिवार्य होता है। सूपा ने इसे भाजपा सरकार द्वारा संविधान का उल्लंघन करना भी बताया। जिला अध्यक्ष सूपा ने बयाना क्षेत्र में सेंड स्टोन पत्थर पर ठेकेदारों द्वारा जबरदस्ती ली जा रही अवैध रॉयल्टी का भी कड़े शब्दों में विरोध किया।विशिष्ट अतिथि श्रीमती जाहिदा खान ने भी राज्य सरकार द्वारा बड़े पैमाने पर हर क्षेत्र में किये जा रहे भ्रष्टाचार को उजागर करते हुए कहा कि कामा में प्रशासन एवं पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर फैला हुआ है। बैठक में विधानसभा प्रभारी राजेश कटारा एवं मुरारी लाल मीणा सहित कई वक्ताओं ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के प्रारंभ में शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी ने स्वागत भाषण दिया। बैठक में कांग्रेसी विचारधारा के कार्यकर्ता आशीष राजपूत एवं राजेंद्र शर्मा को अतिथियों ने माला एवं कांठोसी पटका पहना कर कांठोस पार्टी की सदस्यता ठाहण कराई। कार्यक्रम के उपरांत प्रेस वार्ता भी आयोजित की गई। तत्पश्चात उक्त सभी समस्याओं के संबंध में जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा के नेतृत्व में समस्त कांठोसियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन भी दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने किया।

कार्यक्रम में साहब सिंह एडवोकेट, धर्मेंद्र शर्मा, जगदीश बंजी ,श्रीभगवान कटारा,राजीव कुम्हेर,रामेश्वर सैनी, बबीता शर्मा, राजू प्रधान, हरस्वरुप शर्मा, लोकपाल सिंह, फजर खान, देवेंद्र पहाड़ी, रमेश धावई, विष्णु गुप्ता, अशोक तांबी,राजेंद्र सारस्वत, केके उपाध्याय,अशोक फौजदार, राकेश पठानिया, सुरेश पूछरी, प्रेम प्रजापत सुगड़ खैरा,दिगंबर खटाना, मुस्ताक अहमद, अजयपाल दारापुरिया, मेघसिंह सरपंच,दिनेश बघेल,प्रशांत उपाध्याय, रिकी सिंह, शहीद खान, दीपेंद्र वुरावाई,चंद्रभान फौजदार, जीवनलाल शर्मा सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

अस्पतालों के निरीक्षण के लिए ब्लॉक स्तरीय टीम का गठन

■ टीम ने विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की

कोटपूतली। बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर द्वारा गठित ब्लॉक स्तरीय टीम द्वारा मंगलवार को खण्ड के विभिन्न पीएचसी, सीएचसी व उप स्वास्थ्य केन्द्रों पर निरीक्षण किया गया। राष्ट्रीय क्षय रोग, हरियालां राजस्थान एवं मौसमी बीमारियों के नियंत्रण हेतु लक्ष्यों को अर्जित करने के उद्धेश्य से राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं परिवार कल्याण के कार्यक्रमो की समीक्षा हेतु सीएचसी नारेहडा, पीएचसी कल्याणपुरा कला, शुक्लाबास एवं उप स्वास्थ्य केन्द्र जगदीषपुरा, सुन्दरपुरा, बनका, फतेहपुरा, पूतली, कांसली, मोहनपुरा, कुजोता एवं खडब का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप स्वास्थ्य केन्द्र जगदीषपुरा पर कार्यरत एएनएम सुनिता सैनी, सुन्दरपुरा पर कार्यरत एएनएम सुमन, बनका पर कार्यरत एएनएम मन्जु यादव एवं सीएचओ सर्वेष एवं फतेहपुरा पर कार्यरत एएनएम इन्दु कुमारी बिना सूचना के अनुपस्थित मिलें, जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के आदेष दिये गये। उप स्वास्थ्य केन्द्र पूतली, कांसली, मोहनुपरा, सरूण्ड एवं पीएचसी कल्याणपुरा कला एवं सीएचसी नारेहडा में निरीक्षण के दौरान लक्ष्यों से कम ब्लड सलाईड पायी गयी। जिन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही लक्ष्यों के अनुसार बुखार के रोगियों की ब्लड स्लाईड बनाने, एन्टीलार्वा गतिविधि करने के निर्देष दिये गये।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोटपूतली में स्वास्थ्य केन्द्रों का किया।

शानदार एफर्ट, यंगमैन! बहुत-बहुत बधाई और मुझे भरोसा है कि ये मैदान पर बेहतर और ज्यादा लगातार प्रदर्शन की ओर से जाएगा। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय कीं। कोई प्लीज ये पृथ्वी शॉ को भी दिखा दे। - केविन पीटरसन

पूर्व इंग्लैंड खिलाड़ी, पृथ्वी शॉ व सरफराज की फिटनेस को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वीनस विलियम्स

सात बार की मेजर चैंपियन वीनस विलियम्स एक साल से ज्यादा समय तक टेनिस से दूर रहने के बाद डीसी ओपन में टेनिस में वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। जब पत्रकारों ने उनसे सोशल मीडिया पर हाल ही में पोस्ट किए गए एक वीडियो के आधार पर उनकी बहन सेरेना की खेल में वापसी के बारे में पूछा, तो उन्होंने जवाब दिया, मेरा मतलब है, मैं अपनी टीम से कहती रहती हूँ : अगर वह यहां होतीं, तो यह सब बेहतर होता, जैसे हम हमेशा सब कुछ साथ करते थे, इसलिए मुझे उनकी याद आती है।

क्या आप जानते हैं ?... 123 साल के टेस्ट इतिहास में भारत को एजबेस्टन में अब तक एक भी जीत नसीब नहीं हुई है।

चोटों से जूझ रहे भारत की निगाहें सीरीज में बराबरी करने पर : गिल

मैनचेस्टर, 22 जुलाई। इंग्लैंड और भारत की टीमें बुधवार को जब ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर चौथे टेस्ट के लिए उतरेंगी, तो भारत का इरादा ना सिर्फ इस मैदान पर पहली जीत हासिल करने का बल्कि सीरीज में वापसी करने का होगा। भारतीय टीम फिलहाल चोटों से गुजर रही है और उनके मुख्य टीम के तीन से चार खिलाड़ी चोटिल हैं। हालांकि उनके लिए अच्छी खबर यह है कि उनके विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पूरी तरह फिट होते दिख रहे हैं, जो लॉर्ड्स टेस्ट में विकेटकीपिंग के दौरान चोटिल हो गए थे।

ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी घुटने की चोट के कारण पूरे सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनकी जगह शार्दुल ठाकुर वापसी कर सकते हैं, जो पहले टेस्ट में खेले थे। वहीं अर्शदीप सिंह बाएं हथेली की चोट के कारण इस टेस्ट से बाहर हैं, जबकि आकाश दीप को भी एक निगल है। ऐसे में टीम में बुलाए गए युवा तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज को जगह मिल सकती है।

वहीं इंग्लैंड की टीम लॉर्ड्स टेस्ट जीतकर आ रही है और उनका इरादा इस मैच को जीतकर पहले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी पर कब्जा ज़माना होगा। पिछले मैच में अपनी उंगली तुड़वा बैठे ऑफ स्पिनर बशीर अहमद सीरीज से बाहर हैं और उनकी जगह लियाम डॉसन को अंतिम एकादश में जगह मिली है। इंग्लैंड ने मैच के दो दिन पहले ही अपने एकादश का ऐलान कर दिया है।

कप्तान शुभमन गिल ने बताया कि मैनचेस्टर टेस्ट में ऋषभ पंत विकेटकीपर के तौर पर खेलते नजर आएंगे। इस दौरान उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज के डेब्यू पर बात की। मैनचेस्टर टेस्ट में पंत करेंगे विकेटकीपिंग, पंत को लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान अंगुली में चोट लगी थी जिससे वह मैच के ज्यादातर हिस्से में विकेटकीपिंग नहीं कर पाए थे। इस दौरान उनकी जगह ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग करते देखा गया। पंत ने सोमवार को मैनचेस्टर में भारतीय टीम के दो घंटे से अधिक समय तक चले अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया था। गिल ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ऋषभ पंत मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में विकेटकीपिंग करेंगे।

चोट के कारण पंत ने तीसरे टेस्ट में केवल 35 ओवर के लिए विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी, बाकी मैच में ध्रुव जुरेल ने यह जिम्मेदारी संभाली थी। जुरेल का विकेट के पीछे प्रदर्शन हालांकि निराशाजनक रहा था। उन्होंने 25 बाई रन दिए थे जबकि इंग्लैंड ने इस टेस्ट मैच को 22 रन से जीता था। भारतीय टीम को चौथे टेस्ट से पहले तीन झटके लगे। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी पूरी सीरीज पहले ही बाहर हो गए।

इस दौरान गिल ने करुण नायर के निराशाजनक प्रदर्शन पर भी बात की। उन्होंने अब तक सीरीज में सधी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में नाकाम रहे नायर का बचाव करते हुए कहा कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। गिल ने आगे कहा, हमें लगता है कि वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। उन्हें शुरुआती मैच में अपने पसंदीदा क्रम पर बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। उनकी बल्लेबाजी में कोई समस्या नहीं है। एक बार जब आप 50 रन तक पहुंचने में सक्षम हो जाते हैं और सही लय में आ जाते हैं तो बड़ा स्कोर खड़ा कर सकते हैं। नायर ने अब तक पहले तीन टेस्ट मैचों में 0, 20, 31, 26, 40 और 14 रन की पारियां खेली हैं। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में 1-2 से आगे है।

आकाश दीप कमर में चोट के कारण बाहर हुए

कमर में चोट के कारण मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर हो गए। इसकी पुष्टि भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने की। ऐसे में उम्मीद है कि अंशुल कंबोज को उनकी जगह प्लेइंग 11 में मौका मिल सकता है। वह मैनचेस्टर टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं।गिल ने कहा, नीतीश रेड्डी पहले ही सीरीज से बाहर हो चुके हैं। अब आकाश दीप और अर्शदीप सिंह चौथे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। लेकिन हमारी टीम में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और हम 20 विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

कम्बोज डेब्यू के करीब

तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाश दीप भी इस मुकाबले का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। दोनों चोटिल हैं। उनके कवर के तौर पर अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। गिल से जब अंशुल कंबोज के डेब्यू को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हमने उसका कौशल देखा है। हमें विश्वास है कि वह हमारे लिए मैच विजेता साबित हो सकता है। कंबोज कल अपना डेब्यू करने के करीब है।

हर हाल में सीरीज बचाने के लिए चाहिए जीत

इंग्लैंड ने लीड्स में खेले गए सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल की थी, जबकि भारत ने दूसरे टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज 1-1 से बराबर कर दी थी। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत ने दबदबा बनाया था, लेकिन पांचवें आसान सा लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। इस हार के चलते भारत सीरीज में पिछड़ गया। अब उसे सीरीज में बने रहने के लिए चौथा मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। भारत के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन खिलाड़ियों की चोट से उसकी मुश्किलें काफी बढ़ गई है।

बीसीसीआई राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में आएगा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को राष्ट्रीय खेल विधेयक के दायरे में लाया जाना तय है। राष्ट्रीय खेल विधेयक बुधवार को संसद में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, इस विधेयक के पारित होने के बाद, बीसीसीआई को अन्य राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह देश के कानून का पालन करना होगा। क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में शामिल किए जाने के बाद बीसीसीआई भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने मंगलवार को बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) बुधवार 23 जुलाई 2025 को संसद में पेश किए जाने वाले नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नन्स बिल में शामिल होगा। सूत्रों के अनुसार 'सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा।'

क्रिकेट को 2028 लॉस एंजेलिस खेलों में शामिल किए जाने के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड भी ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन गया है। राष्ट्रीय खेल विधेयक समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचे को संस्थागत रूप देने का प्रयास करता है।'

बीसीसीआई साल 1926 में इंपीरियल क्रिकेट सम्मेलन में शामिल हो गया था, जो बाद में इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बनी। बीसीसीआई एक स्वायत्त निजी संगठन है। बीसीसीआई भारत सरकार के राष्ट्रीय खेल महासंघ के दायरे में नहीं आता है। वह युवा मामले एवं खेल मंत्रालय से कोई अनुदान नहीं लेता है। हालांकि, साल 2020 में बीसीसीआई आरटीआई अधिनियम के दायरे में आया था। खेल विधेयक के लागू होने पर बीसीसीआई स्वचालित रूप से एक राष्ट्रीय खेल महासंघ बन जाएगा। तब बीसीसीआई पर खेल मंत्रालय के सभी नियम और विनियम लागू होंगे। राष्ट्रीय खेल विधेयक का उद्देश्य समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत ढांचा स्थापित करना है। इस विधेयक का उद्देश्य राष्ट्रीय खेल महासंघ के जरिए 10 प्रमुख मुद्दों का करना है समाधान

राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) में अपारदर्शी शासन: निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही लाना।

शासन में एथलीट्स के प्रतिनिधित्व का अभाव: एथलीट समितियों के जरिए एथलीट्स को शामिल करना और उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ियों (एसओएम) का प्रतिनिधित्व अनिवार्य करना।

एनएसएफ चुनावों पर बार-बार मुकदमेबाजी: अदालती मामलों को कम करने के लिए स्पष्ट चुनावी दिशानिर्देश और विवाद समाधान तंत्र स्थापित करना।

अनुचित या अपारदर्शी एथलीट चयन: चयन मानदंडों का मानकीकरण और योग्यता-आधारित चयन सुनिश्चित करने के लिए ट्रायल और नतीजों के प्रकाशन को अनिवार्य करना।

उत्पीड़न और असुरक्षित खेल वातावरण: शिकायतों के लिए सुरक्षित खेल तंत्र, पॉश अनुपालन और स्वतंत्र समितियों को अनिवार्य बनाना।

शिकायत निवारण माध्यमों का अभाव: एथलीट्स, प्रशिक्षकों और हितधारकों के लिए समर्पित, समयबद्ध शिकायत निवारण प्रणालियां स्थापित करना।

एथलीट्स के करियर को नुकसान पहुंचाने वाली लंबी कानूनी देरी: विवादों को शीघ्रता से सुलझाने के लिए फास्ट-ट्रैक मध्यस्थता या न्यायाधिकरण प्रणाली शुरू करना।

आयु हेरफेर और डोपिंग: कानूनी दायित्वों के रूप में सख्त सत्यापन, बायोमेट्रिक प्रणाली और डोपिंग रोधी अनुपालन को लागू करना।

पदाधिकारियों के बीच हितों का टकराव: हितों के टकराव के नियमों की स्पष्ट परिभाषाएं और प्रवर्तन शुरू करना।

एनएसएफ और आईओए के लिए कोई समान संहिता नहीं: सभी खेल निकायों को एक एकीकृत शासन संहिता और पात्रता मानदंडों के अंतर्गत लाना।

जर्मनी में पदक जीतकर पर भी विवादों में घिरी भारतीय बैडमिंटन टीम, 6 खिलाड़ी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। जर्मनी के राइन-रूहर में चल रहे विश्व विश्वविद्यालय खेलों (डब्ल्यूयूजी) में मिश्रित टीम कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय बैडमिंटन टीम चयन को लेकर विवादों में घिर गई है क्योंकि चुने गए 12 खिलाड़ियों में से छह को कथित प्रशासनिक चूक के कारण भाग लेने से रोक दिया गया है। प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया था लेकिन केवल छह को ही प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई क्योंकि अधिकारी 16 जुलाई को प्रबंधकों की बैठक के दौरान सभी नामों को सही ढंग से प्रस्तुत करने में विफल रहे। बाहर की गई एक खिलाड़ी अलीशा खान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, ''यह केवल कुप्रबंधन नहीं है- यह करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम जवाब, जवाबदेही और हमारी आवाज सुनी जाने की मांग करते हैं। हमने कोई मैच नहीं गंवाया - हमने भाग लेने का अपना अधिकार ही खो दिया।' उन्होंने लिखा, ''यह केवल एक गलती नहीं है। यह एआईयू और हमारी टीम के अधिकारियों द्वारा करियर को नुकसान पहुंचाने वाला है। हम न्याय की मांग करते हैं।'' सूत्रों के अनुसार बीवी राव और अजीत मोहन भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अधिकारी थे जो बैठक में शामिल हुए थे। देश में विश्वविद्यालय स्तर के खेलों के लिए नोडल संस्था एआईयू ने इस घटना को स्वीकार किया है।

लुलु फॉरेक्स और लुलु फिनसर्व ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन के साथ हाथ मिलाया

नई दिल्ली, 22 जुलाई। विदेश मुद्रा विनिमय और पैसे भेजने की सेवाओं में एक भरोसेमंद नाम लुलु फॉरेक्स और माइक्रो लोन और वित्तीय सेवाएं देने वाली कंपनी लुलु फिनसर्व दोनों ने अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ साझेदारी की है। अब ये दोनों कंपनियां एएफए की रीजनल फिनटेक पार्टनर बन गई हैं। यह स्पॉन्सरशिप एक बड़े वैश्विक समझौते का हिस्सा है, जिसके तहत लुलु फाइनेंशियल होल्डिंग्स की अलग-अलग कंपनियां , जो 10 देशों में हैं, अपने-अपने क्षेत्रों में एएफए की आधिकारिक पार्टनर बनेंगी। भारत में लुलु फॉरेक्स और लुलु फिनसर्व मिलकर एएफए के आधिकारिक पार्टनर के रूप में ब्रांड का प्रतिनिधित्व करेंगे। वहीं, लुलु ग्रुप की दूसरी कंपनियां जैसे लुलु एक्सचेंज और लुलु मनी इस साझेदारी की भूमिका जीसीसी देशों (खाड़ी देशों), मलेशिया, फिलीपींस और सिंगापुर में निभाएंगी। यह साझेदारी, जो शुरुआत में मिड 2026 तक चलेगी, मंगलवार को दुबई में एक कार्यक्रम के दौरान आधिकारिक रूप से घोषित की गई। इस मौके पर अर्जेंटीना के वर्ल्ड कप जीतने वाले कोच लियोनेल स्कालोनी, लुलु फाइनेंशियल होल्डिंग्स के सीनियर लीडर्स और उनके साथ एएफए के अधिकारी मौजूद थे। यह समझौता फुटबॉल की दुनिया के एक अहम समय को कवर करता है, जो 2026 में अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप तक जारी रहेगा, जहां मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना अपनी जीत को बचाने की पुरजोर कोशिश करेगा।

बुमराह टीम के लिए पूरी जान झोंक दें या फिर वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए ठीक से आराम कर लें : इरफान पठान

नई दिल्ली, 22 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में 23 जुलाई से भारतीय टीम चौथा टेस्ट मैच खेलेगी। इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी इरफान पठान ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कड़ा संदेश दिया है। इरफान का कहना है कि बुमराह या तो टीम के लिए पूरी जान झोंक दें या फिर वर्कलोड मैनेजमेंट के लिए चुनिंदा मैच खेलने के बजाय ठीक से आराम कर लो।ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच से पहले पठान ने बुमराह के अविश्वसनीय गेंदबाजी कौशल की तारीफ की, लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त प्रयास करने की भी अपील की।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत

बड़ा फैन हूं। मुझे उनके कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि, मेरा मानना है कि जब आप भरात के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है। जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करतें हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं। जब बात किसी देश या टीम की आती है जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।

इंग्लैंड दौरे पर आने से पहले ही तय था कि बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं। लेकिन भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है और दो मैच अभी और खेलने हैं। पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि, मैं ये सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किया है। उन्होंने ओवर फेंके हैं इसमें कोई संदेह नहीं। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।

एच.एस. प्रणय चाइन ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में

चांगझोउ, 22 जुलाई। एचएस प्रणय ने शानदार वापसी करते हुए चाइना ओपन 2025 के पुरुष एकल राउंड-ऑफ-16 में प्रवेश किया। यह बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट मंगलवार को चांगझोउ के ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में शुरू हुआ।

विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी जापान के कोकी वतनबे का सामना करते हुए, प्रणय (विश्व के 35वें नंबर के खिलाड़ी) ने धीमी शुरुआत के बाद वापसी करते हुए महज एक घंटे के अंदर 8-21, 21-16, 23-21 से रोमांचक जीत दर्ज की। पहला गेम हारने के बाद, प्रणय ने दूसरे गेम में लय हासिल की और निर्णायक गेम में नाटकीय वापसी की - जहां वह नौ अंकों से पीछे थे और जीत हासिल करने से पहले उन्होंने पांच मैच पॉइंट बचाए। अब उनका सामना प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में छठी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से होगा।

अल्काराज मांसपेशियों की समस्या के कारण टोरंटो मास्टर्स में नहीं खेल पाएंगे

मैड्रिड, 22 जुलाई। फ्रेंच ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने घोषणा की है कि वह आगामी एटीपी 1000 टोरंटो मास्टर्स में भाग नहीं लेंगे। अल्काराज, जो एक हफ्ते पहले ही जैनिक सिनर से विंबलडन फाइनल में हार गए थे, ने बताया है कि वह 27 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिए टोरंटो क्यों नहीं जा पाएंगे।

उन्होंने आज सोशल मीडिया पर लिखा, लगातार कई हफ्तों तक बिना आराम के प्रतिस्पर्धा करने के बाद, मैं इस साल टोरंटो में नहीं खेल पाऊंगा। मुझे मांसपेशियों में थोड़ी समस्या है और मुझे आगे के प्रदर्शन के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने की जरूरत है। टूर्नामेंट और कनाडा में अपने प्रशंसकों से मुझे बहुत खेद है, मैं आपसे अगले साल मिलूंगा। सिनर और नोवाक जोकोविच ने भी पुष्टि की है कि वे मांसपेशियों की समस्या के कारण इस प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाएंगे, जबकि अल्काराज यूएस ओपन से पहले सिनसिनाटी में वापसी करेंगे, जिसका मुख्य ड्रॉ 24 अगस्त से शुरू होगा।

झेंग किनवेन ने कोहनी की सर्जरी के बाद यूएस ओपन से नाम वापस लिया

वाशिंगटन, 22 जुलाई। चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने कोहनी की सर्जरी के बाद इस साल के यूएस ओपन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। आयोजकों ने आज इसकी घोषणा की। छठी रैंकिंग वाली झेंग, जो दो बार यूएस ओपन क्वार्टर फाइनलिस्ट रह चुकी हैं, ने पिछले शनिवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उनकी दाहिनी कोहनी की सर्जरी सफल रही है और अब वह ठीक हो रही हैं। झेंग ने लिखा, हाल के प्रशिक्षण सत्रों और प्रतियोगिताओं के दौरान, मुझे अपनी दाहिनी कोहनी में लगातार दर्द की समस्या रही है। हालांकि मैंने कई हस्तक्षेपों के बावजूद दर्द को सहन किया, लेकिन दर्द का असर बना रहा। कोहनी विशेषज्ञों द्वारा निदान के बाद, उन्होंने मुझे और मेरी टीम को समस्या के पूर्ण समाधान के लिए जल्द से जल्द दाहिनी कोहनी की न्यूनतम इनवेसिव आर्थोस्कोपिक सर्जरी कराने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा, अपनी टीम के साथ गहन चर्चा के बाद, जल्द से जल्द सर्वश्रेष्ठ स्थिति में कोर्ट पर वापसी के लिए, हमने सर्जरी को सबसे अच्छा विकल्प चुना। मैंने कल सर्जरी पूरी कर ली, यह बहुत आसानी से हुई, और मैं अब रिकवरी में हूँ।

दिल्ली के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता को मिलेंगे सात करोड़

नई दिल्ली, 22 जुलाई। दिल्ली के ओलंपिक और पैरालंपिक स्वर्ण पदक के विजेता को 7 करोड़ रुपये की भारी भरकम पुरस्कार राशि दी जायेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने व मेहनत का सम्मान करने के अलावा राजधानी के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अधिक प्रतिभाशाली बनाने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। आज दिल्ली सचिवालय में कैबिनेट की बैठक में उन्होंने 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना' के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी की है। अब दिल्ली देश का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जो अंतरराष्ट्रीय विजेताओं को सर्वाधिक इनामी राशि देने जा रहा है। साथ की उन्हें ए क्लास का सरकारी अधिकारी बनाने का मार्ग भी प्रशस्त कर रहा है।

नायर की घर वापसी, कर्नाटक के लिए खेलेंगे घरेलू क्रिकेट

नयी दिल्ली, 22 जुलाई। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर तीन सीजन बाद कर्नाटक टीम में वापसी करने जा रहे हैं। नायर पिछले दो सीजन से विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिला, जिससे वह अपनी मूल राज्य टीम के लिए फिर से खेल सकेंगे। नायर की कर्नाटक वापसी ऐसे समय में हो रही है जब उनके प्रदर्शन का स्तर पहले की तुलना में काफी ऊपर पहुंच चुका है। इस साल की शुरुआत में विदर्भ को तीसरा रणजी ट्रॉफी खिताब जिताने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से चार शतकों की मदद से 863 रन बनाए थे, जिसकी बदौलत उन्हें आठ साल बाद भारत की टेस्ट टीम में वापसी का मौका मिला। इनमें केरल के खिलाफ फाइनल में खेली गई विजयी शतकीय पारी भी शामिल है। दिलचस्प बात यह है कि 2021-22 में जब नायर को कर्नाटक टीम से बाहर किया गया था।

भारत-पाकिस्तान मैच पर नया बवाल

पाक चैम्पियंस टीम का भारत के साथ अंक बाटने से इंकार

नई दिल्ली, 22 जुलाई। वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स में भारत और पाकिस्तान मैच रद्द होने के बाद भी विवाद गहराता जा रहा है।डब्ल्यूसीएलके सूत्रों का कहना है कि आयोजकों नेइंग्लैंडएंडवेल्सक्रिकेट बोर्ड को बताया कि मैच की मेजबानी नहीं कर सके। डब्ल्यूसीएलने स्पष्ट कर दिया कि भारतीय टीम ने मैच रद्द होने की जिम्मेदारी नहीं ली। भारत और पाकिस्तान के बीचबहुप्रतीक्षितमुकाबले से पहलेडब्ल्यूसीएलने आधिकारिक बयान जारी करकेएजबेस्टनमैच को रद्द करने की घोषणा की थी। कईरिपोर्ट्समें संकेत दिए गए कि कई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने मैच में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आंतकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक और सीमा संबंधतनावपूर्णहैं। भारतीय खिलाड़ियों ने इसका ध्यान रखते हुए पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलने से इनकार कर दिया। डब्ल्यूसीएलसूत्रों के मुताबिक पाकिस्तानचैंपियंसटीम ने भारत के साथ अंक बाटने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान का मानना है कि मुकाबला भारतीय टीम के कदम पीछे करने के कारण रद्द हुआ।डब्ल्यूसीएलके एक सूत्र नेएएनआईसे बातचीत में जानकारी दी। डब्ल्यूसीएलनेईसीबीको जानकारी दी कि आयोजक होने के नातेवोइस मैच को आयोजित नहीं कर सके। इंडियाचैंपियंसटीम की गलती नहीं है। पाकिस्तान चैंपियंसटीम अंक नहीं बांटना चाहती क्योंकि उनका कहना है कि भारत ने कदम

ब्रेट ली ने वर्ल्ड चैम्पियनशिप ऑफ लीजेंड्स में ऑस्ट्रेलिया की टीम को प्रमुखता से खड़ा किया

बर्मिंघम, 22 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज गेंदबाज ब्रेट ली वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) 2025 में एक प्रमुख आकर्षण हैं और उन्होंने कहा कि जीएफएस डेवलपमेंट्स द्वारा समर्थित ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम के पास एक मजबूत टीम है, जो इस बार ट्रॉफी जीतने में पूरी तरह सक्षम है।

यह टूर्नामेंट 18 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक इंग्लैंड के चार प्रतिष्ठित स्थानों पर आयोजित किया जाएगा, जहां प्रशंसकों को पुरानी यादों, कड़ी प्रतिद्वंद्विता और विश्व स्तरीय मनोरंजन का एक अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। डब्ल्यूसीएल 2025 इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अनुमोदित एक भव्य ग्रीष्मकालीन आयोजन में बीते जमाने के नायकों को एक साथ लाता है।

ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम का नेतृत्व दिग्गज गेंदबाज ब्रेट ली कर रहे हैं और इसमें कई ऑस्ट्रेलियाई सुपरस्टार शामिल हैं, जो अपने शानदार करियर में एक बार फिर से गौरव हासिल करने के लिए तैयार हैं। ब्रेट ली ने जीएफएस डेवलपमेंट्स और एएक्स कैपिटल के सदस्यों के साथ एक मुलाकात कार्यक्रम के दौरान कहा, हम इस साल निश्चित रूप से खिताब जीतने की कोशिश करेंगे। हमारी टीम ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन हम खिताब से चूक गए थे। हालांकि, इस साल हम अच्छा प्रदर्शन करने और प्रशंसकों और जीएफएस डेवलपमेंट्स जैसे हमारे साथ जुड़े महान लोगों के लिए ट्रॉफी जीतने के लिए वास्तव में प्रेरित हैं।

उन्होंने आगे कहा, टीम अच्छी तरह से संतुलित दिख रही है। हमारे पास हर विभाग में अच्छी ताकत है और निश्चित रूप से मुझे अपनी टीम के सकारात्मक प्रदर्शन का पूरा भरोसा है। टूर्नामेंट में छह टीमें हैं: भारत चैंपियन, पाकिस्तान चैंपियन, इंग्लैंड चैंपियन, ऑस्ट्रेलिया चैंपियन, दक्षिण अफ्रीका चैंपियन और वेस्टइंडीज चैंपियन।

देवेंद्र 7 अंक हासिल करके ओवरऑल चैम्पियन बने

जयपुर, 22 जुलाई। अंकित, साक्षी और सुनील भार्गव मेमोरियल ओपन शतरंज टूर्नामेंट 19 और 20 जुलाई 2025 को जयपुर जिला शतरंज संघ और राजस्थान शतरंज संघ के तत्वावधान में ब्राइट फ्यूचर स्कूल, निर्माण नगर, जयपुर में आयोजित किया गया। राजस्थान भर से 250 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, इस टूर्नामेंट में 8 गहन राउंड में अनुभवी और नवोदित शतरंज प्रतिभाओं ने हिस्सा लिया।

इस टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1,00,000 से अधिक थी, जिसमें ओपन, आयु, लिंग, वेटरन और रेटिंग श्रेणियों में नकद पुरस्कार, ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और पदक शामिल थे। देवेंद्र कुमार 7 अंक हासिल करके ओवरऑल चैंपियन बने और 10,000 का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी अपने नाम की। उनके ठीक बाद, उज्जवल दीप ने भी 7 अंक बनाए और 7,500 और एक ट्रॉफी

के साथ उपविजेता का खिताब जीता। राजकपूर और सिद्धांत चतुर्वेदी दोनों ने 5-5 अंक बनाए और क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। देवेंद्र कुमार, जिन्होंने यह खिताब जीता, के अलावा सिद्धांत ही एकमात्र खिलाड़ी थे जो टूर्नामेंट में अपराजित रहे। टूर्नामेंट में ओपन, महिला, वेटरन (55), और रेटिंग-आधारित समूह (1400-1600, 1600-1800) सहित कई प्रतिस्पर्धी श्रेणियां शामिल थीं, साथ ही आयु-आधारित श्रेणियां (अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13 और अंडर-15) भी शामिल थीं। 45 वर्ष से अधिक आयु की महिला प्रतिभागियों और 13 वर्ष से कम आयु के युवा खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को अजमेर के केकड़ी में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इस अवसर उन्होंने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात भी दी।

मुख्यमंत्री ने केकड़ी में 1 हजार करोड़ के कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया

उन्होंने 5 साल के कार्यकाल में प्रदेश में 50 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया

अजमेर/जयपुर, 22 जुलाई। मंगलवार को अजमेर के केकड़ी में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में हो रही अच्छी बारिश प्रदेश में धन-धान्य, खुशहाली एवं समृद्धि आने का शुभ संकेत है। हमने पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेते हुए पिछले वर्ष हमने साढ़े सात करोड़ पौधे लगाए। अब इस वर्ष प्रदेश में 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाली तीज के दिन भी हम सघन वृक्षारोपण करने जा रहे हैं। हम 5 साल के कार्यकाल में प्रदेश में 50 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने महीने में एक दिन ग्राम स्तर पर शिविर लगाने की घोषणा की, जिसमें आमजन के विभिन्न कार्य स्थानीय स्तर पर हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि हम देश में अपनी तरह की पहली, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना शुरू कर 10 हजार गांवों के बीपीएल परिवारों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में राज्य सरकार ग्राम पंचायत स्तर पर महीने में एक दिन शिविर लगाएगी, जिसमें आमजन के विभिन्न कार्य स्थानीय स्तर पर ही हो सकेंगे।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने केकड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए एक हजार करोड़ रु. से अधिक की महत्वपूर्ण बजट घोषणाएं की हैं, जो इस क्षेत्र को विकास के नए शिखर पर ले जाएंगी। मुख्यमंत्री ने केकड़ी में लगभग 423 करोड़ रुपये से जल जीवन मिशन के तहत केकड़ी-सरवाड़ क्षेत्र के लिए जल आपूर्ति प्रणाली का शिलान्यास किया। केकड़ी विधानसभा के 157 गांवों को शुद्ध पेयजल के लिए 300 करोड़ रुपये की लागत से क्लस्टर पंपिंग सिस्टम, ओवरहेड टैंक और वितरण प्रणाली स्थापित करने के कार्यों का भी आज शिलान्यास किया गया।

समारोह में मुख्यमंत्री ने 291 करोड़ रुपये की लागत से बीसलपुर बांध पैकेज-2 के अंतर्गत, बीसलपुर बांध से केकड़ी तक वर्षा जल की ट्रांसमिशन मुख्य प्रणाली और इनटेक पर इलेक्ट्रो-मैकेनिकल कार्य का भी शिलान्यास किया। (विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सावन के पवित्र महीने में राज्य सरकार द्वारा हरियालो राजस्थान के तहत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री एक विजन बनाकर पूरे प्रदेश के विकास के लिए काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने परिसर में पीपल का पौधा भी लगाया। समारोह में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी व बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

धनखड़ का इस्तीफा मंजूर, नये उपराष्ट्रपति का चुनाव शीघ्र होगा

राज्यसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलायेंगे

नई दिल्ली, 22 जुलाई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। मंगलवार को राज्यसभा को जगदीप धनखड़ के तत्काल प्रभाव से इस्तीफे के संबंध में गृह मंत्रालय की अधिसूचना (दिनांक 22 जुलाई) के बारे में सूचित किया गया। इस बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने लिखा, जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखी पोस्ट में जगदीप धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की और उनकी प्रशंसा की।

उपराष्ट्रपति के पद छोड़ने के साथ ही राज्यसभा के सभापति पद भी स्वत: रिक्त हो गया। उपराष्ट्रपति उच्चसदन के पदेन सभापति होते हैं। ऐसे में अब, जब इस्तीफा मंजूर हो गया है तो मानसून सत्र में राज्यसभा की पूरी कार्यवाही उपसभापति हरिवंश चलाएंगे। इसके अलावा, राष्ट्रपति की ओर से अधिकृत सदस्य को भी यह जिम्मेदारी दी सकती है।

उपराष्ट्रपति पद का चुनाव जल्द से जल्द कराना होगा। संविधान के अनुसार, मृत्यु, त्यागपत्र या हटाए जाने या अन्य किसी कारण से उपराष्ट्रपति पद की रिक्ति भरने के लिए चुनाव यथाशीघ्र कराने का प्रावधान है।

कार्यकाल के दौरान इस्तीफा देने वाले धनखड़ तीसरे उपराष्ट्रपति हैं। वीवी गिरि ने 20 जुलाई, 1969 और आर वेंटकरमन ने 24 जुलाई, 1987 को पद से इस्तीफा दिया था, दोनों ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के लिए यह कदम उठाया था। जबकि पूर्व उपराष्ट्रपति कृष्णकांत का कार्यकाल के दौरान निधन हो गया था।

199 करोड़ रु. के चंदे पर कांग्रेस को टैक्स देना ही होगा

नई दिल्ली, 22 जुलाई। कांग्रेस को पार्टी फंड में पड़े 199 करोड़ रुपये पर इनकम टैक्स देना होगा। इसके लिए पार्टी को राहत नहीं मिली है। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण या आईटीएटी ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान सीमा के उल्लंघन के कारण पार्टी के छूट के दावे को खारिज कर दिया है।

मुम्बई ट्रेन धमाकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई करने का मंगलवार को अनुरोध किया। विशेष उल्लेख के दौरान मेहता ने पीठ के समक्ष यह कहते हुए कि विशेष अनुमति याचिका तैयार है, कृपया इसे कल सूचीबद्ध करें। यह अत्यावश्यक याचिका है। इस पर पीठ ने मामले को गुरुवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई।

गौरतलब है कि मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई, 2006 को सात बम विस्फोट हुए थे। इस दुखद घटना में 189 लोग मारे गए थे और 820 यात्री अपंग हो गए। शाम की भीड़भाड़ के दौरान बमों के रुक-रुक कर फटने की घटना ने ज़्यादा लोगों को नुकसान पहुँचाया।

मिग-21 की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाया था) को गिराया था। ये विमान रूस ने बनाया है कि लेकिन इसमें कई खामियों की वजह से ये क्रैश कर जाता है। इस विमान को रूस ने 1985 में रिटायर कर दिया था। यहां तक कि अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने भी इस विमान को रिटायर कर दिया है।

श्री डूंगरगढ़ में दो कारों की भिड़ंत में पाँच की मौत

बीकानेर, 22 जुलाई (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ के सिखवाल उपवन के पास नेशनल हाइवे-11 पर दो कारों की भिड़ंत में पांच लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ियों में फंसे घायलों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा। जानकारी के अनुसार, एक कार में सवार चार लोग खाटूश्यामजी से दर्शन कर लौट रहे थे। हादसा श्रीडूंगरगढ़ के सिखवाल उपवन के पास सोमवार देर रात 11 बजे नेशनल हाइवे-11 पर हुआ। श्रीडूंगरगढ़ शहर के पास हुई इस दुर्घटना में दोनों कार पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। पुलिस ने बताया कि एक-दो घायल कांच तोड़ते हुए सड़क पर आ गिरे। जानकारी के अनुसार एक कार में सवार अभयसिंह पुरा निवासी करण, बिग्गा निवासी दिनेश जाखड़ और श्रीडूंगरगढ़ निवासी मदन सारण ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बिग्गा निवासी मनोज जाखड़ की बीकानेर ले जाते समय मौत हो गई। ये सभी लोग खाटूश्याम मंदिर दर्शन करने गए थे।

■ भिड़ंत इतनी तेज थी कि गंभीर रूप से घायल 4 लोगों को निकालने के लिए गाड़ी को काटना पड़ा।

दूसरी कार में बैठे नापासर निवासी मल्लू उर्फ महालचंद भार्गव ने भी हादसे में दम तोड़ दिया। इसी कार में सवार नापासर निवासी संतोष कुमार, नापासर निवासी सुरेन्द्र, जितेन्द्र, लालचंद घायल हो गए, जिन्हें पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया।

क्या जगदीप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याद दिला दें कि पिछले दिसंबर में कांग्रेस और विपक्षी दलों ने जगदीप धनखड के खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाने की कोशिश की थी, लेकिन यह इसलिए खारिज हो गया क्योंकि जयराम ने उनका नाम गलत लिखा और 14 दिन की पूर्व सूचना भी नहीं दी गई।

यह बात "मैच फिक्सिंग" का सबसे खुला उदाहरण मानी गई।

राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड को पक्षपाती माना गया - विपक्ष के लिए अनुचित, नरेंद्र मोदी के प्रवक्ता की तरह व्यवहार करने वाला, और सरकार का खुला समर्थन करने वाला। इसलिए उनके खिलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया गया था।

लेकिन अब हालात बदल गए हैं - अब सरकार ही उनके खिलाफ़ हो गई है। कहानी में नया मोड़ आ चुका है, और कहा जा रहा है कि अब कर्मों का फल मिल रहा है।

विधेयकों पर राज्यपाल की मंजूरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के विधेयक को रोके रखना) या "एब्सोल्यूट वीटो" (पूर्ण अस्वीकृति) की कोई अवधारणा नहीं है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि कोई निष्क्रियता नहीं हो सकती, और जब भी कोई विधेयक राज्यपाल को प्रस्तुत किया जाता है, तो वह संविधान के तहत उपलब्ध तीन विकल्पों में से किसी एक को अपनाने के लिए बाध्य हैं - या तो सहमति दें, या असहमति जताकर विधेयक पुनर्विचार हेतु विधानसभा को लौटाएँ, या फिर राष्ट्रपति के विचारार्थ विधेयक को रिज़र्व करें।

अदालत ने आगे कहा कि यदि राज्यपाल असहमति जताते हैं, तो उन्हें अनुच्छेद 200 की पहली व्याख्या के अनुसार यथाशीघ्र विधेयक को संदेश के साथ पुनर्विचार हेतु विधानसभा को लौटाना होगा।

इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के लिए तीन महीने की समयसीमा तय की।

राज्यपाल के पास कोई विकल्प नहीं होगा सिवाय इसके कि वह पुनर्विचार के बाद विधानसभा द्वारा दोबारा पारित विधेयक को अपनी सहमति दें। इस पर सहमति देने के लिए अदालत ने एक महीने की समयसीमा तय की।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, "अनुच्छेद 200 की कोई भी ऐसी व्याख्या, जो अनिश्चितकालीन निष्क्रियता की अनुमति देती है, वह विधायी प्रक्रिया और जन-इच्छा को बाधित करेगी।"

15 मई, 2025 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दायर संदर्भ में अप्रैल 8 के निर्णय से उत्पन्न हुए 14 संवैधानिक प्रश्नों को चिन्हित किया गया।

इनमें प्रमुख सवाल थे: क्या न्यायपालिका राष्ट्रपति और राज्यपालों को विधेयकों पर सहमति देने के लिए समयबद्ध आदेश दे सकती है? क्या विलंब की स्थिति में संविधान में "स्वत: सहमति" की कोई अवधारणा है? क्या अनुच्छेद 200 और 201 की न्यायिक समीक्षा या आदेशों के लिए व्याख्या की जा सकती है?

संदर्भ का कहना है कि संविधान न्यायपालिका को ऐसा कोई स्पष्ट अधिकार नहीं देता और अप्रैल 8 के निर्णय ने एक ऐसा ढांचा बना दिया जो कार्यपालिका के स्वविवेक के अधिकार में हस्तक्षेप करता है।

मंगलवार की सुनवाई के दौरान, वरिष्ठ अधिवक्ता के.के. वेणुगोपाल (केरल की ओर से) और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन (तमिलनाडु की ओर से) ने इस संदर्भ का विरोध किया और इसकी वैधता पर सवाल उठाए। वरिष्ठ अधिवक्ता विल्सन ने कहा कि राष्ट्रपति के संदर्भ में उठाए गए सभी 14 प्रश्नों का उत्तर सुप्रीम कोर्ट पहले ही विभिन्न निर्णयों में, विशेष रूप से 8 अप्रैल, 2025 के तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के मामले में दे चुका है।

भाजपा सरकार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार उन्हें नजरअंदाज़ कर रही है और उन्हें वह सम्मान नहीं मिल रहा, जो मिलना चाहिए।

उन्होंने वरिष्ठ वकीलों और अन्य प्रमुख व्यक्तियों के साथ एक डिनर मीटिंग में यह साफ़-साफ कहा कि देश के मामलों को जिस तरीके से चलाया जा रहा है, उससे वे संतुष्ट नहीं हैं।

कहा जाता है कि जब उन्हें प्रस्तावित अविश्वास प्रस्ताव की जानकारी मिली, तो उन्होंने इस्तीफ़ा दे दिया। जब सरकार ने उनका इस्तीफ़ा सार्वजनिक नहीं किया, तो उन्होंने स्वयं रात 9:30 बजे अपने ट्विटर पर यह जानकारी साझा कर दी।

धनखड़ आरएसएस के करीबी माने जाते हैं और उसकी सिफारिश पर ही उन्हें पहले पश्चिम बंगाल का राज्यपाल और फिर उपराष्ट्रपति बनाया गया था।

धनखड़ किसानों और वंचित वर्गों की आवाज़ उठाते थे, जो मोदी सरकार को पसंद नहीं आया।

कोटा में कोचिंग सेंटरों में छात्रों की आत्महत्याओं पर उनकी सख्त टिप्पणी और शिक्षा की इन दुकानों (कोचिंग सेन्टरर्स) के काम करने के तरीक़े पर उनकी आलोचना से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला नाराज़ हो गए, जो खुद कोटा से हैं और माना जाता है कि वे खुद कई ऐसे संस्थानों से जुड़े हुए हैं।

बताया गया है कि उन्होंने अपने ग़ुस्से की जानकारी केन्द्रीय गृहमंत्री को दे दी थी, जिससे धनखड के साथ एक और टकराव हो गया।

इस समय, प्रधानमंत्री का आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से भी टकराव चल रहा है, तो क्या धनखड का मामला भी उसी का हिस्सा है?

वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि ऐसे बहुत से सवाल बहुत हैं।

ब्रिटिश नौसेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तकनीकी खराबी के कारण यह उड़ान नहीं भर सका था। भारतीय वायुसेना ने भी विमान को जरूरी मदद मुहैया कराई। विमान में ईंधन भरा गया। इसके बावजूद यह उड़ान नहीं भर सका। आखिर में यूके रॉयल एअर फोर्स की एक टैक्नीकल टीम आई और हैंगर में फाइटर जेट को ठीक करने का काम शुरू हुआ। एफ-35 की वापसी पर ब्रिटिश उच्चायोग के प्रवक्ता ने भी भारत का शुक्रिया अदा किया है। उन्होंने कहा, "भारतीय एअरपोर्ट प्रशासन समेत पूरी टीम ने एफ-35 को ठीक करने में अहम योगदान दिया है। इस मदद के लिए ब्रिटेन हमेशा भारत का आभारी रहेगा।"

राजस्थान हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहा है।

संदीप तनेजा वर्तमान में राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता के तौर पर नियुक्त हैं और जयपुर पीठ में राज्य सरकार का पक्ष रखते हैं। वहीं, बिपिन गुप्ता, रवि चिरानिया और अनुरूप सिंघी भी जयपुर पीठ में नियमित वकालत करते हैं, जबकि बलजिन्दर सिंह व संजीत पुरोहित हाईकोर्ट की जोधपुर स्थित मुख्य पीठ में प्रैक्टिस करते हैं। न्यायिक अधिकारी संगीता शर्मा फिलहाल अजमेर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के तौर पर कार्यरत हैं। सात नए न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के काम की रफ्तार में काफी तेजी आएगी। फिलहाल हाईकोर्ट में करीब 6 लाख साठ हजार मुकदमे लंबित हैं। गौरतलब है कि हाईकोर्ट में जजों की नियुक्ति को लेकर साल 2025 बेहद अच्छा साबित हुआ है। हाईकोर्ट को इस साल अब तक करीब 15 जज मिल चुके हैं। जनवरी, 2025 में तीन, फरवरी माह में एक और मार्च माह में हाईकोर्ट जज के तौर पर चार नियुक्ति हो चुकी हैं। वैसे हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 50 है।

क्या वरिष्ठ जेडीयू नेता हरिवंश सिंह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर विचार किया जा रहा है। हरिवंश, एक पत्रकार से राजनेता बने धीर-गंभीर व्यक्ति हैं, सभी दलों में उनकी अच्छी छवि है और उनका पदोन्नयन राज्यसभा में तनावों को कम करने में मदद कर सकता है।

एनडीए गठबंधन की दीर्घकालिक स्थिरता को सुनिश्चित करने के लिए, भाजपा कथित तौर पर यह विचार कर रही है कि उपसभापति का पद तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) को दिया जाए। वर्ष 2019 में हुए कटु विभाजन के बाद, टीडीपी अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू के एनडीए में लौटने के साथ, भाजपा रणनीतिकार मानते हैं कि संसद में, टीडीपी जैसे किसी सहयोगी दल को सशक्त बनाने से गठबंधन की स्थिरता का संकेत मिल सकता है, जो बिहार चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव के मद्देनज़र महत्वपूर्ण हो सकता है।

लेकिन मौजूदा राजनीतिक हलचल केवल संसद तक ही सीमित नहीं है। भाजपा के भीतर अध्यक्ष पद को लेकर एक समानान्तर रस्साकशी चल रही है। जे.पी. नड्डा का बढ़ाया गया कार्यकाल जल्दी ही समाप्त हो रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरंतरता और केन्द्रीयकृत नियंत्रण के पक्षधर माने जा रहे हैं। लेकिन आरएसएस इसका विरोध कर रहा है, वह पार्टी के इस शीर्ष पद के लिए अपनी सोच पर जोर दे रहा है।

इस संदर्भ में, संजय जोशी का नाम फिर से उभरकर सामने आया है, जो लंबे समय से आरएसएस के निष्ठावान कार्यकर्ता और एक समय भाजपा के प्रमुख संगठनकर्ता रहे हैं। मोदी ने एक दशक पहले आंतरिक प्रतिद्वंद्विता के कारण जोशी को दरकिनार कर दिया था, लेकिन संघ अब भी उन्हें उच्च सम्मान देता है। जोशी को भाजपा अध्यक्ष के रूप में प्रोजेक्ट करके, संघ यह संकेत दे सकता है कि वह पार्टी का वैचारिक नियंत्रण फिर से हासिल करना चाहता है, खासकर ऐसे समय, जब मोदी के खेमे में चुनावी गणित और रियलपॉलिटिक निर्णय लेने में महती भूमिका निभाना महत्वपूर्ण प्रतीत हो रहा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत अपनी प्रतिष्ठा को पुन: स्थापित करने के लिए जोशी को भाजपा के सर्वोच्च पद पर देखना चाहते हैं।

इन सभी घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि धनखड़ का इस्तीफा सत्ता के एक बहुत बड़े मंथन की केवल एक सतही घटना है। चूँकि भाजपा और संघ, सत्ता के उत्तराधिकार, गठबंधन प्रबंधन और आंतरिक असहमति की जटिलताओं से जूझ रहे हैं, इसलिये आने वाले दिनों में और भी अप्रत्याशित घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं।

इस समय, सभी की नजरें राज्यसभा के नए अध्यक्ष और भाजपा के अगले अध्यक्ष पर हैं, ये दोनों ही निर्णय भारत की सत्तारूढ़ पार्टी के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण परिणाम लेकर आयेंगे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908